Follow us on: @TheDailyPioneer | facebook.com/dailypioneer | instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/48369
वर्ष 13 । अंक 213
नई दिल्ली, बुधवार, 11 जून 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

पायनियर

Established 1865

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

गोमांस को हिंदुओं के खिलाफ हथियार बनाया जा रहा: हिमंत

जनसंख्या बढ़ी, प्रजनन दर घटी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारत की जनसंख्या 2025 में एक अरब 46 करोड़ (1.46 बिलियन) तक पहुंचने का अनुमान है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। संयुक्त राष्ट्र की एक नई जनसांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार जो यह भी बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे 1.9 तक गिर गई है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव का संकेत है। भारत में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) वर्तमान में प्रति महिला 2.0 बच्चे हैं। इसका मतलब है कि औसतन, भारत में एक महिला से उसके प्रजनन वर्षों (आमतौर पर 15-49 वर्ष की आयु) के दौरान 2 बच्चे होने की उम्मीद की जाती है। 2021 के लिए सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की रिपोर्ट के अनुसार, यह दर 2020 से स्थिर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (एनएफपीए) की 2025 स्टेट ऑफ़ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्ल्यूपी) रिपोर्ट के अनुसार, तीन में से एक वयस्क भारतीय (36प्रतिशत) अनपेक्षित गर्भधारण का सामना करता है, जबकि 30 प्रतिशत को अधिक या कम बच्चे पैदा करने की अधूरी इच्छा का अनुभव होता है। उल्लेखनीय रूप से, 23 प्रतिशत ने दोनों का सामना किया।

उल्लेखनीय रूप से, 1960 में, जब भारत की जनसंख्या लगभग 43.6 करोड़ (436 मिलियन) थी, तब औसत महिला के लगभग छह बच्चे थे। 1970 के दशक में, महिलाओं के औसतन लगभग पांच बच्चे थे। अब, उनके पास लगभग दो

प्रतीकात्मक चित्र

हैं। यह मील का पत्थर स्वास्थ्य और शिक्षा में प्रगति को दर्शाता है, लेकिन कुल प्रजनन दर में क्षेत्रीय विविधता को छुपाता है, जो कि एक महिला के जीवनकाल में होने वाले बच्चों की औसत संख्या है।

2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्ल्यूपी) रिपोर्ट इस बात को रेखांकित करती है कि वास्तविक संकट जनसंख्या के आकार में नहीं है, बल्कि व्यक्तियों के स्वतंत्र और जिम्मेदारी से यह तय करने के अधिकार का समर्थन करने की व्यापक चुनौतियों में है कि उन्हें कब, कितने और कितने बच्चे पैदा करने हैं। धीमी जन्म दर के बावजूद, भारत की युवा आबादी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 में 17 प्रतिशत और 10-24 में 26 प्रतिशत हैं। देश की 68 प्रतिशत आबादी कार्यशील आयु (15-64) की है, जो पर्याप्त रोजगार और नीति समर्थन के साथ संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है। बुजुर्ग आबादी (65 और अधिक) वर्तमान में सात प्रतिशत है, एक आंकड़ा जो आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ बढ़ने की उम्मीद है। 2025 तक, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जिसमें लगभग एक अरब 50 करोड़ (1.5 बिलियन) लोग हैं, यह संख्या लगभग 40 साल बाद गिरने से पहले लगभग एक अरब 70 करोड़ (1.7 बिलियन) तक बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आंकड़ों के पीछे लाखों जोड़ों की कहानियां हैं जिन्होंने अपने परिवारों को शुरू करने या बढ़ाने का फैसला किया, साथ ही उन महिलाओं की कहानियां भी हैं जिनके पास इस बारे में बहुत कम विकल्प थे कि वे कब, कितनी बार या कितनी बार गर्भवती हों। बुजुर्ग आबादी वर्तमान में सात प्रतिशत है, एक आंकड़ा जो आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ बढ़ने की उम्मीद है। 2025 तक, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, 1960 में, जब भारत की जनसंख्या लगभग 43.6 करोड़ (436 मिलियन) थी, औसत महिला के लगभग छह बच्चे थे। उस समय, महिलाओं का अपने शरीर और जीवन पर आज की तुलना में कम नियंत्रण था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 4 में से 1 से भी कम महिलाएं किसी न किसी रूप में गर्भनिरोधक का इस्तेमाल करती हैं और 2 में से 1 से भी कम महिलाएं प्राथमिक विद्यालय जाती हैं। लेकिन आने वाले दशकों में, शैक्षिक प्राप्ति में वृद्धि हुई, प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ और अधिक महिलाओं को अपने जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में आवाज मिली। भारत में औसत महिला के अब लगभग दो बच्चे हैं। जबकि भारत और हर दूसरे देश में महिलाओं के पास आज उनकी माताओं या दादियों की तुलना में अधिक अधिकार और विकल्प हैं, फिर भी उन्हें अपनी इच्छानुसार बच्चे पैदा करने के लिए सशक्त होने से पहले अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने भारत को मध्यम आय वाले देशों के समूह में रखा है जो तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन से गुजर रहे हैं, जहां जनसंख्या दोगुनी होने का समय अब ??79 वर्ष होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) (**शेष पृष्ठ 9**)

मनमानी स्कूल फीस बढ़ाने पर अध्यादेश को मंजूरी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में दिल्ली कैबिनेट ने निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने पर मचे बवाल और विरोध के बाद, स्कूलों द्वारा ली जाने वाली फीस को विनियमित करने और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए एक अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने मंगलवार को अपनी आठवीं बैठक में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस के निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अध्यादेश, 2025 को मंजूरी दे दी। मसौदा अध्यादेश में मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के लिए सख्त दंड का प्रावधान है, जिसमें फीस संशोधन का प्रस्ताव करने का अधिकार खोना भी शामिल है। इस कदम से दिल्ली के 1,677 निजी स्कूलों के छात्रों और अभिभावकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। अध्यादेश में स्कूल-स्तरीय फीस विनियमन समितियों, जिला-स्तरीय अपीलीय निकायों और विवादों और अपीलों के प्रबंधन के लिए एक राज्य-स्तरीय संशोधन समिति के गठन का प्रस्ताव है -यह दिल्ली में अपनी तरह का पहला त्रि-स्तरीय तंत्र होगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अध्यादेश को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के पास भेजा जाएगा। एक बार अधिनियमित होने के बाद, अध्यादेश निजी स्कूलों को मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने से रोकेगा और अभिभावकों को जरूरी राहत प्रदान करेगा। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने शुरू में दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे भाग में इस सुधार को पेश करने की योजना बनाई थी, जो 13-14 मई को आयोजित होने वाला था और लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था। मसौदा अध्यादेश में कहा गया है कि यदि कोई स्कूल अनुमत मानदंडों से अधिक फीस वसूलता पाया जाता है, तो उसे अतिरिक्त राशि वापस लेनी होगी और 20 कार्य दिवसों के भीतर इसे वापस करना होगा। पहली बार अपराध करने पर स्कूल पर 1 लाख रुपये से 5 लाख रुपये के बीच जुर्माना लगाया जाएगा। बार-बार अपराध करने पर जुर्माना 2 लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच बढ़ जाएगा। मसौदा अध्यादेश में प्रस्ताव है कि यदि स्कूल निर्धारित समय के भीतर राशि वापस करने में

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक करती हुईं।

विफल रहता है, तो जुर्माना 20 दिनों के बाद दोगुना हो जाएगा, 40 दिनों के बाद तिगुना हो जाएगा और हर 20 दिन की देरी के साथ बढ़ता रहेगा। इसमें बार-बार उल्लंघन करने वालों पर दंड का भी प्रावधान है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आठवीं कैबिनेट मीटिंग में भाजपा सरकार ने प्रस्तावित दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 के आधार पर अध्यादेश को मंजूरी दी है। सूद ने कहा, अध्यादेश को उपराज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। यह उन अभिभावकों के लिए खुशी का दिन है जिनके बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। यह कानून का रूप लेगा। उन्होंने कहा, यह पूर्वव्यापी प्रावधान विशेष रूप से उन अभिभावकों को लाभान्वित करेगा, जिन पर अत्यधिक और अनुचित फीस का भुगतान करने का दबाव डाला गया था। अध्यादेश स्कूलों को फीस का भुगतान न करने के लिए छात्रों को दंडित करने से रोकता है, जिसमें उन्हें रोल से हटाना, परीक्षा परिणाम रोकना या सार्वजनिक रूप से अपमानित करना शामिल है।

अध्यादेश के अनुसार, जो लोग बार-बार मानदंडों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं, उन्हें स्कूल प्रबंधन के भीतर आधिकारिक पद धारण करने से भी रोका जा सकता है, मसौदा अध्यादेश के अनुसार। इसके अतिरिक्त, स्कूल प्रबंधन भविष्य में फीस संशोधन का प्रस्ताव करने का अधिकार खो सकता है। अध्यादेश से निजी स्कूलों में फीस निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। फीस बढ़ाने से पहले स्कूलों को सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया और बनाए गए नियमों के तहत अनुमति लेनी होगी। साथ ही, इससे उन स्कूलों पर भी नकेल कसी जा सकेगी जो मनमाने तरीके से फीस वसूलते हैं या छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। अध्यादेश में निजी स्कूलों द्वारा फीस तय करने के तरीके की निगरानी के लिए एक संरचित ढांचा तैयार किया गया है और फीस में मनमाने तरीके से बढ़ोतरी और फीस ढांचे में स्पष्टता की कमी के बारे में अभिभावकों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का समाधान किया गया है। मसौदा अध्यादेश में कहा गया है कि इसका उद्देश्य निजी संस्थानों की स्वायत्तता को बनाए रखने और अभिभावकों के अधिकारों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित (**शेष पृष्ठ 9**)

राजा रघुवंशी हत्याकांड: मेघालय पुलिस ने सोनम समेत पांच आरोपियों ट्रांजिट रिमांड पर लिया

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल

राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय पुलिस ने सभी पांच आरोपियों, जिनमें पीड़ित की पत्नी सोनम रघुवंशी भी शामिल है, के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल कर ली है, जिससे आगे की पूछताछ और जांच के लिए उन्हें शिलांग ले जाने का रास्ता साफ हो गया है। कथित साजिशकर्ताओं को हिरासत में लेने के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कई पुलिस टीमें समन्वित प्रयासों में लगी हुई थीं। अपने पति की हत्या की साजिश रचने की आरोपी सोनम रघुवंशी को उत्तर प्रदेश में वाराणसी-गाजीपुर मुख्य मार्ग के पास एक सड़क किनारे स्थित भोजनालय में पाया गया। शुरुआत में सखी वन स्टॉप सेंटर में रखे जाने और मेडिकल जांच के बाद सोनम को सोमवार रात गाजीपुर में स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। मेघालय पुलिस ने अदालत से तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड हासिल करने में सफलता पाई। इसके बाद, उसे मंगलवार को बिहार के पटना के फुलवारी शरीफ थाने ले जाया गया और शाम को शिलांग पहुंचा दिया गया। सोनम ने कथित तौर पर दावा किया है कि उसे याद नहीं है कि वह गाजीपुर कैसे पहुंची, उसने इसका कारण अपहरणकर्ताओं द्वारा नशीला पदार्थ दिए जाने को बताया। इस बीच, मेघालय पुलिस की एक अलग टीम ने अन्य चार आरोपियों- राज कुशवाह (सोनम का कथित प्रेमी और सह-साजिशकर्ता), आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान को हिरासत में लेने के लिए मध्य प्रदेश में अभियान चलाया। इन चारों व्यक्तियों को सोमवार रात इंदौर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष पेश किया गया, जहां मेघालय पुलिस ने सात दिन की ट्रांजिट रिमांड हासिल की। चौथे आरोपी आनंद कुर्मी को सागर, मध्य प्रदेश में पाया गया, जिसे इंदौर लाया गया और मंगलवार को ट्रांजिट रिमांड के लिए अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद थी। सभी चार आरोपी पुरुष अब मेघालय पुलिस की हिरासत में हैं और उन्हें व्यापक पूछताछ के लिए शिलांग लाया जा रहा है, उनके बुधवार तक पहुंचने की उम्मीद है। मेघालय विशेष जांच दल (एसआईटी) (**शेष पृष्ठ 9**)

द्वारका में इमारत में आग लगने से एक परिवार के तीन की मौत

● मृतकों में दो बच्चे भी शामिल

पीटीआई। नई दिल्ली

दिल्ली के द्वारका इलाके में मंगलवार सुबह आठवीं और नौवीं मंजिल पर स्थित डुप्लेक्स फ्लैट में लगी भीषण आग से बचने के लिए छलांग लगाने से दो बच्चों सहित एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि इस घटना में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग इमारत की आठवीं मंजिल पर स्थित मंदिर से शुरू हुई और पीवीसी पैनल के जरिए तेजी से फैल गई। मृतकों की पहचान यश यादव (35), उनकी 12 वर्षीय बेटी (12) और 11 वर्षीय एक रिश्तेदार के रूप में हुई है। आठवीं मंजिल की बालकनी से कूदने से उनकी मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि परिवार इमारत की ऊपरी दो मंजिलों पर एक डुप्लेक्स में रहता है। अधिकारी ने कहा, जब आग लगी, तो परिवार ने सीढ़ियों के जरिए नौवीं मंजिल पर जाकर बचने की कोशिश की। हालांकि, दो छोटे बच्चे पीछे रह गए

नई दिल्ली के द्वारका में मंगलवार को एक इमारत में लगी आग को देखते लोग।

और यश उन्हें बचाने के लिए वापस आ गए। हांलांकि, तब तक आग फैल चुकी थी और उन्हें बचाया नहीं जा सका। बच्चों को आकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यश को आईजीआई अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार के दो अन्य व्यक्ति, यश की पत्नी और उनके बड़े बेटे (18) को चोटें आईं और उन्हें आकाश अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में जान गंवाने वाले 11 वर्षीय बच्चे सहित यादव के कुछ अन्य रिश्तेदार सेक्टर 13 के सपथ सोसायटी स्थित उनके आवास पर एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आए थे, जो दो-तीन दिनों के लिए मोहन गार्डन में (**शेष पृष्ठ 9**)

ट्रेनों के प्रस्थान से 24 घंटे पहले रेलवे यात्री चार्ट जारी करेगा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे अब ट्रेनों के निर्धारित प्रस्थान से 24 घंटे पहले अंतिम यात्री चार्ट जारी करेगा - यह पिछली प्रथा से बेहतर है, जिसमें इसे केवल चार घंटे पहले जारी किया जाता था। रेलवे के शीर्ष स्तर के सूत्रों ने कहा कि इस पहल को वर्तमान में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है, जो 6 जून को पश्चिमी रेलवे ज़ोन के बीकानेर डिवीजन के तहत शुरू हुआ था। रेलवे द्वारा व्यवहार्यता का अध्ययन करने के बाद जल्द ही इस संबंध में आधिकारिक घोषणा किए जाने की उम्मीद है।

नई प्रणाली का उद्देश्य यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना अधिक प्रभावी ढंग से बनाने में मदद करना है। उदाहरण के लिए, 100 किमी या उससे अधिक दूर से आने वाले यात्रियों को अंतिम समय की अनिश्चितता के बिना बोर्डिंग स्टेशन तक पहुँचने के लिए बेहतर स्पष्टता और समय मिलेगा। इस बदलाव से यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ने और यात्रा से संबंधित तनाव कम होने की उम्मीद है। भारतीय रेलवे के सूत्रों ने पायनियर को बताया कि यह प्रथा यात्रा के दौरान भ्रम और अनावश्यक तनाव से बचने के लिए शुरू की गई

प्रतीकात्मक चित्र

है। यह कदम यात्रियों को मार्ग में प्रीमियम ट्रेनों में चढ़ने की सुविधा प्रदान करने के लिए भी उठाया गया है, उदाहरण के लिए यदि नई दिल्ली-कोलकाता राजधानी जो नई दिल्ली और कानपुर के बीच नहीं रुकती है और इसके विपरीत अलीगढ़ या आसपास के यात्री दिल्ली या कानपुर से ट्रेन में यात्रा करने की आवश्यकता रखते हैं, वे इसमें चढ़ सकते हैं।

इस पहल को इस बात को ध्यान में रखते हुए भी बनाया गया है कि यदि टिकट प्रतीक्षा सूची में हैं तो यात्री रेलवे द्वारा 24 घंटे पहले अपनी यात्रा की योजना फिर से बना सकते हैं। बीकानेर में परिचालन के पूर्ण कार्य के लिए केवल दो दिन हैं। एक सप्ताह के समय में मुख्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, जिस पर रेल मंत्रालय स्तर पर चर्चा की जाएगी। यदि संभव हो तो यात्रियों के साथ-साथ रेलवे के सामाजिक और आर्थिक लाभ का आकलन करने के लिए कुछ चुनिंदा डिवीजनों में 24 घंटे का चार्ट नोटिस लागू किया जाएगा, वर्तमान में इस मॉडल पर काम कर रहे एक अन्य रेल अधिकारी ने बताया। हालांकि उपलब्धता और नियमों और विनियमन के अनुसार वर्तमान बुकिंग की प्रणाली अपरिवर्तित रहेगी। इसी तरह रेलवे का लक्ष्य टिकट दलालों (**शेष पृष्ठ 9**)

अवैध प्रवेश, वीजा दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं करेगा अमेरिका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अमेरिका एक भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाने और वापस भेजने के बाद भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने दी प्रतिक्रिया

अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट से एक भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाने और वापस भेजने के बाद, भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि हालांकि देश वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखता है, लेकिन वे अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखता है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। हम अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं कर सकते और न ही करेंगे।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारतीयों के खिलाफ दुर्व्यवहार और अत्याचार पर हस्तक्षेप करने की अपील करने के लिए तुरंत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात करनी चाहिए। पार्टी ने यह दावा एक वीडियो सामने आने के बाद किया, जिसमें एक भारतीय छात्र को अमेरिकी हवाई अड्डे पर हथकड़ी लगाकर फर्श पर पटक दिया गया था। कांग्रेस नेताओं ने अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट पर एक भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर जमीन पर लिटाए जाने का वीडियो और तस्वीरें भी साझा कीं, जिसके बाद उसे कथित तौर पर निर्वासित कर दिया गया।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है, क्योंकि ऑनलाइन वीडियो में युवा भारतीय व्यक्ति को हथकड़ी लगाए जाने और कथित तौर पर निर्वासित किए जाने का वीडियो सामने आया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमें सोशल मीडिया पोस्ट मिले हैं, जिनमें दावा किया गया है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हम इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। इसमें कहा गया है, वाणिज्य दूतावास भारतीय नागरिकों के (**शेष पृष्ठ 9**)

पोते, पोतियों संग फारुक अब्दुल्ला ने की वंदे भारत की सवारी

● बोले, कश्मीर को आखिरकार देश के रेल नेटवर्क से जुड़ते देख मेरा दिल अभिभूत है और मेरी आंखें भर आई है

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर में से एक 87 वर्षीय डॉ. फारूक अब्दुल्ला के लिए यह एक बेहतरीन दिन था, जब वे अपने पोते-पोतियों ज़मीर और ज़ाहिर के साथ मंगलवार को श्रीनगर से कटरा के लिए नई लॉन्च की गई वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार हुए। दिग्गज नेता ने ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाया

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला मंगलवार को कटरा से कश्मीर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सवारी करते हुए।

और कश्मीर को आखिरकार देश के रेल नेटवर्क से जुड़ते देख अभिभूत हो गए। 6 जून, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई इस ट्रेन को अब्दुल्ला ने क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। गोल सन-वाइज़र हैट पहने डॉ. अब्दुल्ला श्रीनगर के नौगाम रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार हुए और कटरा में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और जम्मू एनसी अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पहुंचने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा, कश्मीर को आखिरकार देश के रेल नेटवर्क से जुड़ते देख मेरा दिल अभिभूत है और मेरी आंखें भर आई हैं। उन्होंने 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना के पीछे के इंजीनियरों और श्रमिकों की प्रशंसा की, जिसमें चेनाब ब्रिज और अंजी खाद ब्रिज जैसी प्रतिष्ठित संरचनाएं शामिल हैं, और इसे लोगों की सबसे बड़ी जीत कहा।

यह यात्रा, जिसने केवल तीन घंटे में दूरी तय की, अब्दुल्ला और उनके पोते-पोतियों के लिए एक विशेष यात्रा थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर के मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी और एनसी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक सहित एनसी के नेता शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दल्ला के बेटों जहीर और जमीर अब्दुल्ला ने एक यादगार यात्रा का अनुभव करने के बाद अपनी खुशी व्यक्त की। जमीर ने विशेष रूप से ऑनबोर्ड भोजन अनुभव की प्रशंसा की, और भोजन को सुखद और अच्छी तरह से तैयार बताया, जो यात्रियों के आराम के लिए तैयार की गई वंदे भारत की आधुनिक सुविधाओं का संकेत है। ट्रेन की शुरुआत से पर्यटन, व्यापार और कनेक्टिविटी को (**शेष पृष्ठ 9**)

राजस्थान में पिकनिक मनाने गए आठ युवक नदी में डूबे

पीटीआई। जयपुर

राजस्थान के टोंक जिले में मंगलवार को बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि तीन अन्य युवकों को बचा लिया गया और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि जयपुर से 11 युवक पिकनिक मनाने कच्चा बांध, पुराना बनास पुलिया के पास पहुंचे थे। कुछ युवक नदी में नहाने उतरे और गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस व बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से युवकों को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने आठ युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नौशाद (35), कासिम (26), रिजवान (26), नवाब खान (28), साजिद (20), नक्कू (30), बल्लू और फरहान के रूप में हुई है। वे जयपुर के हसनपुरा, घाट गेट, पानीपेच और रामगंज इलाके के निवासी थे। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचईडी) मंत्री कन्हैयालाल और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि टोंक जिला अस्पताल पहुंचे और इलाज करा रहे लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। (**शेष पृष्ठ 9**)

दिल्ली के लिए सकारात्मक दौर शुरू : मुख्यमंत्री

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वाल्ड सिटी के साथ डीडीए सद्भावना पार्क का किया उद्घाटन

● इसमें चैरिएट फाउंटेन, स्कल्पचर फाउंटेन, फॉर्मल लॉन, शेडेड इटिंग प्लाजा और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महात्मा गांधी मार्ग स्थित वाल्ड सिटी के समानांतर पर सद्भावना पार्क।

सत्ता परिवर्तन के बाद से राष्ट्रीय राजधानी को सजाने-संवारने का काम जोरों पर है। इसे एक अभियान की तरह अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। इस कड़ी में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा पुनर्विकसित किए गए सद्भावना पार्क का उद्घाटन किया। यह पार्क दिल्ली के हरित शहरी क्षेत्रों में एक भव्य वृद्धि है।

महात्मा गांधी मार्ग (रिंग रोड) पर, वाल्ड सिटी के समानांतर, सद्भावना पार्क 11.0 एकड़ के पुनर्विकसित हरित क्षेत्र में फैला हुआ है। ज्यामितीय रूपों पर जोर देने के उद्देश्य से और रिंग रोड के पूर्वी हिस्से में समाधि परिसर में बगीचों को संतुलित करने के लिए एक औपचारिक उद्यान के रूप में डिजाइन किया गया, यह दिल्ली में और अधिक जरूरी ओपन रिक्रिएशनल अवसर प्रदान करेगा, खासकर दरियागंज और पुरानी दिल्ली के लोगों के लिए। पार्क की मुख्य विशेषताओं चैरिएट फाउण्टेन, बारादरी, स्कल्पचर फाउण्टेन, फॉर्मल लॉन, शेडेड इटिंग प्लाजा और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल हैं। इस पार्क में सफेद संगमरमर के रास्ते और मूर्तियाँ हैं जो लॉन और कम रखरखाव वाले वृक्षारोपण क्षेत्रों में विभाजित पंक्तिबद्ध हरे क्षेत्रों के साथ खूबसूरती बढ़ा रही हैं, जो भव्यता का एहसास कराती हैं। इसका राजसी डिजाइन इसे राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तरह का पहला पार्क बनाता है। इस समय पार्क में घंटाघर का निर्माण कार्य चल रहा है जो आगे पार्क के सौंदर्य आकर्षण को और बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, पार्किंग के पास एक फूड वैन शुरू करने का प्रस्ताव है जो आगंतुकों को आकर्षित करेगी और उनके समग्र अनुभव को बढ़ाएगी। उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से बारादरी के बीच में मौलसरी का पेड़ लगाया। इन पेड़ों और पौधारोपण से न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ेगी बल्कि समाज के लाभ के लिए वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन में भी सुधार होगा।

फव्वारों वाले एक गोलाकार पानी के तालाब में स्थापित सारथी द्वारा संचालित पांच सफेद घोड़ों की मूर्ति, दिल्ली के भूदृश्य में एक अनूठी विशेषता के रूप में पार्क की शोभा बढ़ाती है। इसके अतिरिक्त, पद्म विभूषण से सम्मानित मूर्तिकार सुदर्शन साहू द्वारा तैयार की गई यक्षिणी की चार शानदार मूर्तियाँ, रैखिक लॉन के अंदर स्थापित की गई हैं। ये कलाकृतियाँ पार्क की सुंदरता को बढ़ाती हैं और लोगों को आराम करने के लिए स्वागत योग्य, शांत स्थान प्रदान करती हैं।

14 जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक संपन्न

● राहुल गांधी के जन्म दिन तालकटोरा स्टेडियम में रोजगार मेला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने नेतृत्व में सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी बैठकें आयोजित की गई। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने जिला कार्यकारिणी की बैठकों में हिस्सा लिया और बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लेते हुए जिला कांग्रेस कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि आगामी 15 तारीख से पहले प्रत्येक ब्लॉक में 12वी पास कम से कम 25 बेरोजगार युवाओ एवं ब्लॉक के क्षेत्र में चल रहे कोचिंग सेंटर्स को चिन्हित कर बच्चो का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वहीं राहुल गांधी के जन्मदिन 19 जून को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे रोजगार मेले में दिल्ली भर के बेरोजगार युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करके उन्हें रोजगार दिलाने में सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अहम भूमिका निभा सकें। वेबसाइट पर संगठन की सभी गतिविधियों का विवरण उपलब्ध कराया जाएगा। यादव ने बाबरपुर जिला कांग्रेस के तहत आने वाले राम नगर ब्लाक और नन्द नगरी ब्लाक कांग्रेस कमेटी दोनो के ब्लाक अध्यक्ष श्री कर्ण धीगिंया और कुलदीप भाटी के कार्यालयों का उद्घाटन भी किया। कार्यकारिणी की बैठक में जिला अध्यक्ष राजकुमार जैन ने प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव को संविधान की कॉपी भी भेंट की। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में सुरक्षा, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर 100 दिनों के शासन में विफल रही है वहीं दिल्ली के प्रति गंदगी और खतरनाक स्तर के प्रदूषण से निजात दिलाने और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने जैसी नैतिक जिम्मेदारी को निभाने में भी भाजपा पूरी तरह फेल साबित हुई है।

छात्रों की शैक्षिक यात्रा को समृद्ध और सजीव बनाने की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपने विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक यात्रा को और अधिक समृद्ध व सजीव बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एनडीएमसी ने नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह एक वर्ष की अवधि की साझेदारी नवयुग और एनडीएमसी के सभी विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए की गई है, जिसके तहत उन्हें विशेष शैक्षणिक भ्रमण, विषय-आधारित रचनात्मक कार्यशालाएं और मार्गदर्शित अधिगम अनुभव प्रदान किए जाएंगे एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने जानकारी दी कि परिषद ने इस साझेदारी के अंतर्गत एनडीएमसी के विद्यालयों में इन-हाउस तथा आउटरीच गतिविधियों को लागू किया जाएगा, जो विभिन्न आयु वर्गों और अधिगम स्तरों के अनुरूप तैयार की जाएंगी। यह सहयोग छात्रों को आधुनिक कला, संस्कृति, विरासत और विज्ञान से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर देगा। यह न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देगा, बल्कि उन्हें एक संतुलित, विचारशील और जागरूक पीढ़ी के रूप में विकसित करेगा जो विकसित भारत 2047 के मूल्यों के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य बने प्रो. गौरव वल्लभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते भाजपा के राष्ट्रीय नेता व आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ प्रो. गौरव वल्लभ।

● यह परिषद प्रधानमंत्री को आर्थिक व संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए सर्वोच्च संस्था है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय नेता प्रो. गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया है। इस मनोनयन के साथ प्रो. गौरव वल्लभ के पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद टीम में शामिल होने कयासों पर मुहर लग गई है। ज्ञात रहे कि यह परिषद प्रधानमंत्री को आर्थिक व संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए एक सर्वोच्च संस्था है। प्रो. गौरव वल्लभ की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य के पद पर नियुक्ति बतौर अर्थशास्त्री की गई है।

अब प्रो. गौरव वल्लभ भारत सरकार (विशेष रूप से प्रधानमंत्री) को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्थिक एवं संबंधित मुद्दों पर सलाह प्रदान करने का कार्य आर्थिक सलाहकार परिषद के माध्यम से करेंगे। परिषद के चेयरपर्सन अर्थशास्त्री एस. महेंद्र देव हैं। भाजपा नेता प्रो. गौरव वल्लभ देश-विदेश के कई आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थानों में बतौर वित्त के प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी हैं। अर्थशास्त्री व वित्त विशेषज्ञ प्रो. गौरव वल्लभ के 100 से ज्यादा शोध-लेख दुनिया के श्रेष्ठ अकादमिक जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. गौरव वल्लभ के विभिन्न समसामयिक आर्थिक मुद्दों पर आलेख नियमित रूप से देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। प्रो. गौरव के आर्थिक-सामाजिक मुद्दों पर आधारित कई शोध पत्र देश-दुनिया की प्रतिष्ठित कांफ्रेंसेज में प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

मेफेयर सोसाइटी की शॉपिंग काम्प्लेक्स के बाहर कार्रवाई करता प्रशासन।

ग्रेनो में रेहडी पटरी वालों पर कार्रवाई

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की तरफ से अवैध रूप से लग रही रेहड़ी-पटरी वालों पर कार्रवाई की गई। अर्बन सर्विस विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज कुमार सचान के नेतृत्व में टीम ने टेकजोन-4 की मेफेयर सोसाइटी की शॉपिंग काम्प्लेक्स के सामने अवैध रूप से लग रही एक दर्जन ठेली-पटरियों को हटाया गया और सभी को चेतावनी भी दी गई कि दोबारा अवैध रूप ठेलियां लगीं तो जब्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी। इसके साथ ही प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की टीम ने सेक्टर ईकोटेक श्री में रोड पर कार्य कर रहे फैब्रिकेटर्स को भी हटाया गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने ग्रेनो में सड़क किनारे अवैध रेहड़ी-पटरियों को जब्त करने की कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी है।

द्विजदास बसाक बनें टाटा पावर-डीडीएल के सीईओ

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर-डीडीएल ने द्विजदास बसाक को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी के बयान के अनुसार, बसाक की नियुक्ति नौ जून 2025 से प्रभावी हो गई। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक डॉ प्रवीर सिन्हा ने नियुक्ति पर कहा, मैं टाटा पावर-डीडीएल के नए सीईओ के रूप में द्विजदास बसाक का स्वागत करता हूं। बिजली वितरण क्षेत्र में उनका शानदार रिकॉर्ड है...मुझे विश्वास है कि वह टाटा पावर-डीडीएल को परिवर्तनकारी विकास के अगले चरण में ले जाएंगे। नवोन्मेष तथा परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देंगे और ग्राहक केंद्रितता को नई ऊंचाइयों पर ले पहुंचाएंगे। टाटा पावर-डीडीएल से पहले बसाक टीपी नॉर्दर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीएनओडीएल) के सीईओ और ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस प्रमुख रह चुके हैं। बसाक ने कहा, मैं बतौर सीईओ टाटा पावर-डीडीएल से जुड़कर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह संगठन बिजली वितरण क्षेत्र में एक मानक के रूप में खड़ा है। मुझे विश्वास है कि हम अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करते हुए इस क्षेत्र में प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करेंगे। टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर के बीच संयुक्त उद्यम है।

पानी की कहानी पुस्तक का लोकार्पण

नई दिल्ली। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा जल केवल एक संसाधन नहीं, जीवन का आधार है। दुर्भाग्यवश, आज हम सभी अनियंत्रित उपभोग और लापरवाह व्यवहार के कारण जल संकट के गंभीर दौर में प्रवेश कर चुके हैं। पानी किल्लत अब केवल स्थानीय नहीं रही बल्कि वैश्विक रूप ले चुका है, जिसके समाधान के लिए जनजागरण आवश्यक है। उन्होंने यह बात मंगलवार को विधानसभा में पानी की कहानी पुस्तक का लोकार्पण के अवसर पर कही। कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा की विधायी अध्ययन ब्यूरो और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

राजमार्गों पर एमसीडी के विज्ञापन और पार्किंग पर चिंता जताई

● एनएचएआई ने दिल्ली सरकार को समस्या से अवगत कराया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के समक्ष राजमार्गों पर बाहरी विज्ञापन और अवैध पार्किंग स्थल सहित कई मुद्दों पर आपत्ति जताई है।

हाल ही में हुई एक बैठक में एनएचएआई की चिंताओं को दिल्ली सरकार के समक्ष रखा गया। एमसीडी का प्रशासनिक नियंत्रण दिल्ली सरकार के ही पास है। बैठक के दौरान एनएचएआई के अधिकारियों ने कहा, एमसीडी राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे विज्ञापनों और होर्डिंग के लिए स्थान आवंटित कर रहा है, जो सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा जोखिम पैदा करता है।

एमसीडी को ऐसे सभी विज्ञापनों को तत्काल हटाना चाहिए। इसके जवाब में एमसीडी ने कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत बाहरी विज्ञापन नीति 2017 पूरी दिल्ली पर लागू होती है। यदि कोई मुद्दा सामने आता है तो एमसीडी एनएचएआई के साथ संयुक्त निरीक्षण के लिए तैयार है। एमसीडी ने तर्क दिया कि वह दिल्ली नगरपालिका अधिनियम, 1957 के तहत विज्ञापनदाताओं को स्थान आवंटित कर रही है। एनएचएआई ने कहा, "मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर विज्ञापन होर्डिंग की अनुमति नहीं है।

तदनुसार, एमसीडी सभी अवैध होर्डिंग को हटा सकता है। बाहरी विज्ञापन निगम के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। एनएचएआई ने आरोप लगाया कि निगम ने पूर्वी दिल्ली में गांधी नगर क्षेत्र के पास, नवनिर्मित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन के किनारे अवैध पार्किंग भी शुरू कर दी है। राजमार्ग प्राधिकरण ने कहा, एनएचएआई ने एमसीडी से कई बार इस स्थल से पार्किंग हटाने का अनुरोध किया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नागरिकों को अपने दस्तावेजों पर सही जानकारी पाने का अधिकार : अदालत

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आधिकारिक जन्म प्रमाणपत्रों की सत्यता की अवधारणा को रेखांकित करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को एक छात्र के विवरण में सुधार करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वी. शंकर की पीठ ने यह कहते हुए सभी आधिकारिक दस्तावेजों के एक-दूसरे के अनुरूप किए जाने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया कि इससे न केवल सार्वजनिक दस्तावेजों में विशिष्ट विवरणों पर निश्चितता होती है, बल्कि जन्म तिथि के साथ एक नागरिक की पहचान को संरक्षित करने में भी मदद मिलती है। अदालत ने कहा, इस देश का नागरिक खुद से संबंधित सार्वजनिक दस्तावेजों पर सभी आवश्यक और प्रासंगिक विवरणों का सही और सटीक विवरण पाने का हकदार है। सीबीएसई काफी महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रखने वाला संस्थान है। पीठ ने यह टिप्पणी 1999 में जारी प्रमाणपत्रों में एक छात्र की जन्मतिथि को सही करने के एकल न्यायाधीश के निर्देश के खिलाफ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की अपील खारिज करते हुए की।

पशुओं के खिलाफयौन अपराधों पर जुलाई में सुनवाई करेगा हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय पशुओं के खिलाफ यौन अपराध में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाने की याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने 28 मई को मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई के लिए स्थगित की, ताकि याचिकाकर्ता और अधिक तथ्य रिकॉर्ड पर ला सके। भारतीय पशु संरक्षण संगठन महासंघ (एफआईएपीओ) ने अपनी जनहित याचिका में नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत को पूर्ण रूप से निरस्त करने पर प्रकाश डाला। याचिका में कहा गया कि 2018 में नवतेज सिंह जौहर मामले के फैसले में उच्चतम न्यायालय ने सहमति से समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए आईपीसी की धारा 377 की सही तरीके से व्याख्या की थी, लेकिन बीएनएस में इसे पूरी तरह हटा देने से पशुओं के खिलाफ यौन हिंसा अनजाने में अपराध की श्रेणी से बाहर हो गई। अधिवक्ता वर्णिका सिंह के माध्यम से दायर याचिका में उस प्रावधान को बहाल करने का अनुरोध किया गया है, जो विशेष रूप से आईपीसी की धारा 377 के तहत पशुओं के खिलाफ यौन अपराधों को अपराध मानता है।

पुरानी दिल्ली को चाहिए सक्षम प्राधिकरण : गोयल

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने गृह एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद के साथ एक बैठक की, जिसमें चांदनी चौक के समग्र विकास और उसकी ऐतिहासिक गरिमा के पुनरुत्थान पर विस्तृत चर्चा हुई।

गोयल ने कहा कि एनडीएमसी की तर्ज पर एसआरडीसी को वैधानिक प्राधिकरण का अधिकार मिले। पुरानी दिल्ली विशेष प्रकार की चुनौतियों से जूझ रही है, जैसे कि विरासत क्षरण, यातायात जाम, अतिक्रमण और प्रदूषण। इन सभी समस्याओं से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक सशक्त और समर्पित वैधानिक प्राधिकरण की आवश्यकता है। गोयल ने कहा कि वर्तमान में, एसआरडीसी एक दंतहीन निगम के रूप में काम कर रहा है।

एक पेड़ मां के नाम' में बिधूड़ी ने किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गांव जौनापुर के सीनियर सेकंडरी स्कूल में पौधारोपण करते सांसद बिधूड़ी।

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत गांव जौनापुर के सीनियर सेकंडरी स्कूल में पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान मातृत्व के समक्ष नतमस्तक होने के साथ-साथ पर्यावरण के संरक्षण में भी जबरदस्त सहायक हो रहा है।

बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान हमें जहां अपनी माता के प्रति सम्मान को प्रकट करने का अवसर देता है, वहीं यह धरती मां के प्रति भी कृतज्ञता दिखाता है। इस प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है तो हमें एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का सुअवसर नहीं छोड़ना चाहिए। बिधूड़ी ने पौधा लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का संदेश देकर पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 5 जून को पर्यावरण दिवस पर अपने आवास पर सिंदूर का पौधा लगाकर भारत मां की सुरक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगाने वाले वीरों के प्रति सम्मान प्रकट करने का भी संदेश दिया है। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, शिक्षा विभाग के अधिकारी और निगम पार्षद ी सुंदर सिंह तंवर भी मौजूद थे। सभी ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर उत्साहपूर्वक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

दनकौर के इंटर कॉलेज में रखी पुस्तकालय की नींव

● जेवर विधायक और यमुना प्राधिकरण सीईओ कार्यक्रम में पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शिक्षा के क्षेत्र में एक अहम कदम उठाते हुए दनकौर स्थित किसान आदर्श इंटर कॉलेज में आधुनिक पुस्तकालय की नींव रखी गई है।

इस अवसर पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही। जानकारी के लिए बता दें कि इस पुस्तकालय का नाम 'महाकवि कालिदास पुस्तकालय' रखा गया है, यह करीब 35 लाख रुपये की लागत से बनने जा रही है।

जो न केवल विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराएगा, बल्कि एक सांस्कृतिक और साहित्यिक पहचान भी प्रदान करेगा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षा से ही समाज की दिशा तय होती है। विद्यालयों में पुस्तकालयों की स्थापना से बच्चों में नई सोच विकसित होती है और जागरूकता का विस्तार होता है। उन्होंने यह भी कहा कि महाकवि कालिदास का नाम इस पुस्तकालय को साहित्यिक चेतना से जोड़ता है, जो छात्रों को अपनी जड़ों से जोड़े रखने का काम करेगा। यमुना प्राधिकरण डॉ. अरुणवीर सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रेरणादायक माहौल प्रदान करने में सहायक होंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि प्राधिकरण शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। इस पुस्तकालय में आधुनिक सुविधाएं, डिजिटल संसाधन, विभिन्न विषयों की पुस्तकें और अध्ययन के लिए शांत वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके निर्माण से दनकौर और आस-पास के विद्यार्थियों को एक नई शैक्षिक दिशा मिलने की उम्मीद है।।

योग संगम को बढ़ावा देने के लिए 21 को राष्ट्रीय वेबिनार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने 21 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले योग संगम 2025 के बारे में एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थानों, शिक्षकों और छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार आयोजित किया।

इसका उद्देश्य योग संगम में व्यापक भागीदारी को संगठित करना था जिससे शैक्षणिक संस्थानों को योग के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस दौरान एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने योग की परिवर्तनकारी शक्ति और आज की दुनिया में इसकी बढ़ती प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि योग भारत द्वारा दुनिया को दिए गए सबसे महान सभ्यतागत उपहारों में से एक है। आंतरिक शांति और शारीरिक अनुशासन के लिए एक व्यक्तिगत अभ्यास के रूप में शुरू हुआ योग अब समग्र स्वास्थ्य, स्थिरता और साझा मानवीय मूल्यों के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम, योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ मानव कल्याण और सार्वभौमिक स्वास्थ्य के परस्पर संबंध को दर्शाता है।

‘पीएम से दिल्ली के विजन को किया साझा’

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, राजधानी को हराभरा बनाने के लिए कर रहे कई कार्य
- योजनाओं के विकास के लिए नई दिशा और गति मिलेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पीएम को दिल्ली के विकास और प्रगति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी। रेखा ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी के विकास के लिए अपने विजन और योजनाओं को साझा किया, जिससे हमें दिल्ली के विकास के लिए नई दिशा और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि दिल्ली को स्वच्छ बनाना उनकी प्राथमिकता है और हरित दिल्ली हमारे प्रमुख लक्ष्यों में शामिल है। इस अवसर पर सीएम ने प्रधानमंत्री को शहीद स्मारक स्मृति चिन्ह भेंट किया और कहा वह सभी स्कूली बच्चों को इस स्थल को दिखाएंगी, ताकि उनमें देशभक्ति व राष्ट्रवाद का जज्बा पैदा हो।

रेखा गुप्ता ने कहा कि उन्हें हमेशा प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन से दिल्ली वालों की सेवा में एक नई ऊर्जा, एक नए संकल्प से जुटने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर दिल्ली को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। रेखा ने बताय कि आज की मुलाकात में उन्होंने दिल्ली के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री के विजन को ध्यान में रखते हुए हम देश की राजधानी को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाने के लिए प्रयासरत हैं। साथ ही हरित दिल्ली बनाने के लिए कई कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कचरे के प्रबंधन को बेहतर बनी रहे हैं, जिसके लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। कूड़े का रिसाइकल कर उसके विभिन्न उपयोग भी किए जा रहे हैं। दिल्ली को हरा-भरा बनाने के लिए इस साल 70 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ अभियान शुरू कर दिया गया है। पार्कों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। सड़क किनारे खाली स्थानों पर पौधारोपण किए जा रहे हैं। यह केवल एक पर्यावरणीय लक्ष्य नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुंदर भविष्य की नींव है। दिल्ली को स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए मेरी सरकार एक बहुआयामी रणनीति पर काम कर रही है, जिसमें जन भागीदारी और विकास दोनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शहीद स्मारक स्मृति चिन्ह भेंट करती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को शहीद स्मारक स्मृति चिन्ह भेंट किया और जानकारी दी कि वह सभी स्कूली बच्चों को शहीद स्मारक स्थल दिखाएंगे, ताकि उनमें देशभक्ति व राष्ट्रवाद का जज्बा पैदा हो। आम जन को भी प्रेरित करेंगे कि वे डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक व प्रधानमंत्री संग्रहालय आदि के भी दर्शन करें। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें लोगों को डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक और प्रधानमंत्री संग्रहालय के महत्व और इतिहास के बारे जानकारी दी जाएगी। सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह चाहती हैं कि ये सभी स्थल व विशेष ऐतिहासिक स्मारिक दिल्ली के नए पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित इन स्मारकों से लोगों को न केवल इतिहास और संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलेगा, बल्कि वे राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली वासियों के साथ मिलकर राजधानी को विकसित दिल्ली बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

हम प्रधानमंत्री के विजन ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मूल मंत्र के तहत दिल्ली को विकसित राजधानी बनाएंगे।

शिक्षा विहार सहकारी आवास समिति के अध्यक्ष और सचिव पर संगीन धाराओं में केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एक कंसट्रक्शन/बिल्डर कंपनी की ओर से शिक्षा विहार सहकारी आवास समिति लिमिटेड इंदिरापुरम गाजियाबाद के अद्यक्ष गजेन्द्र परिहार और सचिव केवल सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य संगीन गैर जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इससे पूर्व एक निष्कासित सदस्य ने भी समिति पर कई गंभीर आरोप लगाए थे।

इस आशय का एक वाद बिल्डर कंपनी ने उपरोक्त अभियुक्तगण द्वारा धोखाधड़ी आदि के संदर्भ में समस्य कार्यवाही एवं न्यायाल में कार्यवाही करने हेतु अधिकृत किया है। प्रार्थी की कंपनी सिद्धार्थ विहार गाजियाबाद में हैं। प्रार्थी की कंपनी बिल्डर का काम करती है। जिसकी विशिष्ट पहचान है। शिक्षा विहार सहकारी समिति के अध्यक्ष एवं सचिव ने प्राथी की कंपनी से संपर्क कर अवगत कराया कि उनके पास शिक्षा विहार सहकारी आवास समिति ली. के नाम अभय खंड दो इंदिरापुरम गाजियाबाद में 30166.70 वर्ग मीटर भूमि है जो की प्रत्येक प्रकार के भार, बंधक वहन आदि से मुक्त है व प्रसंगत भूमि पर आवासीय योजना का निर्माण कर लाभ कमाया जा सकता है। प्रार्थी की कंपनी उस समय तक इस परियोजना में पैस निवेश कर सकती थी तथा रियल स्टेट बाजार में इस बात की जानकारी थी।

प्रार्थी ने कंपनी बाजार में अपनी साख की खातिर इस एग्रीमेंट को हर संभव पूर्ण करने का प्रयास करेगी। प्रारंभ में वाद विवाद को निपटाने हेतु उपरोक्त व्यक्तियों ने प्रार्थी की कंपनी से करोड़ों रुपये हड़प लिए तथा इसके उपरांत धमकी देकर कि हम जेडीए को निरस्त कर देंगे, प्रार्थी की कंपनी को ही वाद विवाद समाप्त करते का क्षीयत्व सौंप दिया। इस संदर्भ में जब शिक्षा विहार सहकारी आवास समिति लि, इंदिरापुरम गाजियाबाद के अध्यक्ष व सचिव से जब उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया। पहले भी एक निष्कासित सदस्य ने भी समिति पर कई गंभीर आरोप लगाए थे।उक्त प्रतिवेदन की जांच संबंधित सहकारी अधिकारी (आवास) गाजियाबाद से कराई गई जिसमें जांच अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मेरी सदस्यता निष्कासन करने का निर्णय गलत लिया गया था। आवास आयुक्त द्वारा 11 अगस्त 2021 में समिति की प्रबंधक कमेटी के आदेश को रद्द कर दिया व समिति की प्रबंधक कमेटी को 15 दिन के अंदर सदयस्ता बहाल करने का आदेश दिया गया। रनवीर ने कहा कि आदेश का अनुपालन कमेटी सचिव व अध्यक्ष के द्वारा नहीं किया गया, उन्होंने आरोप लगाया कि समिति के स्वभू सचिव किसी नियम का पालन नहीं करते तथा समिति के हित के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। रनवीर सिंह ने अवगत करवाया कि सचिव की शिकायत पूर्व में भी की जा चुकी है। जिसकी जांच में पाया गया है कि समिति के सचिव पद पर गलत बैठे हैं और सचिव अध्यक्ष दोनों मनमानी कर रहे हैं समिति सचिव को सिविल कोर्ट की अवमानना में सजा भी सुनाई जा चुकी है।

पीएम मोदी ने दिया नया शासकीय मंत्र : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की संकल्प से सिद्धि यात्रा के 11 सफल वर्ष पूरे होने पर सीएम रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की भारत के इतिहास में यह पहली सरकार है जिसको लेकर जन जन का विश्वास है की मोदी है तो मुमकिन है।

पीएम मोदी ने देश को नया शासकीय मूल मंत्र दिया है रिफॉर्म, परफॉर्म एवं ट्रांसफॉरम जो नये भारत को विकास के नये नये आयाम दे रहा है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी का मासिक मन की बात कार्यक्रम जहां शायद दुनिया का सबसे लोकप्रिय एवं लम्बा चलने वाला देश उत्थान पर जन चर्चा का कार्यक्रम बन गया है।

यमुना-नालों की निगरानी हो रही 24 घंटे : प्रवेश

- मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दावा किया कि राजधानी को जलभराव से निजात दिलाने के लिए दिल्ली सरकार पूरी संजीदगी के साथ जुटी है। विभाग दिल्ली के 77 बड़े नालों और यमुना नदी के जलस्तर की चौबीस घंटे निगरानी करता है। यहां से लगातार यह देखा जाता है कि बारिश के दौरान जलप्रवाह कितना है, अपस्ट्रीम से कितना पानी छोड़ा जा रहा है और उसका नीचे की तरफ क्या असर पड़ेगा। प्रवेश मंगलवार को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर नालों की सफाई, यमुना के जलस्तर की निगरानी और बाढ़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना पर चर्चा की। मंत्री ने बताया कि नियंत्रण कक्ष से जब जलस्तर बढ़ता है, तो यहीं से तय किया जाता है कि चेतावनी कब जारी होनी है और किन इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जाना है। 15 जून से मानसून शुरू होते ही, पुलिस, एसडीएम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी यहीं से समन्वय स्थापित करेंगे, ताकि कोई चूक न हो।

इसी व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लेने आया था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि 76 बड़े नालों की 90 प्रतिशत सफाई पूरी हो चुकी है, जबकि शेष कार्य अंतिम चरण में है। आधुनिक मशीनरी, जीपीएस ट्रैकिंग और ग्राउंड रिपोर्टिंग के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी नाले में रुकावट न बने और जलभराव की आशंका खत्म हो। उन्होंने कंट्रोल रूम में लगे निगरानी सिस्टम, अलर्ट तकनीक और समन्वय प्रणाली का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ बारिश का सामना करना नहीं।

अवैध रूप से रह रहे 92 बांग्लादेशी पकड़े

- पुलिस के अनुसार विशेष खुफिया जानकारी के बाद की गई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली में 92 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंगोलपुरी रेलवे लाइन के पास नौ जून को एक विशेष अभियान के दौरान 31 पुरुषों, 22 महिलाओं, 24 नाबालिग लड़कों और 15 नाबालिग लड़कियों सहित कुल 92 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई जिसमें बताया गया था कि अवैध अप्रवासियों का एक समूह क्षेत्र छोड़ने की तैयारी कर रहा है। बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने बताया, जैसे ही पुलिस टीम रेलवे लाइन के पास पहुंची तो उसने देखा कि तीन से चार अलग-अलग समूह ट्रेन पकड़ने के लिए तैयार खड़े हैं, जिनके पास सामान भी है। पुलिस को देखकर बांग्लादेशी नागरिक तितर-बितर होने लगे, लेकिन अधिकारियों ने तुरंत उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। शर्मा ने बताया कि इनमें से कोई भी वैध यात्रा या पहचान दस्तावेज नहीं दिखा सका। जांच में पाया गया कि इनके पासपोर्ट और वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि इस साल अब तक हिरासत में लिए गए 242 बांग्लादेशी नागरिकों में से 86 को मुंडका पुलिस ने टिकरी बॉर्डर के आसपास के इलाकों से, पांच को रनहौला पुलिस ने नाला रोड से और 151 को विदेशी प्रकोष्ठ ने पीरागढ़ी कैंप, मंगोलपुरी, निहाल विहार और सुल्तानपुरी से पकड़ा है। इसके अतिरिक्त, मंगलवार को पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार इलाके में तीन नाबालिगों समेत पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया।

कोरोना वायरस से संक्रमित 90 वर्षीय महिला की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई 90 वर्षीय एक महिला की मृत्यु हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में एक जनवरी से अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित आठ लोगों की मौत हो चुकी है। नब्बे वर्षीय महिला को अन्य बीमारियां भी थीं। मौत का प्राथमिक कारण अन्य सह-रुग्णताएं हैं और कोरोना वायरस का पता लगना आकस्मिक है।

दिल्ली में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 691 है। पूरे भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 6,815 है। पिछले 24 घंटों में देशभर में कोविड-19 से तीन मौतें हुई हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, उसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का स्थान है।

भूमिहीन कैंप के लोगों से मिलने पहुंची आतिशी

- पुलिस ने हिरासत में कर छोड़ा, केजरीवाल ने तानाशाही का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कालकाजी विधानसभा स्थित भूमिहीन कैंप में भाजपा सरकार के बुलडोजर के खिलाफ झुग्गीवालों के संघर्ष में साथ देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री व आप नेता आतिशी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के खिलाफ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि गरीबों की आवाज उठाने पर हमारे नेताओं की गिरफ्तारी तानाशाही है। अरविंद केजरीवाल ने एक अन्य पोस्ट कर कहा कि मात्र तीन महीनों में भाजपा ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है,दिल्ली सरकार पूरी दिल्ली में गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है और लोगों को बेघर कर रही है। वहीं, भूमिहीन कैंप पहुंची आतिशी ने कहा कि भाजपा दिल्ली में सभी झुग्गियों को तोड़ने वाली है। आज मुझे जेल में ले जा रही है, क्योंकि इन झुग्गीवालों की आवाज उठा रही हूं। आतिशी ने कहा कि अगर हाईकोर्ट झुग्गियां तोड़ने का आदेश दे रहा है तो भाजपा की दिल्ली सरकार उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं दे रही है। हाईकोर्ट ज्यादा से ज्यादा इतना कह सकता है कि जहां पर झुग्गी है, वहां पर नहीं होनी चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट यह तो नहीं कह रहा है कि भाजपा सरकार यहां रहने वालों को मकान न दे। आतिशी ने कहा कि भूमिहीन कैंप के करीब 60 फीसद निवासियों को फ्लैट मिल चुका है। लेकिन अभी भी 40 फीसद लोगों को मकान नहीं मिला है। इन 40 फीसद लोगों को फर्जी कारणों से बार-बार अपात्र घोषित कर दिया जाता है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि भाजपा पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। भाजपा गरीब विरोधी पार्टी है और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए उनके अंदर कोई सहानुभूति नहीं है।

पंजीकरण आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा डीडीए

- आवासीय परियोजनाओं के पंजीकरण से संबंधित है मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राष्ट्रीय राजधानी में स्थित आवासीय परियोजनाओं के पंजीकरण संबंधी रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण के निर्देश के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने डीडीए की याचिका पर दिल्ली रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) और केंद्र सरकार को 28 मई को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा। इस मामले पर सात जुलाई को अगली सुनवाई की जाएगी।

डीडीए का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह और अधिवक्ता वृंदा कपूर देव ने रेरा के 2021 के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें उसे रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा तीन के तहत परियोजनाओं को पंजीकृत करने का निर्देश दिया गया था। इस प्रावधान में रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण के साथ किसी रियल एस्टेट परियोजना का पूर्व पंजीकरण की बात कही गई है। रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण ने सितंबर, 2024 में रेरा के इस फैसले को बरकरार रखा था। डीडीए की याचिका में दलील दी गई है कि प्राधिकरण द्वारा दायित्वों का वैधानिक इस्तेमाल रियल एस्टेट अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत नहीं आता है, क्योंकि यह दिल्ली विकास प्राधिकरण (आवास संपदाओं का प्रबंधन एवं निपटान) विनियम, 1968 एवं नजूल नियम, 1981 द्वारा शासित है। याचिका के मुताबिक, डीडीए रेरा अधिनियम के तहत आवास परियोजनाओं का प्रवर्तक नहीं है और इसे रेरा अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी स्थिति में रेरा के निर्णय पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

दिल्ली भाजपा ने 30 मंडलों के अध्यक्षों की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा के संगठन चुनाव में 30 मंडल अध्यक्षों के नामों का ऐलान हुआ है। चुनाव अधिकारी महेंद्र नागपाल ने बताया कि संगठनात्मक रायशुमारी के बाद इन अध्यक्षों का चयन हुआ है।

इनमें पांच महिलाएं और सात अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। आरके पुरम से नवीन मालगुड़ी, बल्लीमारान मंडल की अध्यक्ष चारु सोनी बनी हैं जबकि ब्रह्मपुरी मंडल से मनीष उपाध्याय और रामनगर ईस्ट मंडल से सुषमा दबकू को अध्यक्ष चुना गया है। इससे पूर्व भी भाजपा 200 से अधिक मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा कर चुकी है। भाजपा दिल्ली के 256 के मंडल अध्यक्ष है।

डॉ. महेंद्र नागपाल ने बताया कि आईपी एक्सटेंशन से कमल वार्ष्णेय, कृष्णा नगर- पूजा चौरसिया, लाजपनगर- राहुल, जाकिर नगर-शाकिर हुसैन, मयूर विहार फेस-एक- भीष्म तोमर, मयूर विहार फेस दो- मोनू कन्नौजिया, हौस खास- गुरमीत सिंह सरना, चिराग दिल्ली-कुलदीप गुलिया, देव नगर-लोहित फलवारिया, रंजीत नगर- सुदीश कुमार, बलजीत नगर- करण सिंह और इंद्रपुरी से नीरज झा के नाम शामिल हैं। नागपाल ने बताया कि जल्द ही शेष मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी।

बच्चों बने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील: रविन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को रोहिणी स्थित राजकीय सह-शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, सेक्टर-22 में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का मकसद बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। जब हम उन्हें बचपन से ही प्रकृति से जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। स्कूलों में पौधारोपण जैसे कार्यक्रम न केवल हरियाली बढ़ाते हैं बल्कि बच्चों के भीतर पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी पैदा करते हैं।

रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि पेड़ जीवन के लिए अनिवार्य हैं और वैज्ञानिक युग में भी इनका कोई विकल्प नहीं हैं। उन्होंने पेड़ लगाने को समय की मांग बताते हुए कहा कि

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता, वीरेंद्र सचदेवा, सांसद कमलजीत सहरावत व प्रवीण शंकर कपूर

पेड़ केवल छांव और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि यह सैकड़ों प्रकार के जीव-जंतुओं का आश्रय भी हैं। इनका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने आस-पास खाली स्थानों में पौधारोपण करें और अपने माता-पिता, परिवार व पड़ोसियों को भी इस दिशा में प्रेरित करें।

स्टेशन पर छूटे सामान को पैसेंजर तक पहुंचाते हैं प्रबंधक राकेश

- यात्रियों की मदद कर बनाया विश्व कीर्तिमान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेल यात्रियों की मदद कर कीर्तिमान स्थापित करने वाले भारतीय रेल के अधिकारी व नई दिल्ली स्टेशन प्रबन्धक राकेश शर्मा यात्रियों समेत सभी के हर दिल अजीज बन गए हैं। ट्रेन और स्टेशन परिसर में सामान खोने या भूल जाने वाले यात्रियों को पीएनआर या सोशल मीडिया की सहायता मदद कर रहे हैं।

रेलवे यात्रियों का सामान वापिस करने का अद्वितीय कार्य करने का विश्व में अनोखा रिकॉर्ड बनाने वाले राकेश शर्मा ने अब तक 1658 यात्रियों का सामान लौटा चुके है।

जिनमें 40 विदेशी नागरिक है। जिसमे यूएसए, यूके, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मन, इटली, साउथ कोरिया, अर्जेंटाइना, केन्या, नेपाल, युकरैन, नाइजिरिया, इंडोनेशिया, इंडो तिब्बत, आदि शामिल है। सामान में लैपटाप, मोबाइल, ट्रॉली बैग्स, टैबलेट, जेवेलरी, कैश तथा अन्य कीमती सामान जिनकी कीमत लगभग सवा 4 करोड़ से ज्यादा है।

राकेश शर्मा स्टेशन प्रबन्धक नई दिल्ली को इस सराहनीय कार्य के लिए एक्जिम द्वारा स्पेशल जूरी अवार्ड 2022 में और माननीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव द्वारा अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2023 में दिया गया और केकेएमसी द्वारा समाज रतन अवार्ड 2024 और एनबीटी द्वारा प्रेरणादीप-2025, दिल्ली के एलजी द्वारा प्रदान किया गया। इन सबके इलावा राकेश शर्मा, स्टेशन प्रबन्धक, नई दिल्ली को बहुत सी समाज सेवी संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

छह जून 2025 को ट्रेन नंबर 02569 दरबंगा-नई दिल्ली स्पेशल के बी-4 कोच में एक ट्रॉली बैग मिला जिसमे यात्री सोमनाथ और उनकी माता का दस हजार रुपया कैश एक सोने का मांग टीका यात्रियों को ढूंढ कर उनको लौटाया गया।

इससे पहले चार जून 2025 को ट्रेन नंबर 02563 बरोनी-नई दिल्ली स्पेशल के बी-6 कोच में एक बैग मिला जिसमें यात्री ललन झा और उनकी पत्नी रज्जो देवी का एक लाख तीन हजार नौ सौ रुपया कैश सोने का मंगलसूत्र और चांदी की पायल का सेट लौटाया गया। उन्होने भारतीय रेलवे के प्रति आभार व्यक्त किया

तीन मई 2025 को कटरा वन्देभरत एक्सप्रेस में टैबलेट भूलने वाले राजेश्वर सिंह को खोजते हुए रेल यात्रा के दौरान उनका टैबलेट दिया गया। 30 मई 2025 को रजतदीप सिंह और उनकी पत्नी सोनम कौर परिवार सहित यात्रा के दौरान अमृतसर शताब्दी कीमती समान भूल गए थे, उनका सामान उनको खोजकर उनका सामान वापस किया गया।

तीप मई 2025 को छोटे बच्चे मास्टर दक्ष गुप्ता का बैग जो वह वीआईपी रूम में भूल गया था जो उसको ढूंढ कर वापिस किया गया। बीते दिनों एक जून 2025 को स्कूल मास्टर प्रमोद कुमार पालो मोहाना, गजापति, उड़ीसा के हैं, वे एसी वेटिंग रूम में अपना बैग भूल गया था जिसे वापस किया गया। सुमीत अग्रवाल जो एक आईआईटी दिल्ली में प्रोफेसर है देहरादून शताब्दी से सफर करते हुए अपना कीमती बैग ट्रेन में ही भूल गए थे उनसे सम्पर्क करके उनको उनका बैग वापिस लौटाया गया।

26 मई 2025 को नेहा सलूजा बेटे मास्टर गुरमन सिंह के साथ देहारादून शताब्दी से सफर करते हुए अपना कीमती मेडिकल किट ट्रेन में ही भूल गए थी जिसे लौटाया गया। 22 मई 2025 को बबीता भाटिया चंडीगढ़ शताब्दी में बैग बैग भूल गईं थी जिसे वापस लौटाया गया।

हिरासत में मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

- शेख शादत की 2023 को सुभाष प्लेस थाने में हुई थी मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अदालत ने हिरासत में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में उसकी पत्नी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वसुंधरा छौंकर ने सितारा बीबी की याचिका पर सुनवाई की जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनके पति शेख शादत की 22-23 जुलाई 2023 को सुभाष प्लेस पुलिस थाने के अधिकारियों की हिरासत में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि काफी वक्त बीत जाने के बावजूद मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई।

अदालत ने 28 मई के अपने आदेश में कहा, मौजूदा मामले में सुभाष प्लेस थाने के पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगाया गया है कि व्यक्ति को हिरासत में प्रताड़िता किया गया और हिरासत में उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई जिसके कारण आरोपी की मौत हो गई। अदालत ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का जिक्र किया कि मौत का कारण न तो हत्या है और न ही आत्महत्या। अदालत ने कहा कि हालांकि पत्नी के आरोपों और रिकॉर्ड में उपलब्ध तस्वीरों, जिनमें वीडियो फुटेज और शवगृह में ली गईं मृतक की तस्वीरें शामिल हैं, के अनुसार व्यक्ति के शरीर पर चोट के निशान हैं।

पायनियर

नई दिल्ली, बुधवार, 11 जून, 2025

सुशासन ने बदली भारत की तस्वीर: नागर

खाद्य आपूर्ति मंत्री ने व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए पंचकूला में हुई बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

● डिपो पर पूरा राशन एक साथ पहुंचे, जिससे कि उपभोक्ता को बार-बार चक्कर न लगाना पड़े

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पंचकूला में अधिकारियों के साथ बैठक करते खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर।

हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री राजेश नागर ने मंगलवार को विभागीय अधिकारियों के साथ पंचकूला में एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वह समय पर पूरा राशन डिपो तक पहुंचने की व्यवस्था करें जिससे कि उपभोक्ता को कोई दिक्कत पेश नहीं आए।

मंत्री राजेश नागर ने मीडिया को बताया कि खाद्य आपूर्ति की व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन हुए हैं लेकिन मौजूद अन्य शिकायतों को दूर करने के लिए भी आज हमने बैठक की है। उन्होंने बताया कि इस महीने का राशन 30 मई तक सभी डिपो में पहुंच चुका था, केवल दो प्रतिशत दुकानों में किसी कारण से आपूर्ति में बाधा आई है। उसे भी हम जल्द ही दूर कर लेंगे।

उन्होंने बताया कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि राशन डिपो पर पूरा राशन एक साथ पहुंचे, जिससे कि उपभोक्ता को बार-बार चक्कर न लगाना पड़े। नागर ने कहा कि कई बार आपूर्ति न होने के कारण अनाज और तेल अलग-अलग समय पर पहुंचता है, जिससे उपभोक्ता को कई बार राशन के लिए चक्कर लगाना पड़ता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने सभी जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रकों को भी स्पष्ट निर्देश दिए कि वह नियमित आधार पर सभी डिपो का निरीक्षण करें और उसकी मासिक आधार पर रिपोर्ट विभाग में जमा करें। उन्होंने कहा कि तय करें कि गरीबों को उसका राशन समय पर और पूरा मिले, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि विभाग को पता चला कि करीब चार लाख राशन कार्ड धारकों ने कभी राशन नहीं लिया है। इसके बाद उनकी जांच कर रद्दीकरण की कार्रवाई शुरू की गई है।

मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद का भारत विकास की राह पकड़ चुका है। आज आप तमाम क्षेत्रों में 2014 से पहले और 2014 के बाद की व्यवस्थाओं की सूची बनाएंगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार के विकास को देखकर खुश होंगे। उन्होंने कहा कि आज देश में 150 एयरपोर्ट, 24 एम्स के साथ-साथ हर गांव में बिजली पहुंचाने का काम किया गया है। वहीं किसानों के मुआवजे की व्यवस्था को सरल किया गया है। इसके साथ-साथ रोड और रेलवे की कनेक्टिविटी को मजबूती दी गई है, जिससे आज भारत दुनिया में आर्थिक रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गया है। जबकि 2014 से पहले यह 11 में स्थान पर हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी आज मेडल टैली में बहुत उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उसके पीछे हमारी सरकार द्वारा खिलाड़ियों को दी जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाएं भी सहयोगी हैं। इनमें नए स्टेडियम, व्यायामशाला और अच्छे कोच की व्यवस्था करना भी शामिल है।

बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, अतिरिक्त निदेशक जगदीप ढांडा, संयुक्त निदेशक डॉ अनीता खरब एवं डॉ मेघना कंवर, संयुक्त नियंत्रक खाद्य यशवीर दलाल सहित सभी जिलों के खाद्य आपूर्ति अधिकारी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज केसों में पीड़ितों को दी गई मदद की हुई समीक्षा

● डीसी ने दिए पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आर्थिक सहायता की समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त अजय कुमार।

मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की त्रैमासिक बैठक की हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी अजय कुमार ने एस.सी./एस.टी. एक्ट के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी अजय कुमार ने मार्च माह से जून माह के बीच दर्ज किए गए मामलों की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एफआईआर दर्ज होते ही पीड़ितों को मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान की जाए, जिससे उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिले, बल्कि भावनात्मक रूप से भी संबल प्राप्त हो। डीसी अजय कुमार ने कहा कि समाज कल्याण विभाग संबंधित पीड़ितों से बैंक खाता संख्या व आवश्यक दस्तावेज लेकर शीघ्रता से औपचारिकताएं पूरी करे।

बैठक के दौरान जिला कल्याण अधिकारी लालचंद ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि मार्च से जून तक की अवधि में एससी/एसटी एक्ट के तहत जिला स्तर पर कुल 6 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता की पहली किश्त दी जा चुकी है, जबकि 4 मामलों में दूसरी किश्त भी प्रदान कर दी गई है। उपायुक्त अजय कुमार ने बैठक में मौजूद गैर सरकारी सदस्यों से भी इस विषय पर प्रतिक्रिया ली और सुझाव आमंत्रित किए, ताकि पीड़ितों को अधिक प्रभावी ढंग से राहत पहुंचाई जा सके। बैठक में बादशाहपुर के एसडीएम संजीव कुमार, सहायक जिला न्यायवादी रोहित देशवाल, जिला कल्याण अधिकारी गुरुग्राम लालचंद, एसीपी (एससी/एसटी) एवं नोडल अधिकारी जय सिंह सहित गैर-सरकारी सदस्य कमल सिंह, नीलम एवं जगदीश सिंह मौजूद रहे।

बल्लभगढ़ में हटाए अवैध कब्जे

● नेशनल हाईवे 19 पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

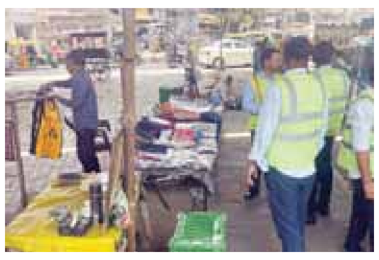

नेशनल हाईवे 19 पर स्थित बल्लभगढ़ फ्लाईओवर के नीचे, बस स्टैंड और सब्जी मंडी के सामने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को हाईवे की इंसीडेंट व पेट्रोलिंग टीमों द्वारा सख्त कार्रवाई की गई।

लंबे समय से यहां फ्लाईओवर के नीचे, सर्विस रोड, बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशन के आसपास स्थानीय रेहड़ी-पटरी वालों द्वारा अवैध कब्जा कर रखा गया था, जिससे न केवल ट्रैफिक बाधित हो रहा था बल्कि जगह-जगह गंदगी और कचरा भी फैल रहा था। इस स्थिति को सुधारने के लिए मंगलवार को हाईवे प्रशासन की पेट्रोलिंग टीमों ने एक जोरदार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया और मौके पर मौजूद अतिक्रमण हटवाए। इसके साथ ही लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि दोबारा अतिक्रमण या गंदगी फैलाने की कोशिश की गई, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और बल्लभगढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता से भी अपील की गई है कि स्वच्छता और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने में हाईवे टीमों और प्रशासन का सहयोग करें।

डीसी ने आधार और परिवार पहचान पत्र केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

फ़रीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज लघु सचिवालय में स्थित आधार कार्ड और परिवार पहचान पत्र (फ़ैमिली आईडी) केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर प्रदान की जा रही सेवाओं और उपलब्ध सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए, निरीक्षण के दौरान, उपायुक्त विक्रम सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्रों पर आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने विशेष रूप से एलईडी स्क्रीन, एयर कंडीशनर (एसी) और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आगंतुकों के लिए उचित बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया, ताकि उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने इस बात पर विशेष बल दिया कि आम जनता को अपने कार्यों के लिए बार-बार केंद्रों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि आने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द और कुशलतापूर्वक किया जाए। निरीक्षण के दौरान, डीसी विक्रम सिंह ने केंद्रों पर आए लोगों से बातचीत की।

फरीदाबाद में कांग्रेस फिर खड़ा करेगी मजबूत संगठन: टैगोर

● संगठन सृजन अभियान व जिलाध्यक्ष चयन को लेकर सांसद ने मीडिया से की बात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मीडिया को जानकारी देते सांसद मनिकम टैगोर व अन्य कांग्रेस नेता।

कांग्रेस के जिला ऑब्र्जवर एवं लोकसभा सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि हरियाणा में संगठन को पुन: मजबूत करने की कवायद शुरु हो चुकी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के दिशा निर्देशानुसार कर्मठ और मेहनती कार्यकर्ताओं को संगठन में समायोजित किया जाएगा। कांग्रेस हाईकमान प्रदेश में संगठन मजबूत करने के लिए गंभीर है और मुझे जिम्मेदारी दी गई है कि मजबूत संगठन के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता से रायशुमारी की जाए।

सांसद संगठन सृजन अभियान व जिलाध्यक्ष चयन को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मैगपाई टूरिज्म में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से जिला प्रभारी विरेंद्र पाल शाह, सह प्रभारी सुधीर चौधरी, सह प्रभारी रोहताश बेदी, विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया, पूर्व विधायक नीरज शर्मा, कांग्रेस नेता लखन सिंगला, विजय प्रताप सिंह, पराग शर्मा, रोहित नागर, सुमित गौड़, तरुण तेवतिया, गुलशन बगगा, जितेंद्र चंदेलिया, अनिल कुमार नेताजी, डा. सौरभ शर्मा, राकेश तंवर, ठाकुर राजाराम, गिरीश भारद्वाज, नीरज गुप्ता, धर्मदेव आर्य, सुंदर सिंह, अनीशपाल, रोहित सिंगला, नितिन सिंगला, अनीशपाल, राजेश आर्य, संजय सोलंकी कार्यकर्ता मौजूद थे।

सभी विस क्षेत्रों में आयोजित होंगी बैठकें

टैगोर ने कहा कि जिलाध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, सेवादल अध्यक्ष इत्यादि सभी पदों पर नियुक्तियां होंगी और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मेहनती कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएंगी। उन्होंने कहा फरीदाबाद की सभी विधानसभाओं में क्रमश: 18 जून को एनआईटी, 19 जून को बड़खल, 20 को बल्लभगढ़, 21 को तिगांव, 22 को फरीदाबाद व 23 को पृथला में मीटिंग ली जाएगी।

'कर्मचारियों की भलाई नगर निगम की प्राथमिकता'

● नगर पालिका कर्मचारी संघ पदाधिकारियों से मुलाकात के दौरान बोले अतिरिक्त निगम आयुक्त

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अतिरिक्त निगमायुक्त को मांग पत्र सौंपते नगर पालिका कर्मचारी संघ के सदस्य।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविन्द्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान संघ प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से संबंधित 21 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा।

अतिरिक्त निगमायुक्तों ने संघ पदाधिकारियों की बातों को सुना और आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा तथा यथासंभव समाधान कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की भलाई सरकार व नगर निगम की प्राथमिकता में है। संघ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि कर्मचारी हित से जुड़े मुद्दों का शीघ्र समाधान होगा।

कर्मचारी संघ द्वारा सौंपे गए 21 सूत्रीय मांग पत्र में सफाई-सीवर कार्य में ठेका प्रथा समाप्त करके कर्मचारियों को रोल पर लेने, एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर हाजरी लगाना बंद करने व नो वर्क-नो पे को वापिस लेने, दैनिक वेतन भोगी, ठेका प्रथा कार्यरत, एचकेआरएन व पार्ट-1 और पार्ट-2 के कर्मचारियों पॉलिसी बनाकर एक मुश्त पक्का करने, क्षेत्रफल व आबादी के हिसाब से कर्मचारियों के नए पद सृजित करके पक्की भर्ती करने, सफाई कर्मचारियों व सीवरमैनों की नियमित भर्ती करने, एक्सग्रेसिया पॉलिसी को सरल बनाने, मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार कच्चे कर्मचारियों का वेतन 27000 करने, बर्खास्त कर्मचारियों को वेतन सहित बहाल करने, छटनीग्रस्त कर्मचारियों को वापिस लेने, फायर विभाग को पुन: निकाय विभाग में शामिल करने की मांग रखी गई है।

अन्य मांगों में समान काम समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाल करने, जोखिम भत्ता देने, दैनिक वेतन भोगी व डीसी रेट पर लगे कर्मचारियों का निगम रेट लागू करने, कर्मचारियों को एसीपी में प्रमोशन की शर्तें हटाने जैसी अनेक मांगें शामिल हैं।

जलभराव रोकने को निगम ने तेज किए जल निकासी प्रबंध

● ड्रेनेज, सीवरेज व जीटी की सफाई व मरम्मत का कार्य जोरों पर, वरिष्ठ अधिकारी लगातार कर रहे निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानसून के आगमन से पहले नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए अपने जल निकासी प्रबंधों को और अधिक तेज कर दिया है। निगम द्वारा दिन-रात निरीक्षण और सफाई कार्य किए जा रहे हैं, ताकि बरसात के दौरान शहर वासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने मानसून से जुड़ी तैयारियों की कमान वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी है। इस दिशा में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे लगातार विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण कर रहे हैं और संबंधित अधिकारियों से सीधे जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। इंजीनियरिंग और सफाई शाखा से जुड़े कर्मचारी इस अभियान में पूरी सक्रियता से जुटे हुए हैं। शहर के ड्रेनेज सिस्टम, नालों और सीवर लाइनों की सफाई और भी अधिक तेज गति से कराई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या टूर के दौरान शिक्षकों के साथ बच्चे।

मेरिट व टॉप आने वाले विद्यार्थियों को कराया अयोध्या टूर

गुरुग्राम। हरियाणा प्रदेश में सभी सरकारी व निजी विद्यालयों का अवकाश शुरू हुआ है। बीएमबी विद्यालय डाडावास की ओर से बच्चों का टूर किसी हिल स्टेशन पर ना ले जाकर अयोध्या में ले जाया गया। बच्चों को राम लला के दर्शन कराए गए और उन्हें इतिहास से रूबरू कराया गया। स्कूल की ओर से 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को अयोध्या धाम पर ले जाया गया। प्राचार्या मंजीत यादव व वरिष्ठ प्रवक्ता मास्टर सुरेन्द्र चौहान ने बताया कि विद्यार्थी को हर क्षेत्र में आगे रहना चाहिये। हर तरह कीं सकारात्मक एक्टिविटी में हिस्सा लेना चाहिए। अपने देश के इतिहास, धर्म-कर्म के बारे में ज्ञान होना चाहिए। इसी उद्देश्य से बच्चों को अयोध्या भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर भीम सिंह, रंजीता यादव, सविता देवी, सरला देवी आदि अध्यापक मौजूद रहे।

160 किलो के रोगी का सर्जरी से 36 किलो वजन घटाया

गुरुग्राम। भारत में दुर्लभ किस्म के एक मामले में स्क्रोटल एलीफेंटियासिस से पीड़ित 39 साल के इराकी मरीज का गुरुग्राम में सफल उपचार किया गया है। इस रोग के चलते शरीर के कुछ हिस्सों, खासतौर से पैरों और कई बार बाजुओं या जननांगों में असामान्य रूप से सूजन और त्वचा के सख्त होने की शिकायत होती है। इस जटिल केस में सूजन की वजह से मरीज सही ढंग से पेशाब भी नहीं कर पा रहा था। जननांगों समेत आसपास के हिस्सों में साफ-सफाई की समस्या भी होने लगी थी। फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफएमआरआई) गुरुग्राम के डॉक्टर्स ने उसका उपचार करके एक नई जिंदगी दी है। प्लास्टिक सर्जरी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट गुरुग्राम के निदेशक डॉ. विपुल नंदा के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने मरीज की सर्जरी कर 26 किलोग्राम वजन के द्रव्यमान को सफलतापूर्वक निकाला। इस दौरान मरीज के जननांग को भी सुरक्षित रखा। यह जटिल सर्जरी लगभग 5-6 घंटे तक चली और 9 दिनों बाद मरीज को स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दी गई। सर्जरी से पहले मरीज का वजन 160 किलोग्राम था और वह पिछले 15 वर्षों से भी अधिक समय से एलिफेंटियासिस की समस्या से ग्रस्त था। इराकी मरीज के अंडकोष में एलिफेंटियासिस था, जिसके कारण प्रभावित अंग कई गुना बढ़ चुका था। उनके घुटनों के नीचे करीब पैरों के बीच तक झूलने लगा था। उनके भारी वजन और मोटापे की वजह से उन्हें सांस लेने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती थी।

सरकार दे रही प्रॉपर्टी टैक्स में दस प्रतिशत की छूट

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने प्रॉपर्टी मालिकों को प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान में बड़ी राहत दे रही है। नगर निगम, नगर परिषद सोहना व पटौदी-जाटौली मंडी तथा नगर पालिका फरुखनगर क्षेत्र के सभी प्रॉपर्टी मालिकों को वित्त वर्ष 2025-26 के प्रॉपर्टी टैक्स पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, बशर्ते वे 31 जुलाई 2025 तक अपने संपूर्ण बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर दें। इसके साथ ही एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सेल्फ सर्टिफाई होना भी जरूरी है। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि यह निर्णय नागरिकों को समय पर टैक्स भरने के लिए प्रोत्साहित करने और प्रशासनिक कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रॉपर्टी मालिक एनडीसी हरियाणा आधिकारिक पोर्टल या नजदीकी नागरिक सुविधा केंद्रों के माध्यम से टैक्स का भुगतान कर इस छूट का लाभ उठा सकते हैं।

जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव से बचाव के लिए जारी किए परामर्श

● कहा-गर्मी से बचने के लिए एहतियात बरतें जिलावासी, एडवाइजरी की करें अनुपालना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें। यह बात जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार ने मंगलवार को कही।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है। डीसी ने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं- भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। बच्चों को वाहनों में छोडकर् न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलीहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें।

ईवीएम के पहले रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी

● 15 जून को पांच पंचायत में सरपंच तथा एक में पंच पद के लिए होगा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला में आगामी 15 जून को पंचायत उपचुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार की अध्यक्षता में ईवीएम मशीनों का लघु सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में पहला रेंडमाइजेशन किया गया। इस दौरान डीडीपीओ नवनीत कौर भी मौजूद रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत उपचुनाव के तहत जिला में पांच पंचायत नामत- नुनेरा, बाईखेड़ा, रानीका सिंघोला, पलासोली व रहनवा में सरपंच तथा सैदपुर मोहम्मदपुर में एक पंच पद के लिए चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराई जानी है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्थानों पर चुनाव के लिए 7 बूथ बनाए गए हैं। जिसके प्रथम चरण का आज द्वारा रेंडमाइजेशन किया गया है। उन्होंने ईवीएम की रेंडमाइजेशन की जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में रेंडमाइजेशन के तहत ईवीएम की दोनों यूनिट नामत- बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट का चिन्हीकरण कर लिया गया है। ईवीएम का बूथ वार चिन्हीकरण करने के लिए रेंडमाइजेशन का जल्द ही दूसरा चरण आयोजित किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में ये उपचुनाव 15 जून को संपन्न कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया है। डीसी ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया व मतगणना का कार्य सम्पन्न होने के उपरांत चुनाव का रिजल्ट मतदान केंद्र पर ही घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किन्ही परिस्थितियों में यदि रिपोल कराया जाता है इसके लिए आयोग ने मतदान व रिजल्ट घोषित करने के लिए 17 जून की तिथि निर्धारित की है।

बीएसएफ कैंप व नेहरू स्टेडियम में लगाए गए योग प्रोटोकॉल शिविर

● लोगों ने योग को जीवन में अपनाने का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम में योग प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते लोग।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा नेहरू स्टेडियम और बीएसएफ कैंप में अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में सेंकड़ों नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और जवानों ने सक्रिय भागीदारी कर योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया।

नेहरू स्टेडियम में आयोजित शिविर का शुभारंभ जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने योग को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए इसे आत्म-संतुलन, मानसिक शांति और शारीरिक स्फूर्ति का माध्यम बताया। वहीं, बीएसएफ कैंप में योग सत्र का शुभारंभ बीएसएफ के चीफ कमांडेंट विक्रमदेव द्वारा किया गया, जिन्होंने जवानों को योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन और कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए प्रेरित किया। दोनों शिविरों में अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के तहत सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम विलोम, ताड़ासन, वृक्षासन आदि योगाभ्यासों का अभ्यास कराया गया। नेहरू स्टेडियम में योग अभ्यास का संचालन भूदेव एवं योग सहायक बेबी द्वारा किया गया, जबकि बीएसएफ कैंप में नितिन एवं सोनू शर्मा ने योगाभ्यास कराया। आयोजन को सफल बनाने में आयुष विभाग के योग सहायकगण सोनिया, अंजु, चेतना, मोनिका, विनोद, अजीत, कुलवंत, जोगिंद्र, विनोद कुमार, विक्रम एवं कृष्ण का भी सराहनीय योगदान रहा।

11 साल में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया भारतः नायब

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की गिनाई उपलब्धियां

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में भारत को विश्व में नई पहचान दिलाई है। भारत 11वीं अर्थव्यवस्था से चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना है। 11 सालों में जो योजनाएं कागजों पर बनी है, वे धरातल पर उतरी हैं, जबकि कांग्रेस के समय में योजनाएं कागजों में ही सिमट जाती थी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वाली सरकार के 11 साल साल पूरे होने पर पंचकूला प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 सालों की उपलब्धियां गिनाई और भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया। यही नहीं 11 सालों की उपलब्धियों पर मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के विजन डायक्यूमेंट का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सशक्त और मजबूत हुआ है। हर वर्ग आगे बढ़ा है। 2014 में योजनाएं कागजों में बनती थी, लेकिन लाभार्थियों तक नहीं पहुंचती थी। अब योजनाएं पात्रों के द्वार तक पहुंच रही हैं, जिससे हर वर्ग का विश्वास बढ़ा है।

विपक्ष का काम केवल विरोध करनाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विपक्ष को आइना दिखाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष काम केवल विरोध करना है। विपक्ष ने अफवाह फैलाई कि एमएसपी बंद होगी। उन्होंने विपक्ष को आह्वान किया कि 11 साल में विकसित भारत के पथ बढ़ते देश के उत्सव में शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की खोई हुई संस्कृति और विरासत को नई पहचान दिलाई। अब पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस मनाता है, यह भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पीएम ने हरियाणा को दी विशेष सौगातः सैनी

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि 11 सालों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरियाणा को वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रेट कारीडोर, रेल कोच रिपेयर फैक्टरी, कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे, कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे, बल्लभगढ़-मुजेसर, मुंडका-बहादुरगढ़, गुरुग्राम-सिंकदरपुर, फरीदाबाद-बल्लभगढ़ मेट्रो लिंक, रोहतक में देश का पहला एलिवेटिड रेलवे ट्रैक, रोहतक-महम-हांसी रेलवे लाइन और झज्जर स्थित एम्स परिसर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान जैसी परियोजनाओं की सौगात दी है। वहीं कुरुक्षेत्र में भीड़-भाड़ को कम करने के लिए पांच मानवयुक्त रेलवे क्रॉसिंग को समाप्त करके मौजूदा कुरुक्षेत्र-नरवाना रेलवे लाइन पर एलिवेटिड ट्रैक बनाया जा रहा है।

कोरोना रही बड़ी चुनौती

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि 11 साल के कार्यकाल में कोरोना सबसे बड़ी चुनौती थी। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विश्व को दिखा दिया कि भारत हर चुनौती का डटकर मुकाबला करने के लिए तैयार है। देश के वैज्ञानिकों और चिकित्सकों न केवल स्वदेशी वैक्सीन निर्मित की, बल्कि 220 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज मुफ्त में लगाई।

नायब ने योग सहायकों का किया उत्साहवर्धन

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए आयुष विभाग के योग सहायकों के साथ बातचीत करके उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग सहायकों द्वारा गांव-गांव इन आयोजनों को करके योग के संदेश को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है यह प्रशंसनीय कार्य है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने योग सहायकों से अपील की कि वह बढ़ चढ़कर इस आयोजन में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करें ताकि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सफल हो सके ओर हरियाणा प्रदेश इस क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सके।

विधानसभा परिसर में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

सीएम ने लिया योग का प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा योग आयोग, विधानसभा एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के निमित मंगलवार को हरियाणा विधानसभा परिसर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के 15 विधायकों एवं विधानसभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य योग युक्त, नशा-मुक्त और योगमय हरियाणा का निर्माण करना है।

विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा ने करें योग, रहे निरोग का संदेश देते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। 21 जून को पूरे प्रदेशभर से लाखों नागरिक इस स्वास्थ्य अभियान का हिस्सा बनेंगे।

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य के निर्देशन में आईडीवाई योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

11 साल पूरे होने पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

- कहा, देश ने 9 जून, 2025 को शून्य पीक कमी के साथ 237 गीगावाट की रिकॉर्ड पीक बिजली मांग को पूरा किया
- अल्ट्रा-हाई वोल्टेज एसी ट्रांसमिशन सिस्टम 2034 तक भारत के ग्रिड को नया आकार देगा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

केंद्रीय ऊर्जा, शहरी विकास मंत्री मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर उपलब्धियां गिनाते हुए विकसित भारत विजन में पावर सेक्टर को सबसे अहम बताया।

नई दिल्ली में स्थित इंटरनेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी को हर समय बिजली उपलब्ध कराना है और सरकार का लक्ष्य पूरे देश में 100 प्रतिशत घरों में बिजली पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी सभी बिजली मांगों को पूरा करने में सक्षम बन गया है और बिजली सरप्लस वाले देश की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश में 9 जून को 22.46 बजे 237 गीगावाट की रिकॉर्ड पीक बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह उपलब्धि देश के मजबूत बिजली बुनियादी ढांचे को रेखांकित करती है, जिसमें शून्य पीक कमी दर्ज की गई।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने घोषणा कि ऊर्जा सुरक्षा और नवीकरणीय एकीकरण के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करते हुए, विद्युत मंत्रालय ने पहले से चल रही 13.2 गीगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के अतिरिक्त 30 गीगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना को मंजूरी दी है। 5,400 करोड़ रुपये की इस योजना का लक्ष्य 2028 तक देश की बीईएसएस आवश्यकता को पूरा करते हुए 33,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भंडारण परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम शुल्क की छूट 30 जून, 2028 तक बढ़ा दी गई है।

बेटी बचाओ सिर्फ योजना नहीं, बदलाव का अभियानः उपायुक्त

- अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीसी के माध्यम से सभी जिलों के डीसी के साथ की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह समाज में सकारात्मक सोच और व्यवहारिक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है। जब तक बेटियों को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षित माहौल नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक विकास अधूरा रहेगा। लिंगानुपात में सुधार तभी संभव है जब सभी विभाग मिलकर समन्वित रूप से कार्य करें और जागरूकता को जनआंदोलन में बदलें। यह बात स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के उपायुक्तों के साथ बैठक के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक में जिला उपायुक्त अजय कुमार ने कही।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी डीसी को निर्देश दिए कि जिले में लिंगानुपात में सुधार हेतु योजनाओं को गंभीरता से लागू किया जाए। आरसीएच पोर्टल पर पंजीकरण की निगरानी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों की नियमितता और विभागीय तालमेल को मजबूत किया जाए ताकि हर स्तर पर अभियान के उद्देश्य पूरे हो सकें। बैठक में डीसी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि बिना आरसीएच आईडी के किसी भी अस्पताल या अल्ट्रासाउंड केंद्र द्वारा गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया जाना नियमों का उल्लंघन है।

ऐसे संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की है कि वे केवल अधिकृत एवं पंजीकृत मामलों में ही जांच करें। डीसी ने यह भी निर्देश दिए कि अवैध रूप से एमटीपी किट बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी मेडिकल स्टोर पर एमटीपी किट अवैध रूप से बेची जा रही हो, तो उसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन को दें, ताकि ऐसे मामलों पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

बैठक में विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों, स्वास्थ्य शिविरों, प्रेरक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डीसी अजय कुमार ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही बेटियों का भविष्य उज्जवल और सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 2024 के आंकड़ों के आधार पर चिन्हित किए गए कम लिंगानुपात वाले गांवों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

पक्षियों के लिए पानी और अनाज की व्यवस्था करना महत्वपूर्णः सौरभ चौधरी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी ने कहा कि गर्मी का मौसम है तथा लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। ऐसे में पक्षियों के लिए पानी और अनाज की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है, खासकर गर्मी के मौसम में जब पानी और भोजन की कमी होती है। सौरभ चौधरी ने कहा कि मौसम को देखते हुए अब गांवों में तथा शहर कस्बों में पशु पक्षियों के लिए भोजन व पानी का प्रबंध किया जा रहा है। इस के लिए समाज के सहयोगी लोगों का भी साथ लिया जा रहा है। सिंगला ने कहा कि मौसम को देखते हुए लोगों को अपने घर के आसपास या छत पर पक्षियों के लिए पानी के कसोरे और अनाज के कंटेनर रखने चाहिए। इससे उन्हें पानी और भोजन मिलेगा और उनकी जान भी बचेगी। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था द्वारा भी निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। घरों के आसपास हरियाली के लिए पेड़ों व पौधों बारे भी जागरूक किया जा रहा है।

मानेसर निगम बैठक में 29 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

- मेयर डा. इंद्रजीत कौर की अध्यक्षता में हुई निगम की साधारण बैठक
- मुख्यालय भेजा जाएगा प्रत्येक पार्षद को दो स्टाफ देने का प्रस्ताव
- गांवों में लाल डोरा क्षेत्र बढ़ाने के लिए मांगी जाएगी अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर नगर निगम सदन की साधारण बैठक में मौजूद मेयर डा. इंद्रजीत कौर यादव, निगमायुक्त आयुष सिन्हा व पार्षद।

मानेसर नगर निगम की मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को नगर निगम सदन की साधारण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदन की अनुमति से करीब 29 करोड़ रुपये के विकास कार्यों पर सहमति मिली। इसके अलावा 11 मुद्दों पर भी निगम ने सहमति दर्ज कराई। बैठक में निगमायुक्त आयुष सिन्हा, अधिकारी व पार्षद मौजूद रहे।

निगम के प्रत्येक गांवों में सीएफसी सेंटर खोलने, लाल डोर क्षेत्र बढ़ाने पार्षदों के काम में सहयोग के लिए एक कम्प्युटर ऑपरेटर और चपरासी देने वाले प्रस्ताव को भी मुख्यालय से अनुमति के लिए भेजा जाएगा। साथ ही पार्षदों ने मानेसर निगम क्षेत्र को सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने के लिए सदन में प्रस्ताव रखा। सदन की साधारण बैठक में कुल 15 मुद्दे रखे गए थे। इनमें से 11 को सदन की अनुमति मिल गई। इनमें मुख्यतः एचकेआरएन के माध्यम से पार्षदों के लिए दो स्टाफ, निगम क्षेत्र के प्रत्येक गांव में सीएफसी सेंटर खोलने, गांव शिकोहपुर और कुकड़ौला में सब हेल्थ सेंटर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को जमीन देने, निगम क्षेत्र के गांव ढ़ाणा, बांस हरिया और बांस कुसला में तीन कॉलोनियों को नियमित करवाने, नगर निगम के कार्यालय के किराए की अवधि को एक साल के लिए बढ़ाने, डोर टू डोर कूड़ा उठाने, सड़क की सफाई आदि मुद्दों पर सदन ने हामी भरी।

इसके अलावा डिवीजन-1 के गांव बांस कुसला, बांस हरिया और ढ़ाणा में पीने के पानी की लाइन डालने, सीवर की सफाई के लिए मशीन हायर करना, जमीन की निशानदेही करने के लिए डीजीपीएस मशीन हायर करना, टयूबवैल के रख-रखाव के लिए टेंडर करना, गांव ढ़ोरका में सीवर, पानी की लाइन डालने, गांव वजीरपुर में पानी की लाइन डालने के अलावा गांव बार गुर्जर में भी पीने के पानी की सप्लाई के लिए नई लाइन डालने के मुद्दों पर सदन ने प्रस्ताव पास किया। इसी तरह डिवीजन-2 के गांव खोह, कासन और मानेसर में पानी की सप्लाई के लिए आईएमटी सेक्टर-8 से कासन गांव तक पानी की लाइन डालने, गांव कुकड़ौला के शहीद पार्क से पशु अस्पताल तक सीवर और पानी की लाइन डालने, गांव मानेसर में आरबीएस स्कूल से बंगाली मार्केट तक आरसीसी की स्ट्रॉम वाटर ड्रेन बनाने, गांव मानेसर से खोह रोड़ तक सीवर, पानी की लाइन डालने, गांव नैनवाल में नाले का निर्माण, गांव सिकंदरपुर बढ़ा में सीवर, पानी की लाइन डालने और स्ट्रीट लाइटों के लिए 200 सीसीएमएस पैनल खरीदने की मंजूरी नगर निगम सदन ने दी। आयुक्त आयुष सिन्हा ने बैठक के दौरान कहा कि सदन से मंजूरी मिलने के बाद निगम क्षेत्र में घरों से कूड़ा उठाने, रोड की सफाई करने के लिए टेंडर मुख्यालय भेजा जाएगा।

योग महाकुंभ में 15 हजार से ज्यादा लोग पहुंचेंगेः सुधा

- कुरुक्षेत्र में 21 जून को होने वाले योग महोत्सव में एक लाख से ज्यादा लोग करेंगे शिरकत

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि शहर के 32 वार्डों से 15 हजार से ज्यादा लोग ब्रहमसरोवर पर लगने वाले योग महाकुंभ में पहुंचेंगे। इस योग महाकुंभ को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए जहां नगर पार्षद फील्ड में उतर चुके है वही सुभाष सुधा ने योग दिवस को लेकर कमान संभाल ली है।

सुभाष सुधा ने सुबह सेक्टर 7 आवास कार्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय योग महाकुंभ के राज्य स्तरीय कार्यक्रम और योग मैराथन को लेकर एक बैठक को सम्बोधित किया। इस बैठक से पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने नगरपरिषद थानेसर की अध्यक्षा माफी ढांडा, महिपाल ढांडा, टोनी मदान, दुष्यंत बख्शी, दरबारा सिंह सहित गांव के सरपंचों और नगर पार्षदों के साथ 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लोगों को लाने व ले जाने के साथ साथ अन्य प्रबंधों पर चर्चा की। इस दौरान 15 जून को योग मैराथन में भी अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रूप रेखा तैयार की है। उन्होंने कहा कि योग महाकुंभ को ऐतिहासिक और यादगार बनाया जाएगा।

सार्वजनिक सूचना

248-251, कुचा मीर आशिक, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 स्थित संपति वक्फ हाफिज नूरूद्दीन के अधीन एक वक्फ-अल-औलाद संपति है। यह संपति संबंधित न्यायालय की अनुमति के बिना बेची, हस्तांतरित या किसी भी प्रकार से सौंपी नहीं जा सकती।

जनता और संभावित खरीदारों को सतर्क किया जाता है कि वे उक्त संपति के संबंध में किसी भी प्रकार का लेन-देन न करें। ऐसा कोई भी लेन-देन अवैध और अमान्य होगा तथा पूरी तरह से स्वयं के जोखिम पर किया जाएगा।

हस्ताक्षरित/-
डॉ. आर. जै. कुरैशी
समन्वयक, वक्फ हाफिज नूरूद्दीन
243, कुचा मीर आशिक,
चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को ममता की ओर से यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती ममता मट्टा सी/ओ श्री सनी मट्टा, खसरा संख्या 20/11 में से संपत्ति/प्लॉट संख्या ई-2/76, क्षेत्रफल 39.66 वर्ग गज में बिना छत अधिकार के भूतल पर निर्मित दुकान की मालिक हैं, जो कि गांव असलतपुर खादर, दिल्ली एस्टेट दिल्ली, कॉलोनी जिसे चाणक्य प्लेस पार्ट-1, नई दिल्ली-110059 के नाम से जाना जाता है के क्षेत्र में स्थित है, जिसका बिक्री विलेख दिनांक 17.02.2025 (दस्तावेज संख्या 2025/25/I/5322) श्री धरम बीर द्वारा निष्पादित किया गया है और इसे आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, नोएडा द्वारा वित्तपोषित और बंधक किया जाना है। इसलिए, बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी
बी-93बी, द्वितीय तल, एसबीआई बैंक के सामने, सेक्टर 2, नोएडा, यूपी-201301, संपर्क #0120-4269379

अफोर्डेबल हाउसिंग योजना

SRIFLEX
Building a Better Tomorrow

हरियाणा सरकार की अफोर्डेबल हाउसिंग योजना 2013 के अंतर्गत

10.06.2025 को 'एम्मार क्लब बेरिल', एम्मार एमराल्ड हिल्स, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर 65, गुरुग्राम, हरियाणा 122018 में हुए अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट 'श्रीफ्लेक्स सिटी' के पहले ई-ड्रा डी-मॉर्गेज इकाइयो में सफल आवेदन कर्ताओ की सूची

लाइसेंस संख्या/वर्ष :133 ऑफ़ 2023 दिनांक 26.06.2023 | हरेरा पंजीकरण संख्या RC/REP/HARERA/GGM/814/546/2024/41 दिनांक 15.04.2025

श्रेणी-1 (2 बी एच् के) (एरिया 644.65 वर्गफीट)

236254	236716	236335	235454	236598	236012	235593	235695	236420	235751	236570	236801	235909	235483	236682	235356	235631
237005	236754	235500	235912	235492	236902	236791	236528	236487	236369	236405	236788	236563	236377	236076	235368	236158
236895	235197	236115	235678	235850	236141	235496	236338	235674	236550	237071	235148	235142	236917	236098	236421	235776
236996	236886	236165	236176	236517	236398	236478	235566	236472	236729	235644	237034	236923	236278	236119	236937	235792
236540	236435	236452	235929	236382	236493	235836	235344	236422	236771	236112	236200	235630	236966	236661	235547	236074
236232	236782	235833	235279	236778	235816	237008	235530	236397	235231	236063	235449	236107	235535	236208	235460	235519
235771	236167	236505	236079	236858	236947											

प्रतीक्षा सूची श्रेणी-1 (2 बी एच् के) (एरिया 644.65 वर्गफीट)

236271	236643	235412	237001	236281	235780	236670	236677	235760	236447	236101	235739	235919	236555	236169	235931	235595
235603	236018	235973	236640	235796	236645	235173	236622	235875	235575							

श्रेणी-2 (2 बी एच् के) (एरिया 644.65 वर्गफीट)

235797	236574	235533	235224	237019	236605	237045	236762	235567	235570	236408	235343	236358	237069	236930	236144	236263
236514	236388	237059	236546	236790	236329	235456	236330	236081	236618	236148	236892	236211	235768	235525	236016	236874
235506	236328	235670	235952	235848	236362	235300	236719	236233	236135	236104	235975	235401	236201	237079	235691	235942
236491	235626	236537	236384	235972	236034	236436	236800	236561	236240	236616	236753	236853	235855	235217	235856	235313
235254	236889	237028	236341	235889	236813	237053	236239	236049	236525	236881	236870	236987	236494	236316	236403	236934
235712	236327	236871	236916	235166	235994	236285	236915	235589	236891	236575	236603					

श्रेणी-2 (2 बी एच् के) (एरिया 644.65 वर्गफीट) एम क्यू

			235876	235246	235621	235147	235800	236581	235623	235187	235498	235406	235199			

प्रतीक्षा सूची श्रेणी-2 (2 बी एच् के) (एरिया 644.65 वर्गफीट)

235502	236197	236331	237058	236989	236161	235810	235651	235960	237042	236069	235852	235392	236832	236311	235200	236438
235192	236238	235743	236188	235428	236545	236721	236566	237092	235974							

श्रेणी-3 (2 बी एच् के) (एरिया 637.00 वर्गफीट)

235156	235331	237014	235612	236114	235369	236668	235310	236411	236536	236393	236430	235407	236105	235545	236186	235911
235981	235946	236228	237086	235264	236121	236685	236042	235475	236468	237006	235614	236084	235440	235867	236484	235679
235783	236620	236224	235549	236297	236088	236692	235615	235711	236127	235504	236760	236751	236938	235847	236794	236710
235746	236757	235676														

प्रतीक्षा सूची श्रेणी-3 (2 बी एच् के) (एरिया 637.00 वर्गफीट)

235798	235164	236050	235414	236332	237066	235984	236123	235276	235558	236520	235494	236978

श्रीफ्लेक्स प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड - टी एफ 03 नाइनेक्स सिटी मार्ट, सोहना रोड, सेक्टर 49, गुरुग्राम, हरियाणा 122018

अस्वीकरण: - अंतिम परिणाम टीसीपी वेबसाइट https://tcpharyana.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी विसंगति के मामले में, सरकारी वेबसाइट पर प्रकाशित परिणाम अंतिम होगा।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को श्री रमेश चंद्र की ओर से खसरा संख्या 1600/2, गांव-आया नगर, फेज-V, आदर्श एन्क्लेव, आया नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली, दिल्ली-110047 में स्थित ऊपरी भूतल पर फ्लैट संख्या 1, 2, द्वितीय तल पर फ्लैट संख्या 8, 9, तृतीय तल पर फ्लैट संख्या 10, 11, 12, जिसका कारपेट एरिया 250.8 वर्ग मीटर, संपत्ति संख्या ए-3/5 का हिस्सा के संबंध में सूचित किया जाता है, जो वर्तमान में श्रीमती प्रतिमा घिल्डियाल के स्वामित्व में है, जिन्होंने श्रीमती अन्नम्मा जोस और श्रीमती थ्रेसिअम्मा थॉमस से दो जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री के लिए करार और वसीयत दिनांक 08.11.2013 के माध्यम से विषय संपत्ति खरीदी थी। इसके अलावा, श्रीमती प्रतिमा घिल्डियाल ने विषयगत संपत्ति के संबंध में अपने पक्ष में दो हस्तांतरण विलेख दिनांक 03.10.2024 (दस्तावेज संख्या 2024/7/1/10030 और दस्तावेज संख्या 2024/7/1/10031 पंजीकृत कराए। अब, श्री रमेश चंद्र और श्रीमती प्रतिमा घिल्डियाल एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखते हैं, बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी
प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Bhoomi D/o Ajay Kumar R/o BK-56, West Shalimar Bagh, Delhi-110088 have changed my name from Bhoomi to Bhoomi Khandelwal for all purposes.
PD(2208)C

I, Aruna W/o Ajay Kumar R/o BK-59, West Shalimar Bagh, Delhi-110088 have changed my name from Aruna to Aruna Khandelwal for all purposes.
PD(2209)C

I, Rinku Singh wife of Deepak Kumar R/O, B-5/213 First Floor Rohini Sector-11, Delhi-110085, Aadhar No. 7543 3086 4651, have change my Name to RINKU KUMARI SINGH.
PD(2210)C

AXIS BANK

रिटेल एसेट सेंटर, एक्सिस बैंक लिमिटेड एक्सिस हाउस, टावर टी-2, द्वितीय तल, I-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (यू.पी.)-201301 एक्सिस बैंक लि. रिटेल एसेट सेंटर- एक्सिस बैंक लिमिटेड इरोस कॉर्पोरेट पार्क, दुकान नं. 130,131,132,140,141,142, 143, 144, टॉवर-के, सेक्टर 42, मानेसर-122052,
एक्सिस बैंक लिमिटेड, हिमालय हाउस, ऊपरी तल और पहली मंजिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001, कॉर्पोरेट कार्यालयः ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई-400025 पंजीकृत कार्यालयः त्रिशूल, तीसरी मंजिल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

मांग नोटिस

जबकि नीचे उल्लिखित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता ने एक्सिस बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता प्राप्त की थी। हम बताते हैं कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बावजूद, उधारकर्ताओं/गारंटरों/बंधककर्ताओं ने देय तिथियों के अनुसार ब्याज और मूलधन की अदायगी में विभिन्न चूक की हैं। एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के आदेशानुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों/दिशानिर्देशों के अनुसार नीचे उल्लिखित संबंधित तारीखों पर खाते को गैर निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत नीचे उल्लिखित संबंधित तिथियों पर मांग नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें निम्नलिखित उधारकर्ताओं/गारंटरों/बंधककर्ताओं से नोटिस में उल्लिखित राशि को नोटिस में उल्लिखित राशि पर संविदात्मक दर पर अतिरिक्त ब्याज और आकस्मिक व्यय के साथ ही नोटिस की प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान की तिथि तक लागत, शुल्क चुकाने का आह्वान किया गया है।
उनके अंतिम ज्ञात पते पर जारी किए गए नोटिस बिना तामील हुए वापस आ गए हैं, इसलिए उन्हें सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से इसकी सूचना दी जा रही है।

कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम एवं पता	सुरक्षित आस्तियां/सम्पत्ति का पता	बकाया राशि (रु.) नोटिस की तिथि तक	एनपीए की तिथि / मांग सूचना की तिथि
1. मेसर्स शेमा ई व्हीकल एंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 489, आईएमटी, मानेसर, सेक्टर-8, गुड़गांव, हरियाणा-1022051 औरः मेसर्स शेमा ई व्हीकल एंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड रेवणु एस्टेट, गुदड़ी, तौरू, हरियाणा- 122105। 2. श्री योगेश कुमार लाठ पुत्र रमेश उमर लाठ निवासी एन एच-6 धनकौड़ा बैदरनुआपाली संबलपुर, उड़ीसा -768006 औरः - श्री योगेश कुमार लाठ फ्लैट नं. 092, डीआईएफ न्यू टावर हाइट्स टावर-एच, सेक्टर-91, गुड़गांव, हरियाणा-122050, 3. श्रीमती सीमा लाठ पत्नी श्री योगेश कुमार लाठ निवासी एन एच-6 धनकौड़ा बैदरनुआपाली संबलपुर, उड़ीसा -768006 औरः श्रीमती सीमा लाठ पत्नी श्री योगेश कुमार लाठ फ्लैट नं.-092, डीआईएफ न्यू टावर हाइट्स टावर-एच, सेक्टर-91, गुड़गांव, हरियाणा-122050	भूमि जोकि मौजा-धनकौड़ा, पी.एस.सदर, तहसील-संबलपुर, जिला संबलपुर, ओडिशा सदर उप पंजीकरण क्षेत्राधिकार में चक खाता संख्या 290/307, प्लॉट संख्या 468/1259 क्षेत्रफल माप एकड़ 0.89 डिसिमिल किसम घरबारी में स्थित निम्नलिखित सीमाएंः पूर्व-साइट प्लान के अनुसार, पश्चिम-साइट प्लान के अनुसार, उत्तर-साइट प्लान के अनुसार, दक्षिण-साइट प्लान के अनुसार और सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल 1.16 दशमलव चक प्लाट संख्या 470 में से चक संख्या 117 चकबंदी खाता संख्या 60, गांव धनकौड़ा में स्थित है, पी.एस. संबलपुर, तहसील और जिला संबलपुर, पी.एस. संबलपुर संख्या 24 सदर उप पंजीकरण एल्स्का, जिला पंजीकरण क्षेत्राधिकार संबलपुर, ओडिशा राज्य में और मानचित्र या योजना में चित्रित है, जो इसके साथ संलग्न है और उस पर लाल रंग से घेरा गया है और निम्नानुसार सीमांकित-पूर्व-साइट योजना के अनुसार, पश्चिम-साइट योजना के अनुसार, उत्तर-साइट योजना के अनुसार, दक्षिण-साइट योजना के अनुसार	रु. 9,81,89,134.33 (रु. नौ करोड़ इक्यासी लाख नवासी हजार एक सौ चौंतीस और पैसे तैतीस मात्र)	ऋण राशि (रु.) 26.03.2025 26.05.2025 रु. 4,50,00,000/- रु. 6,15,00,000/- रु. 2,00,00,000/-
1. मैसर्स सुमन ग्राफिक्स शॉप नं. 2बी-9, गुरु नानक भवन कम्युनिटी सेंट्रल, रणजीतनगर, दिल्ली 110008 औरः मैसर्स सुमन ग्राफिक्स सम्पत्ति नं. 14 और 15 भूतल, पॉकेट नं. 22, सेक्टर 24 रोहिणी, नई दिल्ली-110085। 2. श्री विकास वधावन, मकान नं. 14 जीएफ, पॉकेट 22, सेक्टर 24, राजापुर नालान, रोहिणी उत्तर पश्चिम, दिल्ली -110085 औरः श्री विकास वधावन प्लॉट नं.-बी-11, बेसमेंट, पटेल रोड, सत्यम सिनेमा के पास, सामुदायिक केंद्र, रंजीत नगर, दिल्ली-110008। 3. श्रीमती आरती वधावन मकान नं. 14 जीएफ, पॉकेट 22, सेक्टर 24 राजापुर नालन, रोहिणी उत्तर पश्चिम, दिल्ली-110085	सम्पूर्ण भूतल बिना छत के अधिकार के, सेक्टर 24 के पॉकेट नंबर 22 में संपत्ति संख्या 14, क्षेत्रफल 60 वर्ग मीटर, रोहिणी आवासीय योजना के लेआउट प्लान में, दिल्ली-110085 और निम्नानुसार सीमाबद्ध- पूर्व-टाइटल डीड के अनुसार, पश्चिम-टाइटल डीड के अनुसार, दक्षिण-टाइटल डीड के अनुसार, उत्तर-टाइटल डीड के अनुसार	रु. 1,11,18,187.49 (रु. एक करोड़ ग्यारह लाख अट्ठारह हजार एक सौ सत्तासी और पैसे उनचास मात्र)	05.04.2025 31.05.2025 रु. 1,16,00,000/-
1. मेसर्स एस.डी. बैसला इसके प्रोप. द्वारा सुबे बंसल निवासी 106, सेक्टर 36, ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. -201308 2. श्री सुबे बंसल (प्रोपराईटर) मैसर्स एसडी बैसला पुत्र राज पाल सिंह 100 रानोली, लतीफपुर गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. 203207 औरः श्री सुबे बंसल पुत्र राज पाल सिंह निवासी - ए 106, सेक्टर 36, ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर, यूपी-201308	रिहायशी मकान नं. 106, कुल क्षेत्रफल 128 वर्ग मी और कवर्ड क्षेत्रफल 40.122 वर्ग मी., ब्लॉक ए जोकि सेक्टर-36 (आरएचओ-01), ग्रेटर नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (यूपी)। उक्त फ्लैट की सीमाएंः उत्तर-पूर्वः लीज प्लान के अनुसार, दक्षिण-पूर्वः लीज प्लान के अनुसार, उत्तर-पश्चिमः लीज प्लान के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमः लीज प्लान के अनुसार	रु. 93,12,271/- (रु. तिरान्वे लाख बारह हजार दो सौ इकहत्तर मात्र)	18.09.2025 31.05.2025 रु. 85,00,000/-
1. श्री राज कपूर पुत्र श्री जयराम फ्लैट नं. एच 402, अर्बन होम्स, आदित्य अर्बन होम्स, एनएच 24 शाहपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201010 औरः श्री राज कपूर पुत्र श्री जयराम, 18182, ब्लॉक-आर-18, मायापुरी, पीएच-एल, साउथ वेस्ट दिल्ली-110064। 2. श्रीमती बबीता पत्नी श्री राज कपूर फ्लैट नं. एच 402, अर्बन होम्स, आदित्य अर्बन होम्स, एनएच 24 शाहपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010	फ्लैट नं. एच/यूएच 402 04वीं मंजिल पर टावर/ब्लॉक-एच, प्रोजेक्ट का फेज-1बी यानी अर्बन होम्स शाहपुर बम्हेटा, गाजीबाद, उत्तर प्रदेश पूर्व-साइट प्लान के अनुसार, पश्चिम-साइट प्लान के अनुसार, उत्तर-साइट प्लान के अनुसार, दक्षिण-साइट प्लान के अनुसार	रु. 14,07,714/- (रु. चौदह लाख सात हजार सात सौ चौदह मात्र)	08.01.2025 20.05.2025 रु. 13,26,163/- रु. 1,50,754/-

उपरोक्त परिस्थितियों में, उपरोक्त उधारकर्ताओं, सह-उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (जहां भी लागू हो) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर ऊपर बताए गए बकाया का भुगतान भविष्य के ब्याज और लागू शुल्कों के साथ करने के लिए नोटिस दिया जाता है, ऐसा न करने पर इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों की समाप्ति के बाद सुरक्षित परिसंपत्तियों के खिलाफ आगे कदम उठाए जाएंगे, जिसमें वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण की धारा 13(4) के तहत प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 का प्रवर्तन तथा उसके अंतर्गत लागू नियम के साथ उधारकर्ताओं और बंधककर्ताओं की सुरक्षित परिसंपत्तियों पर कब्जा लेना शामिल है। कृपया सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर ध्यान आकृष्ट करें, जिसके अंतर्गत आप बैंक को देय सभी लागतों, प्रभारों और व्ययों सहित बकाया राशि की सम्पूर्ण राशि केवल सार्वजनिक नीलामी, कोटेशन आमंत्रित करके, जनता से निविदा या निजी संधि द्वारा सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन की तिथि तक जमा कर सकते हैं। कृपया यह भी ध्यान दें कि यदि बैंक द्वारा वहन की गई लागत, प्रभार और व्यय सहित बकाया राशि की पूरी राशि सार्वजनिक नीलामी द्वारा सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए नोटिस के प्रकाशन से पहले, कोटेशन आमंत्रित करके, जनता से निविदा या निजी संधि द्वारा प्रस्तुत नहीं की जाती है, तो आप सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के हकदार नहीं हो सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अंतर्गत कोई भी उधारकर्ता, सुरक्षित ऋणदाता की पूर्व लिखित सहमति के बिना, नोटिस में उल्लिखित अपनी किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्यथा तरीके से हस्तांतरित नहीं करेगा।

तिथि : 11.06.2025, स्थानः नोएडा, यू.पी. प्राधिकृत अधिकारी, एक्सिस बैंक लिमिटेड

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 11 जून, 2025

मानवीय संकट

थुनबर्ग का अभियान

ग्रेटा थुनबर्ग गाज़ा में मानवीय संकट के प्रति दुनिया को जागरूक करने का अभियान चला रही हैं। ऐसे समय जब मौन रहने का अर्थ संलिप्तता हो सकती है, ग्रेटा थुनबर्ग एक बार फिर दुनिया को नैतिकता का पाठ पढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने जा रही हैं। इस बार जलवायु के बजाय मानवीय संकट उनके अभियान के केन्द्र में है। उनका नवीनतम कृत्य गाज़ा में इस्राइली नौसेना द्वारा आरोपित नाकेबंदी तत्काल तोड़ना है ताकि युद्ध, भूख और निराशा के शिकार क्षेत्र में मानवीय सहायता पहुंचाई जा सके। थुनबर्ग और 11 अन्य एक्टिविस्टों के साथ पालों से चलने वाले छोटे से जहाज मैडलीन ने सिसली से अपनी यात्रा शुरू की और उसका लक्ष्य न केवल सहायता देना, बल्कि उस पीड़ा का गवाह बनना है जो गाज़ा में आम हो गई है। गाज़ा पट्टी में दो मिलियन से अधिक फिलिस्तीनी रहते हैं जो इस्राइली थलसेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा 2007 से नाकेबंदी का शिकार है। हमास पर लगाम लगाने के प्रयासों ने पिछले सालों में व्यवस्थित रूप से फिलिस्तीनियों को सामूहिक रूप से दंड देने की व्यवस्था का रूप ले लिया है। इसमें सिविलियनों को सीमित आवागमन, आर्थिक ठहराव तथा लगातार बमबारी से निशाना बनाया जा रहा है।

इस्राइल और हमास के बीच जारी वर्तमान टकराव ने बार-बार गाज़ा की ढांचागत संरचना को खंडहर में बदला है, उसके लोगों को आघात पहुंचाया है तथा भविष्य को अनिश्चित किया है। 7 अक्टूबर, 2023 को इस्राइल पर हुए हमास के आतंकी हमले के बाद इस्राइल ने अपनी सैनिक आक्रामकता बढ़ा कर वहां लगभग तीन महीने से 'पूर्ण नाकेबंदी' की है। इस कालखंड में भोजन, ईंधन और दवाओं की सप्लाई लगभग पूरी तरह काट दी गई है। हालांकि, इसके बाद से थोड़ी बहुत सहायता पहुंची है, पर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने अकाल की आशंका जताई है। संयुक्त राष्ट्रसंघ व अन्य मानवतावादी समूहों के अनुसार गाज़ा में बच्चे भूख का शिकार हैं, अस्पताल ध्वस्त हो रहे हैं तथा पूरा समुदाय स्वच्छ पानी से वंचित है। पूरी दुनिया में अपनी निर्भय जलवायु एक्टिविज्म के लिए विख्यात ग्रेटा थुनबर्ग ने उसी स्पष्टता और तात्कालिकता के साथ गाज़ा में मानवीय आपातस्थिति की ओर ध्यान दिया है। उनके साथी एक्टिविस्टों में ब्राजील की सोशल एक्टिविस्ट थियागो अविला और यूरोपीय संसद में फ्रांसीसी सदस्य रीमा हसन शामिल हैं। ग्रेटा नाकेबंदी तोड़ कर महत्वपूर्ण सप्लाई पहुंचाना चाहती हैं। उनकी यात्रा न केवल प्रतीकात्मक, बल्कि एक नैतिक खाली स्थान भरने का प्रयास है जहां दुनिया भर के राजनेता विफल हो गए हैं।

इस्राइल के रक्षा मंत्री ने घोषणा की है कि 'मैडलीन' को गाज़ा पहुंचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने थुनबर्ग और उनके साथी एक्टिविस्टों को 'यहूदी विरोधी' और 'हमास प्रचारक' बताया है। लेकिन मानवतावादियों को दुश्मन घोषित करने से गाज़ा में व्याप्त भयानक स्थिति समाप्त नहीं होती है। इसका अर्थ केवल इस्राइल द्वारा नाकेबंदी में मानवीय तत्वों का अभाव है। ग्रेटा थुनबर्ग के मिशन का राजनीति से सरोकार नहीं है, बल्कि यह केवल मानवतावादी सिद्धान्त से जुड़ा है। जब सरकारें पूरी जनसंख्या को मनुष्य समझने से इनकार कर दें तो सिविल सोसाइटी को सक्रिय होना पड़ता है। उनका पालों से चलने वाला जहाज वहां भोजन, दवायें और मानवीय गरिमा लेकर जा रहा है। यह सहायता से बढ़ कर इस बात का प्रतीक है कि दुनिया देख रही है और इस समय चुप्पी कोई विकल्प नहीं है। उनका समर्थन किया जाना चाहिए क्योंकि वे ऐसा काम कर रही हैं जो अंतरराष्ट्रीय संस्थान करने में विफल रहे हैं। वे पीड़ित जनसंख्या को असली सहायता और असली सद्भावना देने के साथ ही उस पर ध्यान देने में विफल रही हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मानवीय सहायता कोई धमकी न हो कर एक अधिकार है। गाज़ा में एक पालों से चलने वाले जहाज से ग्रेटा थुनबर्ग की यात्रा केवल थोड़ी सी सप्लाई ले जाना नहीं है। इसका अर्थ साझा मानवीयता पर जोर देना है। इसका अर्थ निष्क्रियता को 'न' कहना है। इस नैतिक संघर्ष में हमें उनके साथ खड़े होना चाहिए। लेकिन इसके साथ-साथ हमास जैसे आतंकी संगठनों का समूल अंत भी जरूरी है।

भारत की कुशल श्रमशक्ति

विकसित दुनिया को इस समय पूंजी के बजाय कुशल, गतिशील व उत्साही लोगों की आवश्यकता है। भारत अपनी युवा व कुशल श्रमशक्ति से यह जरूरत पूरी कर सकता है। इसके लिए व्यापक कौशल प्रशिक्षण जरूरी है।

दिनेश सूद
(लेखक, कौशल विकास से संबद्ध हैं)

वर्ष 2030 तक दुनिया को श्रमशक्ति की अभूतपूर्व कमी का शिकार होना पड़ सकता है। अमेरिका, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह कमी 50 मिलियन तक हो सकती है। एक हालिया 'ग्लोबल असेस टु टैलेंट फाम इंडिया'- गति फाउंडेशन रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि यह कमी 2050 तक 250 मिलियन तक पहुंच सकती है। इसका कारण बुढ़ाती जनसंख्या, घटती प्रजनन दर तथा संकुचित होती घरेलू श्रमशक्ति है। हालांकि, स्वचालीकरण और कृत्रिम बुद्धि-एआई कुछ समाधान दे सकते हैं, लेकिन तकनीकी परिवर्तन की गति मानव पूंजी की मांग के साथ मेल नहीं खा सकती है। बुढ़ाती जनसंख्या वाली औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में कुशल श्रमशक्ति की मांग बढ़ती रहेगी। इस संदर्भ में भारत 900 मिलियन से अधिक काम करने की आयु वाले लोगों के साथ 'जनसंख्या लाभांश' की स्थिति में है। इसे अक्सर हमारी सबसे बड़ी पूंजी के साथ ही जनसंख्या के बोझ के रूप में भी देखा जाता है। इस चुनौती का सामना करने के लिए कुशल और अर्धकुशल श्रमशक्ति का विकास करना जरूरी है।

भारत की जनता में परिवर्तनशीलता और नए कौशल प्राप्त करने की क्षमता इस दिशा में महत्वपूर्ण समाधान पेश कर सकती है। भारत हर साल अपने कार्यबल के लगभग 700,000 लोगों को विदेश भेजता है। मुख्य रूप से वे स्वास्थ्यरक्षा, परिवहन, तकनीक और अतिथि सत्कार क्षेत्रों में काम करते हैं। लेकिन एक समन्वित राष्ट्रीय योजना के साथ यह संख्या हर साल बढ़ा कर 2.5 मिलियन की जा सकती है। भारत के श्रमबल निर्यात में इस वृद्धि से न केवल वैश्विक मांग पूरी करने में सहायता मिलेगी, बल्कि इससे हर साल विदेशों से आने वाली मुद्रा बढ़ कर 300 बिलियन डालर पहुंच सकती है। भारत वर्तमान समय में प्रति वर्ष अपनी श्रमशक्ति के माध्यम से 129 बिलियन डालर लाने से दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर है। इस प्रकार विदेशों में रोजगार भारत की वैश्विक पहुंच में महत्वपूर्ण योगदान करेगा और इससे दुनिया में भारत का कद बढ़ेगा।

'गति' रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि 20 देश विश्व श्रमबल में कमी का 90 प्रतिशत अनुभव कर रहे हैं। अमेरिका में 11 से 12 मिलियन अतिरिक्त कामगारों की आवश्यकता है और इसके बाद 5-6 मिलियन के साथ ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, हंगरी और चेक गणराज्य में प्रत्येक में 4-5 मिलियन कामगारों की कमी है। जर्मनी और रूस में प्रत्येक में 3-4 मिलियन तथा जापान में 2-3 मिलियन कामगारों की आवश्यकता है। अन्य देशों में कनाडा, आस्ट्रेलिया, खाड़ी देश, ताइवान, नीदरलैंड, आस्ट्रिया और इटली हैं जिनमें से प्रत्येक में 1-2 मिलियन कामगारों की आवश्यकता है। इसके साथ ही छोटे पर उच्च आय वाले देशों जैसे सिंगापुर, रोमानिया, बुल्गारिया और हांगकांग में 0.5 से 1 मिलियन कामगारों की कमी अनुभव की जा रही है। यह मांग पूरी तरह स्पष्ट है और भारत इस मांग को पूरी करने का प्रयास कर रहा है। कम से अधिक कौशल वाले सभी प्रकार के कामगारों की मांग है। अनुमानित वैश्विक मांग में 70 प्रतिशत कम एवं मझोले कौशल वाले कामों की है। इनमें लगभग 18 से 20 मिर्लियन कम कौशल वाले पद, 6-8 मझोले कौशल वाले पद तथा 10-12 मिलियन उच्च कौशल वाले पद हैं। इसलिए भारत की नीतियों में इस मांग की संरचना के अनुसार श्रमबलों के प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। चुनौती विदेशों में ज्यादा कामगार भेजने की नहीं, बल्कि सही कौशल वाले लोगों को सही स्थानों और सही उद्योगों में भेजने की आवश्यकता है। इस प्रकार प्रवासन के लिए नए दृष्टिकोण में तीन प्रमुख रणनीतियों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इनमें वैश्विक मांग पूरी करना, घरेलू सप्लाई में सुधार करना और एक दृढ़ व दीर्घकालीन प्रवासन इकोसिस्टम तैयार करना शामिल हैं।

भारत को कौशल बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। मांगों के संबंध में भारत को सक्रिय रूप से लक्षित देशों को साथ लेना चाहिए ताकि कौशल प्रमाणपत्रों में सामंजस्य बिठा कर परस्पर स्वीकृति समझौतों को लागू किया जा सके। सप्लाई पक्ष में कौशल बढ़ाने के लिए भारत को महत्वपूर्ण रूप से तकनीकी शिक्षा, साफ्ट कौशल और विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षण पर ध्यान देना चाहिए। यह बात खासकर जापान और जर्मनी जैसे देशों पर लागू होती है क्योंकि वहां भाषा में प्रवाह आवश्यक है। इन बाधाओं को पार करने में शामिल प्रमुख रणनीतियों में स्कूल स्तर पर भाषा शिक्षण, उद्योग-केन्द्रित प्रशिक्षण तथा सक्षम शिकायत निवारण व्यवस्थायें शामिल हैं। कुछ अग्रगामी सोच वाली राज्य सरकारों ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उदाहरण के लिए दिल्ली सरकार के कुछ स्कूलों में जापानी भाषा सीखने का विकल्प दिया गया है तथा तेलंगाना ने 'रिटर्नी इंटीग्रेशन प्रोग्राम' चलाए हैं। लेकिन इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना जरूरी है जिसमें राष्ट्रीय दृष्टिकोण तथा समन्वय शामिल हैं। समय आ गया है कि भारत वैश्विक श्रमशक्ति परिवर्तन पर केन्द्रित एक केन्द्रीकृत एजेंसी का गठन करे। यह फिलीपीन्स के डिपार्टमेंट आफ माइग्रेंट वर्कर्स या बांग्लादेश में ब्यूरो आफ मैनपावर इम्प्लायमेंट एंड ट्रेनिंग की तरह हो सकता है। ऐसे संगठन में सभी पक्षों को एकसाथ लाया जा सकता है जिनमें मंत्रालय, राज्य सरकारें, कौशल परिषदें, भर्ती एजेंसियां और उद्योग संस्थान शामिल हैं। ऐसी संस्था भर्ती में समन्वय, सुनिश्चित नैतिक प्रवासन व्यवहार तथा वैश्विक मांग पर तुरन्त निगरानी कर सकती है। समान रूप से खासकर कम और मध्यआय वर्ग वाले कामगारों के लिए प्रवासन में सहायता हेतु वित्तीय समर्थन विकल्पों को विकसित करना महत्वपूर्ण है।

देश को ऐसी कल्याण व्यवस्थाओं की आवश्यकता है जो विदेशों में काम कर रहे भारतीय कामगारों को सुरक्षा दे सके तथा वहां से वापस आने वालों की शिकायत निवारण और उनको अर्थव्यवस्था में पुनः समाहित करने का काम कर सके। इसके साथ ही लगातार भारतीय प्रतिभा के लिए उच्च मांग वाले क्षेत्रों की लगातार खोज कर उन पर ध्यान देना जरूरी है। परंपरागत रूप से महत्वपूर्ण रहे स्वास्थ्यरक्षा, अतिथि सत्कार, घरेलू कामकाज और लाजिस्टिक्स के साथ ही भारत को उभरते क्षेत्रों पर भी ध्यान देना चाहिए जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 'हरित रोजगार', ढांचागत संरचनाओं का विकास, डिजिटल सार्वजनिक कल्याण तथा टिकाऊ विकास संबंधी स्टार्टअप शामिल हैं जहां दुनिया भर में कौशल की भारी कमी अनुभव की जा रही है।

प्रवासन की बाधायें समझना भी जरूरी है। इस क्षेत्र में प्रगति के बावजूद अनेक चुनौतियां बनी हुई हैं। अक्सर भारत में प्राप्त योग्यताओं को वैश्विक स्तर पर पहचाना नहीं जाता है जिससे कामगारों को प्रवासन पर भारी खर्च के साथ ही संदिग्ध एजेंटों द्वारा शोषण का जोखिम भी उठाना पड़ता है। प्रवासन को केन्द्र में रखने वाला विमर्श राजनीतिक रूप से अमेरिका, कनाडा और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में विवाद का कारण है। यहां अधिकांश विपक्षी पार्टियां अवैध आप्रवास पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। लेकिन कुशल, सुनियोजित तथा विधिक प्रवासन अधिकांश विकसित देशों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसका कारण सद्भावना के बजाय आर्थिक जरूरते हैं। इन देशों को अपनी प्रगति बनाए रखने के लिए समुचित संख्या में कुशल कामगारों की जरूरत है जो बुढ़ाती जनसंख्या की सहायता कर महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवायें बनाए रख सकें। इस क्षेत्र में भारत अपनी युवा जनसंख्या और प्रशिक्षण ढांचे के विस्तार के साथ विश्वसनीय वैश्विक साझीदार के रूप में उभर सकता है। इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण राजनयिक पहलें की गई हैं।

उदाहरण के लिए जर्मनी, कुशल कामगार वीसा कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है, जबकि जापान ने भारतीयों के लिए उपलब्ध अप्रेंटिसशिप वीसा की श्रेणियां बढ़ाई हैं। पूर्वी यूरोपीय देशों से इस बारे में वार्ता जारी है कि वे भारतीय ड्राइविंग लाइसेंसों को स्वीकार करें। इस बीच भारत ने आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, डेनमार्क, इटली और ब्रिटेन के साथ सरकारी स्तर पर प्रवासन समझौते किए हैं। भारत ने इस्राइल से भी सरकारी स्तर पर अनुबंध किया है। युवा पेशेवर योजना के अंतर्गत हर साल 3000 भारतीय ब्रिटेन में दो साल पढ़ने और काम करने के लिए जा सकते हैं। भारत अपनी युवा जनसंख्या तथा उपयुक्त और व्यापक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दुनिया भर में विश्वसनीय, प्रशिक्षित व सशक्त व्यक्तियों के प्रवासन का केन्द्र बन सकता है। भारत में प्रगति की अगले लहर पूंजी या वस्तुओं के बजाय सक्षम कामगारों द्वारा निर्धारित होगी।

बिजनेस का भविष्य और महिलाएं

> देश के शीर्ष 10 बिजनेस स्कूलों ने बताया है कि उनके 2024 के एमबीए समूहों में 50 प्रतिशत या उससे अधिक महिलाएं हैं।

आशीष मुंजाल
(लेखक, सनस्टोन के सीईओ हैं)

भारत अपने शैक्षिक और व्यावसायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देख रहा है, जिसमें मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ रही है और वे कॉर्पोरेट जगत में शीर्ष नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव न केवल पिछले रुझानों से एक स्वागत योग्य प्रस्थान है, बल्कि भारतीय व्यवसायों के लिए अधिक समावेशी और गतिशील भविष्य का संकेत भी देता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत में व्यावसायिक शिक्षा मुख्य रूप से पुरुष-प्रधान रही है।

हालांकि, हालिया डेटा एमबीए कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में लगातार और पर्याप्त वृद्धि को उजागर करता है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अनुसार, 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में कुल एमबीए नामांकन में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.11 प्रतिशत थी - जो 2018-19 में 33 प्रतिशत से एक प्रभावशाली छलांग है। कच्चे आंकड़ों में, यह 2018-19 में 78,374 महिलाओं से 2022-23 में 1,20,142 तक की छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। देश के शीर्ष 10 बिजनेस स्कूलों ने बताया है कि उनके 2024 के एमबीए समूहों में 50 प्रतिशत या उससे अधिक महिलाएं हैं, जो लैंगिक समानता की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। यहां तक कि राज्य स्तर पर, जैसे कि महाराष्ट्र में, बदलाव स्पष्ट है।

राज्य के कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) सेल के आंकड़ों के अनुसार, अब सभी एमबीए छात्रों में से लगभग आधी महिलाएं हैं - एक उल्लेखनीय वृद्धि। जबकि मेट्रो शहर महिलाओं की व्यावसायिक शिक्षा में अग्रणी हैं, टियर 2 और टियर 3 शहर भी पीछे नहीं हैं। भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2023 में उल्लेख किया गया है कि इंदौर, नासिक

और कोयंबटूर जैसे शहरों में 2020 से एमबीए कार्यक्रमों में महिलाओं के नामांकन में 27 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। क्षेत्रीय बिजनेस स्कूल इस विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डिजिटल क्रांति ने व्यावसायिक शिक्षा तक पहुंच को भी लोकतांत्रिक बना दिया है। केपीएमजी की एक रिपोर्ट से पता चला है कि 2021 और 2023 के बीच, गैर-मेट्रो शहरों में महिलाओं द्वारा ऑनलाइन एमबीए नामांकन में 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे महिलाओं को स्थानांतरित हुए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति मिली है - जो कई लोगों के लिए एक आवश्यक विचार है। इस सकारात्मक प्रवृत्ति में कई कारकों ने योगदान दिया है।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है आर्थिक सशक्तिकरण। एमबीए को तेजी से वित्तीय स्वतंत्रता और करियर उन्नति के प्रवेश द्वार के रूप में देखा जा रहा है, जो महिलाओं को पारंपरिक सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाता है। दूसरा, बिजनेस स्कूल अधिक समावेशी होते जा रहे हैं। कई संस्थान अब महिलाओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए छात्रवृत्ति, मेंटरशिप प्रोग्राम और लचीले शिक्षण विकल्प प्रदान करते हैं। वित्तपोषण में नवाचार के लिए भी उल्लेखनीय जोर है, विशेष रूप से टियर 2-3 क्षेत्रों के छात्रों के लिए, जिसमें अनुकूलित छात्रवृत्ति योजनाएं और चरणबद्ध शुल्क भुगतान योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, सरकार और कॉर्पोरेट पहल इस बदलाव को बढ़ावा दे रही हैं। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने प्रति वर्ष 8 लाख रुपये से कम कमाने वाले परिवारों से पेशेवर पाठ्यक्रम करने वाली लड़कियों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क माफ़ी की शुरुआत की - इस कदम से उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एमबीए कार्यक्रमों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी व्यापार जगत में वास्तविक प्रभाव में तब्दील हो रही है। महिला एमबीए स्नातक वित्त से लेकर तकनीक तक के उद्योगों में अपनी पहचान बना रही हैं। संस्थागत निवेशक सलाहकार सेवाओं (आईआईएएस) के एक अध्ययन से पता चला है कि शीर्ष 500 एनएसई-सूचीबद्ध कंपनियों में महिलाएं अब 18 प्रतिशत बोर्ड पदों पर काबिज हैं। इन फर्मों में 22 महिला बोर्ड अध्यक्ष, 25 महिला सीईओ और 62 महिलाएं कार्यकारी निदेशक हैं। इसके अलावा, महिलाएं प्लेसमेंट में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। डेटा दर्शाता है कि महिला एमबीए स्नातकों की उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में 36.7 प्रतिशत अधिक चयन दर है, जो उनकी तैयारी और उद्योग प्रासंगिकता को दर्शाता है। एमबीए करने वाली महिलाओं में उद्यमिता में भी उछाल देखा जा रहा है।

औपचारिक प्रशिक्षण और एक नए दृष्टिकोण से लैस, कई संगठनों को लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों को लागू करना चाहिए, जैसे समान वेतन, भेदभाव विरोधी प्रथाएँ और पारदर्शी पदोन्नति। महिलाओं को मार्गदर्शन और रोल मॉडल प्रदान करने के लिए मेंटरशिप नेटवर्क विकसित किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, लचीली कार्य व्यवस्था पेशेवर और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को संतुलित करने में मदद कर सकती है, जिससे कर्मचारियों की संख्या में कमी आएगी।

आप की बात

मोदी की उपलब्धियां

पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने विकासात्मक एजेंडा में बड़े कदम उठाए फिर भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल, रोजगार व सामाजिक समावेशन में कमी और पारदर्शिता की चुनौतियां को लेकन विपक्ष हमेशा हावी होता आया हैं। मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इन वर्षों में जन विश्वास कायम करने के साथ अनेक निर्णायक कदम उठाए हैं। आर्थिक सुधारों से लेकर डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और जनधन योजना जैसे कार्यक्रमों ने समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने की कोशिश की है। विदेश नीति में भी भारत की वैश्विक साख में वृद्धि देखी गई है। सरकार ने धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम जैसे संवेदनशील मुद्दों पर साहसिक निर्णय लिए हैं जो व्यापक जन विमर्श का विषय बने। हालांकि, बेरोज़गारी, शिक्षा की गुणवत्ता महंगाई और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्रों में चुनौतियां बरकरार हैं, लेकिन सरकार ने इनको यथासंभव दूर करने का प्रयास किया है और वह उसमें काफी सीमा तक सफल भी रही है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि सरकार की उपलब्धियां निश्चित रूप से उल्लेखनीय हैं और उससे उम्मीद है कि वह भारत को विकसित देश बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी।

– **अमृतलाल मारू,** इंदौर

शिक्षकों की कमी

भारत को ज्ञान-आधारित आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है तो शिक्षा व्यवस्था की आत्मा-शिक्षक को केंद्र में रखना होगा। वर्तमान समय में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी मात्र संख्या का संकट नहीं, बल्कि विचार, गुणवत्ता और नवाचार का नुकसान है। संसद में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में ही 5,410 पद रिक्त हैं और अनेक संस्थानों में 40 प्रतिशत से अधिक पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। यह स्थिति शिक्षा के स्तर, अनुसंधान की गुणवत्ता और छात्र-हित की प्रक्रिया को सीधे प्रभावित कर रही है। शिक्षण संस्थानों में ज्ञान का सृजन तभी संभव है जब शिक्षक अपने उत्तरदायित्वों के प्रति प्रेरित, प्रशिक्षित और समर्पित हों। शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया अत्यंत जटिल, धीमी और प्रशासनिक अड़चनों से घिरी हुई है। इसके समाधान हेतु एक केन्द्रीय शिक्षक चयन आयोग की स्थापना की जानी चाहिए जो पारदर्शी, समयबद्ध और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करे। इसके साथ ही अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की प्रवृत्ति पर रोक लगाकर स्थायी पदों पर नियुक्ति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शिक्षक पेशे को आकर्षक बनाने

– **अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

चेतावनी और अवसर

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जारी संकट और चीन की तेज़ी से बढ़ती शोध शक्ति भारत के लिए एक चेतावनी और अवसर दोनों है। भारत के किसी भी विश्वविद्यालय का विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में स्थान न पाना स्पष्ट करता है कि हमारे शैक्षिक ढांचे में गंभीर सुधार की आवश्यकता है। जब चीन के पाँच विश्वविद्यालय इस सूची में आ सकते हैंए तो भारत के क्यों नहीं? इसका एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि हमारे देश में उच्च शिक्षा और शोध जैसे अति-गुणवत्ता निर्भर क्षेत्रों में भी जातिगत आरक्षण लागू है। इससे अक्सर मेधावी और मेहनती छात्र अवसरों से वंचित रह जाते हैं। जब चयन की प्रक्रिया में 100 अंक प्राप्त करने वाला छात्र 40 अंक लाने वाले आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार से पिछड़ जाता है तो यह गुणवत्ता के साथ अन्याय है। इसके फलस्वरूप, खासकर हमारे विश्वविद्यालयों के विज्ञान और तकनीकी क्षेत्रों में अनुसंधान की गुणवत्ता और नवाचार का स्तर गिरता है। इसके परिणामस्वरूप अमीर और उच्च मध्यवर्ग के प्रतिभाशाली छात्र देश छोड़कर उन जगहों पर जाते हैं जहां उन्हें समान अवसर और मूल्यांकन की निष्पक्षता मिलती है। इस दृष्टिकोण से उच्च शिक्षा में आरक्षण की समुचित समीक्षा होनी चाहिए।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

हिंसक प्रवृत्ति

नारी सशक्तीकरण के नाम पर रिश्तों को तार-तार करने का हिंसक चलन विचारणीय है। छिपकली से भी डरने वाली कुछ लड़कियाँ आखिर इतनी निडर कैसे हो गई कि अपने जीवन साथी को मौत के घाट उतारने से भी नहीं कतराती । कभी भाड़े के हत्यारों को बुलाकर अपने पति की हत्या की साजिश रचती हैं। पति को सुनसान जंगल में ले जाकर मौत के हवाले कर शव को खाई में फेंकती हैं तथा कभी क़त्ल करके शव को किसी ड्रम में डालकर सीमेंट के घोल से पत्थर बनाने का असफल प्रयास करती हैं। कोई अपने प्रेमी के साथ पति का गला घोंटकर शव के ऊपर साँप को बिठाकर पति की मौत का कारण साँप के द्वारा डँसा जाना बताती हैं। कोई विवाह के बाद से ही पति की कमाई पर कब्जा करके अपने मायके वालों का पोषण करती हैं तथा पति को आतंकित करके मृत्यु का वरण करने हेतु विवश कर देती है। मेघालय में हनीमून ट्रिप पर गई नव विवाहिता सोनम की कहानी भी पुरानी कहानियों से इतर प्रतीत नही होती। यह पति के साथ ही विवाह जैसी संस्था में व्यक्त विश्वास का भी क़त्ल है जिसे समय के साथ भुला दिया जाएगा।

– **सुधाकर आशावादी,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पीएम मोदी का 11 वर्षों का कार्यकाल विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम कालः योगी

मुख्यमंत्री ने सरकार और प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री को दी बधाई

● कहा, मोदी ने स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतीयों को बनाया विश्वास का प्रतीक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर केंद्र सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने इन 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार दिया। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। उन्होंने कहा कि इस स्वर्णिम कालखंड के लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री को बधाई देते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी का स्पष्ट कहना है कि जहां तकनीक है वहां तरक्की है। आपने देखा होगा कि जहां भाजपा की सरकार है वहीं गरीब कल्याण भी है। मोदी जी का स्पष्ट कहना है कि शासन अब सेवा का माध्यम बनेगा। सरकार आम जनमानस के साथ सहभागी बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। इसके विपरीत सीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव का निर्माण करते हुए अगले 25 वर्ष के व्यापक कार्य योजना पूरे भारतवासियों के सामने प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत में न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि सुरक्षा की मोर्चे पर, सुशासन के मोर्चे पर और आर्थिक मोर्चे पर भी एक नई पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री बोले- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सरकार के 11 साल ऐसे समय में पूरे हो रहे हैं जब पूरी दुनिया में भारत की सैन्य शक्ति की पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया के द्वारा ट्रस्टेड उस ताकत को देखा है जो अभी ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सबको देखने को मिला है। अब वह प्रवृत्ति नहीं जो 2014 के पहले आतंकवाद के मुद्दे पर देखने को मिलती था कि भारत तो केवल शांति का पक्षधर है। हर हाल में हमें शांति के रट लगाने की जो आदत 2014 के पहले पड़ गई थी, मोदी ने न्यू नॉर्मल के माध्यम से उस अवधारणा को पलट करके सज्जनों के साथ शांति से विकास की बात करेंगे, लेकिन कोई हम पर युद्ध थोपेगा, हमारी सुरक्षा पर सेंध लगाएगा, भारत के अंदर आतंकवाद को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ही होंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को नेतृत्व, मातृ वंदना कार्यक्रम से लेकर बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ कार्यक्रम से लेकर के नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक किए गए अनेक कार्यक्रम, सैनिक स्कूलों में बेटियों की भर्ती हो, नेशनल डिफेंस एकेडमी में भी पहली बार महिलाओं की भर्ती हो सके और वह भी सेवा में उच्च सैन्य अधिकारी के पद पर जा सके यह पहली बार हुआ है। योगी ने कहा कि पिछले 11 वर्ष में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की अकेली अर्थव्यवस्था है जो एक दशक में दुगनी हुई है। 2027 में भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अन्नदाता किसान देश के अंदर राजनीति एजेंडे का हिस्सा 2014 में ही बन पाया था। पहली बार गरीब शासन की योजना का हिस्सा भी बन पाया है। अब योजनाएं किसी तुष्टिकरण का शिकार नहीं होतीं, बल्कि बिना भेदभाव समाज के प्रत्येक तबके को उसकी संतुष्टीकरण का आधार देने वाली होती हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए पिछले 11 वर्ष के अंदर जो कदम बढ़ाए गए उससे एक व्यापक परिवर्तन इस क्षेत्र में देखने को मिला है। दुनिया जब इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना से त्रस्त थी, तब भारत बेहतरीन कोविड प्रबंधन के साथ-साथ अपने बेहतर भविष्य के लिए अपनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर रहा था।

सीएम ने किया 11 वर्ष के कार्यकाल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में 11 वर्ष के कार्यकाल पूरे करने के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें केंद्र सरकार द्वारा विगत 11 वर्षों में चलाई गई विभिन्न योजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में जानकारी ली। प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने सराहा। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पर फोटोशूट भी कराया।

सपा मुख्यालय में मनाया गया महाराजा सुहेलदेव का विजय दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव का विजय दिवस मनाया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने महाराजा सुहेल देव की वीरता को नमन किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि विजय दिवस संपूर्ण देश में वीरता के लिए विख्यात, चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव जी के इस संकल्प के साथ मना रहे हैं कि हम भविष्य में उत्तर प्रदेश की सरकार की तरफ़ से लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट पर उनकी दैदीप्यमान स्वर्णिम आभा प्रतिमा का निर्माण और एक भव्य समारोह में उनकी प्रतिमा का सर्व दर्शनार्थ सादर लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद नरेश उत्तम पटेल, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, डॉ. पीके राय, प्रदीप यादव, अतुल प्रधान, आशु मलिक, विधायकगण समेत अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी महाराजा सुहेल देव को नमन किया।

निर्वाचन आयोग को ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिएः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। भाजपा चुनाव में बेईमानी करती है। निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष चुनाव कराने की होती है। निर्वाचन आयोग को ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर है। अपराधी खुलेआम घटनाएं कर रहे है। दिन दहाड़े हत्यायें हो रही है। अपराधियों को सरकार का संरक्षण है। उपमुख्यमंत्री निर्दोशों पर फर्जी केस लगवाकर प्रताड़ित करा रहे है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की जुल्म ज्यादती के खिलाफ समाजवादी पार्टी हर स्तर पर लड़ रही है। समाजवादी पार्टी भाजपा की ज्यादती और जुल्म के खिलाफ सबसे ज्यादा आवाज उठाती है। पीड़ितों की मदद करती है। समाजवादी पार्टी प्रदेश की पीड़ित, दुखी जनता, किसान, नौजवान, पीडीए के साथ है। भाजपा पीडीए के साथ भेदभाव कर रही है। भाजपा सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी है। समाजवादी पार्टी पीडीए को न्याय और सामाजिक न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रही है। पीडीए की एकता से भाजपा घबराई हुई है। पीडीए की लड़ाई को मजबूत करके और ताकत देना है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। भाजपा ही केन्द्र सरकार ने 11 साल और प्रदेश सरकार ने आठ साल में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है। भाजपा ने समाज में नफरत फैलाया। भेदभाव किया। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया। अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। सरकारी सम्पत्तियों को निजी हाथों को बेच दिया। महंगाई बढ़ा दी। जनता से किया वादा पूरा नहीं किया। किसानों, नौजवानों से झूठ बोला। विपक्षी दलों के नेताओं को झूठे और फर्जी मुकदमों में फंसा कर प्रताड़ित किया। अखिलेश यादव ने कहा है कि इस सरकार में भ्रष्टाचार और लूट के सारे रिकार्ड टूट गये। जल जीवन मिशन भाजपा की लूट का मिशन बन गया। जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का भार नहीं शह पा रही है। पानी की टंकियां भरभरा कर गिर रही है। सरकार को बताना चाहिए की पानी की टंकियां लगातार क्यों गिर रही है।

विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोलती थी कांग्रेसः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बहराइच

● बहराइच को 1243 करोड़ की 384 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस, सपा व अन्य दलों पर निशाना साधते हुए पूछा कि इन लोगों ने क्या किया। महाराजा सुहेलदेव समेत अन्य महापुरुषों को पहले क्यों सम्मान नहीं मिल पाया। इनके नाम पर भव्य स्मारक, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय पहले क्यों नहीं बना, क्योंकि उन्हें वोटबैंक की चिंता थी। महापुरुषों का नाम रखने पर तुष्टिकरण की नीति फेल न हो जाए। मुस्लिम वोटबैंक के कारण वे लोग विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोलते थे। जब भाजपा देश-प्रदेश में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी। पीएम मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नाम पर सरदार पटेल की सबसे बड़ी प्रतिमा केवड़िया गुजरात में स्थापित कराई, तब समाजवादी पार्टी राष्ट्रतोड़क जिन्ना का गुणगान कर रही थी। जब हम लोग महाराजा सुहेलदेव के विजयोत्सव को मनाने की बात करते थे, तब सपा व कांग्रेस में होड़ लगती थी कि गाजी मियां का विवाह होना चाहिए। हमने कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन बंद और राष्ट्रनायकों का सम्मान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को चित्तौरा ब्लॉक के मसीहाबाद ग्रामसभा में महाराजा सुहेलदेव के विजयोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। सीएम ने 40 करोड़ से बने महाराजा सुहेलदेव स्मारक का उद्घाटन और महाराजा सुहेलदेव की कांस्य की 40 फिट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने 1243 करोड़ की 384 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी किया। सीएम ने यहां 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण भी किया। गाजी के नाम पर होने वाले आयोजनों को इस बार से पूरी तरह से बंद कराने वालों को सीएम ने धन्यवाद दिया। सीएम ने जयंती पर महाराजा बलभद्र सिंह को भी याद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि एक हजार वर्ष पहले महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांताओं को जवाब देने की मिसाल प्रस्तुत की थी, लेकिन इतिहास में उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। पीएम मोदी के विकास व विरासत के अभियान को बढ़ाते हुए भाजपा की डबल इंजन सरकार ने उन्हें सम्मान देने का संकल्प लिया था। इसी क्रम में बहराइच के मेडिकल कॉलेज का नाम महाराजा सुहेलदेव, हॉस्पिटल का नाम बालार्क ऋषि और आजमगढ़ के राज्य विवि का नामकरण भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा गया है। यह कार्यक्रम महापुरुषों के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहराइच का मुख्य आयोजन महाराजा सुहेलदेव, बालार्क ऋषि और इस मंडल का मुख्य आयोजन मां पाटेश्वरी के नाम पर होगा। किसी विदेशी आक्रांता के नाम पर नहीं। सीएम ने कहा कि गजनी से विदेशी आक्रांता तीन लाख की सेना को लेकर भारत को लूटने चला था, लेकिन महाराजा सुहेलदेव ने अपनी कूटनीति से मथुरा से लेकर बहराइच तक पग-पग पर उसके लिए बाधाएं खड़ी कीं। यहां पहुंचते-पहुंचते उसकी आधी सेना समाप्त हो चुकी थी। चित्तौरा में महाराजा सुहेलदेव के साथ 20-25 हजार वीर बांकुरों ने सालार मसूद के डेढ़ लाख आक्रांताओं को गाजर-मूली की तरह काटा। सालार मसूद को यहां जिंदा पकड़ लिया गया। उसे ऐसी सजा हुई, जो इस्लाम के अनुसार जहन्नुम में जाने की गारंटी देता है। सीएम ने भाजपा व सुभासपा के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहाकि सुबह से आपका उत्साह साबित करता है कि महाराजा सुहेलदेव का मेला होना चाहिए, सालार समूद का नहीं। पीएम मोदी के पंच प्रण का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि विरासत का सम्मान यानी महाराजा सुहेलदेव। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति यानी सालार मसूद के नाम पर होने वाले आयोजनों पर पूरी तरह से रोक, कानून का सम्मान- एक साथ इतनी भारी संख्या में शालीनता के साथ कानून का पालन और एकता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

बच्चों का कराया अन्नप्राशन लाभार्थियों को प्रदान किए चेक

मुख्यमंत्री ने प्रियंका, सुमित्रा, सावित्री, सीमा व रजनी के बच्चों का अन्नप्राशन कराया। इनके बच्चों का नाम महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थी कैलाश कुमार, चंद्रशेखर व प्रमोद कुमार को पांच-पांच लाख का चेक प्रदान किया।

बिहार के उप मुख्यमंत्री ने अयोध्या में किसानों से किया संवाद

विकसित कृषि संकल्प अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद निरंतर जारी है। 29 मई से प्रारंभ हुए अभियान के तहत 13 दिन में प्रदेश के 75 जनपदों में लगभग 8775 स्थानों पर जनप्रतिनिधियों/ कृषि वैज्ञानिकों, कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों के साथ लगभग 15,55,715 से अधिक किसानों ने संवाद किया। कार्यक्रम के प्रति कृषकों में काफी उत्साह है। मंगलवार को अयोध्या में बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शिरकत की। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत कराया।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज में कृषक गोष्ठी हुई। इसमें बिहार के उप मुख्यमंत्री/ कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किसानों से संवाद किया। उन्होंने सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र किया। गोष्ठी में विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों यथा मृदा परीक्षण, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, आईपीएम पद्धति, मलचिंग एवं सहफसली खेती से उत्पादन बढ़ाने आदि विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान कुलपति, अयोध्या मण्डल के संयुक्त कृषि निदेशक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं किसान उपस्थित रहे। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत मंगलवार को वाराणसी के मेहदीगंज, आरज़ी लाइंस में उप कृषि निदेशक शैलेन्द्र कुमार, उप कृषि निदेशक अमित जायसवाल, जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह मौर्य की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरकार द्वारा कृषि से संबंधित चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। उप कृषि निदेशक ने जल संचय एवं पौधरोपण पर किसानों को खास फोकस करने के लिए कहा। किसानों को खरीफ फसल उत्पादन तकनीक, डीएसआर विधि, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, मिलेट्स, प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना, एनएफएसएम योजना, कृषि यंत्रीकरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित सभी फसलों की उत्पादन तकनीक व अन्य सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। लखनऊ के विकास खण्ड चिनहट के ग्राम धतिंगरा में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषक-वैज्ञानिक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया।

विशाल संत समागम व सत्संग में आज शिरकत करेंगे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मुजफ्फरनगर के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास की 65वीं पुण्यतिथि और सतगुरु समनदास जी महाराज की स्मृति में होने वाले विशाल संत समागम व सत्संग में शिरकत करेंगे। यह आयोजन संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास आश्रम सतगुरु गद्दी शुक्रतीर्थ मुजफ्फरनगर में होगा। आयोजक महाराज गोवर्धन दास ने बताया कि स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास की 65वीं पुण्यतिथि पर सत्संग समागम का आयोजन किया गया है। स्वामी ज्ञान भिक्षुकदास महाराज ने जीवन भर समाज के उत्थान की अलख जगाई। उन्होंने शाकाहारी जीवन जीने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ बुधवार को यहां रहेंगे। संत द्वय की स्मृति में होने वाले कार्यक्रम को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। योगी सरकार शुक्रतीर्थ धाम के विकास को संकल्पित है। यहां के लिए सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। वर्तमान में टीएफसी व पार्किंग निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यहां गंगा घाट का उच्चीकरण, पार्किंग का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। शुक्रतीर्थ धाम में विभिन्न मुख्य मार्गों पर कलाकृतियों, लैंड स्केपिंग, म्यूरल व साइनेज आदि का निर्माण कराया जा रहा है। यह कार्य अक्टूबर तक पूर्ण होगा। पर्यटन विकास के तहत साउंड एंड लाइट शो कार्य भी यहां चल रहा है। शुक्रतीर्थ में श्रीमद्भागवत केंद्र का निर्माण कार्य भी योगी सरकार के निर्देशन में चल रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुदृढ़ीकरण की व्यापक कार्ययोजना तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मेडिकल वेस्ट के प्रबंधन के लिए स्थापित होगी विशेष सेल

उत्तर प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बनाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के ढांचे के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की व्यापक योजना तैयार की गई है। यह प्रस्ताव शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है, इसके लागू होने से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। साथ ही यूपीपीसीबी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से आवेदनों की शुल्क संरचना में भी बदलाव किया जाएगा। इसके अलावा यूपीपीसीबी की कार्य प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के लिए आईटी और एआई टेक्नालॉजी युक्त एक पोर्टल भी विकसित किया जाएगा। इस योजना के तहत कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जो प्रदेश में पर्यावरण प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हो रहे तीव्र विकास के चलते बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण प्रदूषण में भी वृद्धि हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसके विस्तारीकरण और सुदृढ़ीकरण की कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके तहत प्रदेश सभी मंडल मुख्यालयों और प्रमुख औद्योगिक जिलों में यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना की जाएगी। साथ ही, शेष जिलों में जिला-स्तरीय कार्यालय स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण की निगरानी और प्रबंधन को सुदृढ़ किया जा सके। इसके अतिरिक्त, ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट (एसटीपी और सीईटीपी), खतरनाक अपशिष्ट, ई-वेस्ट, और बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन के लिए अलग-अलग विशेष सेल का गठन प्रस्तावित है। इन सेलों के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाया जाएगा।

पर्यावरणीय अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए यूपीपीसीबी एक समर्पित सेल की स्थापना करेगी, जो प्रदूषण नियंत्रण की नवीन तकनीकों और समाधानों पर कार्य करेगी। साथ ही, पर्यावरणीय जन-जागरूकता और प्रकाशन के लिए भी एक नया सेल गठित होगा।

2000 करोड़ रुपए खर्च कर प्रदेश के 28830 चौराहों का होगा कायाकल्प

● लोकनिर्माण विभाग ने खाका किया तैयार, प्रदेश में 1,435 ब्लैक स्पॉट्स पर हुआ सुधार कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम कनेक्टिविटी युक्त प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में 2000 रुपए की धनराशि खर्च कर 28,830 चौराहों का कायाकल्प करेगी। सीएम योगी के निर्देशों को ध्यान में रखकर लोकनिर्माण विभाग द्वारा इस विषय में एक खाका तैयार किया गया है। इसके अनुसार, प्रदेश में वर्ष 2021 से 24 के बीच 1435 ब्लैक स्पॉट्स पर दीर्घकालिक व अल्पकालिक सुधार कार्यों को पूरा किया गया है। वहीं, प्रदेश में बड़े स्तर पर दो लेन से कम चौड़ाई वाले मार्गों को न्यूनतम दो लेन (पेव्ड शोल्डर युक्त) करने की तैयारी है जिससे पैदल यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही, 50 किमी से अधिक लंबाई वाले राज्यमार्गों पर ट्रक ले-बाई के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने की तैयारी है। इन सभी कार्यों के जरिए प्रदेश में रोड सेफ्टी को बढ़ावा देने और यातायात सुधार की प्रक्रिया में तेजी लायी जाएगी। लोकनिर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, ऐसे राज्य मार्ग जिनकी चौड़ाई 2 लेन से कम है या फिर दो लेन होने के बावजूद वहां पेव्ड शोल्डर कार्यों को पूरा नहीं किया गया है उसे पूरा करने पर योगी सरकार का फोकस है। प्रक्रिया के जरिए 748 करोड़ रुपए की लागत से 895 पेव्ड शोल्डर की चौड़ाई के कार्यों को पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी राज्यमार्ग कम से कम 2 लेन चौड़े तथा पेव्ड शोल्डर युक्त हों जिससे पैदल यात्रियों व साइकिल इत्यादि से चलने वाले राहगीरों की सुविधा व सुरक्षा में इजाफा होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत 50 किमी से अधिक लंबाई वाले राज्यमार्गों पर ट्रक ले-बाई के निर्माण कार्य को पूरा करने की तैयारी है।

झांसी को भविष्य के औद्योगिक केंद्र के रूप में किया जा रहा विकसितः मनोज सिंह

● मुख्य सचिव ने जीसीसी निवेश को बढ़ावा देने के लिए आयोजित उच्च-स्तरीय कॉन्क्लेव का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने राज्य की प्रमुख निवेश संवर्धन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी द्वारा ताज होटल, लखनऊ में उत्तर प्रदेश में जीसीसी निवेश को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक उच्च-स्तरीय कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। इस आयोजन में शीर्ष प्रौद्योगिकी उद्योग के नेता (लीडर्स), वैश्विक निवेशक, नीति निर्माता और बहुराष्ट्रीय निगम शामिल हुए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के जीसीसी पावरहाउस के रूप में उभरने पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उत्तर प्रदेश के गतिशील आर्थिक परिवर्तन को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में रेखांकित किया। मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उन्होंने राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों, आधुनिक बुनियादी ढांचे और अत्यधिक सक्रिय शासन को श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा जीसीसी हब के रूप में उभर रहे हैं, जबकि टियर-दो और टियर-तीन शहर भी गति पकड़ रहे हैं। बुंदेलखंड में झांसी को भविष्य के औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसे एक बड़े भूमि बैंक का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहनों और सहायक कारोबारी माहौल के कारण यूपी अब कार्यालय और औद्योगिक सेटअप के लिए शीर्ष विकल्पों में शामिल है। बुंदेलखंड में नोएडा जैसा शहर विकसित करने की योजना है, जो विकास को विकेंद्रित कर क्षेत्रीय प्रगति को बढ़ावा देगी। इन्वेस्ट यूपी की सराहना करते हुए उन्होंने हितधारकों से नीतियों में निरंतर सुधार के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। उन्होंने दिल्ली से दावोस तक यूपी की यात्रा देखी है।

डीएम ने की कर करेत्तर व राजस्व कार्यों की समीक्षा, दिए निर्देश

● कार्ययोजना बनाकर विभाग करें राजस्व वसूली: जिलाधिकारी

●लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाये निस्तारण

●सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को चिन्हित कर करें सख्त कार्यवाही ●आईजीआरएसए तहसील दिवस व सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में कर.करेत्तर व राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्टाम्प, आबकारी, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, वन, खनिज, बाट.माप आदि को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रतिमाह लक्ष्य की प्राप्ति करें, जिससे बैकलॉग की स्थिति न बने। डीएम द्वारा तहसीलवार राजस्व कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। डीएम द्वारा खतौनी व अन्य भूमि अभिलेखों के अद्यतन, नामांतरण, वरासत मामलों के त्वरित निस्तारण, राजस्व वसूली, विभिन्न धारा अंतर्गत वादों के निस्तारण आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी लंबित वरासत एवं नामांतरण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाय। डीएम ने राजस्व वादों के निस्तारण, स्टांप वाद आदि की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न धाराओं के अंतर्गत वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिये गये। डीएम ने आडिट आपत्तियों, बेदखली वाद का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि आईजीआरएस, तहसील दिवस व सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समयावधि में कराया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य में शिथिलता बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी। अंत में डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि आमजनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।

डीएम की उपस्थिति में ई ऑफिस के संचालन किए जाने के संबंध में ई डिस्टिक मैनेजर द्वारा संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। डीएम ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी, कर्मचारी प्रशिक्षण को भली भांति ग्रहण करें तथा पत्रावलियों को ई ऑफिस के माध्यम से ही भेजें। एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी ई ऑफिस का संचालन स्वयं करेंगे। ई डिस्टिक मैनेजर द्वारा ई ऑफिस से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। एडीएम प्रशासन अमित कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशान्त कुमार, आईजी स्टाम्प, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार आदि उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ महीने के आखिरी मॅगलवार को जगह-जगह आयोजित हुआ भण्डारा, शरबत का हुआ वितरण

लोगों को प्रसाद के रूप में सब्जी चावल वितरित करते चेयरमैन देवशरण कमल।

रसूलाबाद कानपुर देहात। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ज्येष्ठ माह के आखिरी मंगलवार को समाज सेवियों द्वारा जगह.जगह शरबत व भंडारे का आयोजन किया गया। तहसील क्षेत्र रसूलाबाद के कस्बा कहिंजरी बस स्टॉप स्थित पुलिस चौकी के बाहर जय भोले भंडारी सेवा समिति व पुलिस चौकी स्टॉप के द्वारा सब्जी.चावल का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय भाजपा नेता व रसूलाबाद चेयरमैन देवशरण कमल ने बताया कि ज्येष्ठ माह का आखिरी मंगल है। जिसके शुभ अवसर पर जय भोले भंडारी सेवा समिति के द्वारा राहगीरों को छोला चावल का वितरण किया गया जो कि बेहद पुनीत कार्य है। पवन पुत्र हनुमान हम सबका कल्याण करें। वहीं भंडारे से पहले सर्वप्रथम चौकी परिसर में स्थित मंदिर में बाबा बजरंगी का छोले.चावल का भोग लगाया गया।इसके बाद राहगीरों में छोले.चावल के प्रसाद का वितरण किया गया। ज्येष्ठ के चौथे मंगलवार को तीन दिनों तक शरबत का वितरण किया गया था। समाज सेवियों द्वारा वितरण किए गए छोले.चावल के प्रसाद को खाकर लोगों ने इस नेक काम की भूरि भूरि प्रशंसा की। लोगों ने बड़े ही श्रद्धा एवं भाव के साथ प्रसाद को ग्रहण किया। कमेटी अध्यक्ष कुंवर सिंह सेंगर एप्रबंधक रमाकांत शुक्ला, चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा, श्याम पाल सिंह सेंगर, हेड कांस्टेबल राजेश सिंह, कांस्टेबल अखंड प्रताप सिंह, मनीष शुक्ला, राघव बाजपेई, लोकेश यादव, राहुल शर्मा, हरि सिंह कमल, राजू गुप्ता, पुष्पेंद्र शुक्ला, सचिन गुप्ता, विष्णु बाजपेई, राहुल तोमर, नरसिंह चौहान, संजू मिश्रा, गुड्डू शुक्ला सहित कमेटी के सदस्य गण व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अकबरपुर में 12 जून को रोजगार मेले का होगा आयोजन

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भोगनीपुर प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने बताया कि दिनांक 12.06.2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अकबरपुर, कानपुर देहात में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में वर्ल्ड लार्जेस्ट टू व्हीलर कंपनी हीरो हरिद्वार प्लांट उत्तराखंड एवं केजीबीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पलवल आदि अधिष्ठान प्रतिभाग कर रहे है। रोजगार मेले में हाई स्कूल एवं आईटीआई (एनसीवीटी अथवा एससीवीटी) पास आउट लड़कों जिनकी उम्र 18 से 26 वर्ष हो तथा सत्र 2022, 2023 एवं 2024 के पास आउट हो जिनकी आईटीआई ट्रेड फिटर वेल्डर, मशीनिस्ट, टर्नर, मोटर मैकेनिक व्हीकल, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक के पास आउट के लिए तथा लड़कियों के लिए जो व्यवसाय फिटर वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट, टर्नर, पेंटर जनरल, मोटर मैकेनिक व्हीकल, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, मैके0 रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन, वायरमैन पीपीओ, कंप्यूटर ऑपरेटर में पास आउट है उनकी ;कंपनी हीरोद्ध मंथली स्टाइपेंड सीटीसी 23626.00 रुपए, इन हैंड स्टाइपेंड 16387.00 रुपए एवं (केजीबीएस इंडिया) स्टाइपेंड 17500.00 रुपए निर्धारित किया है। अभ्यर्थियों के लिए कंपनी की तरफसे कैंटीनए यूनिफॉर्म जूते एवं मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कम्पनीज में अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों तथा उनकी छाया प्रति के साथ दिनांक 12.06.2025 को प्रात: 10.30 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अकबरपुर, कानपुर देहात में प्रतिभाग कर अप्रेंटिसशिप/रोजगार मेले के इस अवसर का लाभ उठा सकते है।

खड़े डंपर से भिड़ी वैन तीन मजदूरों की मौत, आठ घायल

● मची चीख पुकार आरटीओ ने कई वाहनों का किया चालान

मौदह (हमीरपुर)। मंगलवार की सुबह कस्बा मौदहा के गल्ला मंडी के पास मारुति वैन सड़क के किनारे खडे ट्रक से टकरा गयी जिससे दस मजदूर घायल गये और तीन की दर्दनाक मौत हो गयी। पुलिस वआरटीओ ने वाहनों पर कार्यवाही करनी शुरु कर दी है। पुलिस के मुताबिक मजदूरों से भरी एक तेज रफ्तार वैन हाईवे किनारे डंपर से जा टकराई। वैन के टकराते ही उसमें सवार मजदूरों की चीख पुकार मच गई और मौके पर मौजूद लोग सभी को बचाने के लिए दौड़ पड़े। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन का अगला हिस्सा टूटकर अलग हो गया। जिससे चालक समेत अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। जिसमें दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक मजदूर की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी मरने वालों में अगांव पिपलौती कला निवासी 30 वर्षीय वैन चालक तालिब पुत्र मेंहदी हसन, 25 वर्षीय आकाश पुत्र रामेश्वर निवासी गांव गंगाचौली व हसनपुर निवासी कौशल तीनों थाना क्षेत्र मरोहा के थाना हसनुपर के व जिला अमरोहा के रहने वाले थे। वहीं आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वाले लोगों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। वहीं घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया। जहां से पांच घायलों की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें हैलट के लिये रेफर कर दिया गया है। हादसे की जानकारी मिलने पर मौदहा पुलिस समेत एआरटीओ प्रवर्तन अमिताभ राय ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया और आसपास सड़क किनारे खड़े एक दर्जन वालों का चालान भी किया गया। एआरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि वैन की स्पीड करीब 80 किमी प्रति घंटा रही होगी। वैन की स्थिति सही थी यदि जर्जर वाहन होता तो मरने वालों की संख्या और अधिक हो सकती थी। वहीं जिला अस्पताल लाया गया। जहां से गौरव व विवेक को छोड़कर पांच घायलों को कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

हादसे में यह लोग हुए घायल

खड़े डंपर से मजदूरों से भरी वैन टकराने में दो अज्ञात लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा उसमें सवार जनपद अमरोहा के थाना हसनपुर के गागाचौली गांव निवासी 38 वर्षीय नन्हे पुत्र अनंतराम पिपरौधी कला निवासी 17 वर्षीय गौरव पुत्र मूलचंद्र गगाचौली निवासी विनय पुत्र देवेंद्रए बड़ा हसनपुर निवासी रामबहादुर पुत्र हरपाल हसनपुर निवासी 18 वर्षीय विवेक पुत्र देवेंद्र व पिपरौधी कला निवासी 21 वर्षीय सद्दाम पुत्र कलुआ समेत दो अज्ञात गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। जहां से पांच को कानपुर रेफर कर दिया गया है।

रिपोर्ट लिखकर आरोपी की तलाश शुरु की

मौदहा, हमीरपुर। अवैध तमंचे से पत्नी के ऊपर गोली मारने को लेकर आरोपी के पिता ने सोमवार देर शाम कोतवाली में तहरीर देकर अपने पुत्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी के विरोध मुकदमा पंजीकृत कर तलाश शुरू कर दिया। टिकरी गांव निवासी संग्राम सिंह ने पत्नी पूनम के ऊपर नजायज तमंचे से फायर झोक दिया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई से पड़ोसियों की मदद से उपचार के लिए बांदा के एक प्राइवेट अस्पताल मे ले जाया गया था आरोपी के विरोध पिता नाथू सिंह टिकरी निवासी ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि पुत्र संग्राम सिंह पत्नी के चरित्र पर शक करता है और आए दिन पत्नी से विवाद करता रहता है सोमवार की दोपहर बहु पूनम से विवाद कर अवैध तमंचे से गोली दी। पत्नी जिंदगी और मौत से अस्पताल बांदा में जूझ रही है, कोतवाली पुलिस ने जान से मारने के प्रयास करने का मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दिया।

क्विक न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

राठ (हमीरपुर)। चरखारी रोड स्थित गोहानी गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत हो गई। साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है। महोबा के चरखारी निवासी पुष्पेंद्र द्विवेदी ने बताया कि 22 वर्षीय मौसेरे भाई आलोक द्विवेदी सोमवार को गांव निवासी साथी राजू के साथ किसी काम से राठ आये थे। देर रात दोनों साथी अपाचे बाइक से घर लौट रहे थे। तभी कोतवाली के गोहानी गांव के पास सामने से आ रहे वाहन की लाइट की चकाचौंध में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बिजली खंभे से टकरा गई। दोनों बाइक सवार घायल हो गये। जब राजू को होश आया तब फोन पर जानकारी दी। आनन फानन में घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर मजीद ने आलोक को मृत घोषित कर दिया। पुष्पेंद्र ने बताया कि आलोक के पिता संतोष चरखारी में होमगार्ड है और आलोक कक्षा 12 का छात्र था। पिता के साथ खेती.बाड़ी करता था। मृतक अपने पीछे बड़े भाई रोहित, बहन निधि को रोते हुए छोड़ गया है। आलोक ने चार दिन पहले ही अपाचे बाइक खरीदी थी। परिजनों ने बगैरपोस्टमार्टम कराये ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक की कटकर मौत

सुमेरपुर। मंगलवार शाम करीब 5 बजे एक अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवा दिया गया। थाना क्षेत्र के एसआई सुरेंद्र यादव ने बताया कि घटना रेलवे स्टेशन से देवगांव की ओर स्थित पोल संख्या 37 व 39 के बीच की है। वहां एक युवक का शव क्षत.विक्षत अवस्था में मिला है, जो संभवत: ट्रेन की चपेट में आने से मारा गया। युवक की पहचान कराने की कोशिश की गई, सफलता नहीं मिली। मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज भी नहीं मिला जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पहचान कराने की प्रक्रिया जारी है।

जिला अस्पताल में रक्त की कमी के चलते लगाया शिविर

फतेहपुर। जिला अस्पताल रक्तकेंद्र में रक्त की कमी के चलते इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के तत्वावधान में चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल रक्तकेंद्र में किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सदर अर्चना अग्निहोत्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रगति मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रभाकांत सिंह ने फीता काटकर किया। सभी रक्तदानियों को उपजिलाधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदानियों में प्रगति मिश्रा दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, नवल किशोर, सुधांशु श्रीवास्तव, अतुल कुमार गुप्ता, रोहित अग्रहरि, सतेंद्र कुमार, सुशील कुमार सिंह पत्रकार सहित 07 लोग रहे।

प्रतिबंध के बावजूद हो रहा मत्स्य आखेट, दो डूबे, एक की मौत

असोथर (फतेहपुर)। प्रजनन अवधि के चलते शासन-प्रशासन द्वारा विगत एक जून से मत्स्य आखेट पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है, किन्तु मछली मफ़िया मत्स्य आखेट बदस्तूर करवा रहे हैं। प्रतिबंध के बावजूद असोथर थाना क्षेत्र में बिहारियों द्वारा धड़ल्ले से मत्स्य आखेट किया जा रहा है। आज मत्स्य आखेट करने के दौरान एक शिकारी डूब गया जिसका नाम राजू बिहारी बताया जा रहा है। गोताख़ोर उसका शव ढूँढने में जुटे हुए हैं साथ में डूबे एक अन्य शिकारी को रमशोलेपूर के ग्रामीणों ने किसी तरह बचा लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मत्स्य आखेट पर प्रतिबंध का कड़ाई से अनुपालन करवाने और जबरन आखेट करने और करवाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

चाइना मांझे से एक बाइक सवार तथा एक गाय हुए घायल

संडीला (हरदोई)। पतंग में हार.जीत की बाज़ी लगाकर जुएं और सट्टे की नई विधा का विकास करने वालों ने पुलिस की सख्ती के बावजूद मैदान बदलकर अपना कार्य पुनः शुरू कर दिया। बीते रविवार को हुई पतंगबाज़ी में एक बाइक सवार हल्का फुलका घायल होकर बाल.बाल बच गया जबकि एक गाय का कूबड़ चाईनीज़ मांझे से बुरी तरह कट गया। नगर के कुछ जुआंरी और सटोरियों ने पतंग में हार.जीत और ज़्यादा पेंच काटने को लेकर जुएं और सट्टे का खेल शुरू किया है। लगभग 20 दिन पूर्व तक इसी प्रकार के मुकाबले ग्राम आलमपुर तथा बेनीगंज रोड पर लोनी ड्रेन के पीछे के मैदान में चल रहे थे। इनमें लखनऊ, उन्नाव तथा कानपुर आदि के लोग टीम बनाकर संडीला के कुछ लोगों द्वारा बुलाए जाते थे, लेकिन जब चाइना मांझे के कारण इन मुकाबलों में कई लोग घायल हो गए तथा न जाने कितने निरीह प्राणियों की जान चली गयीए तब लोगों ने आवाज़ उठाई और यह कार्यक्रम थोड़े समय के लिए बंद हो गयाए लेकिन यह सटोरिये और जुआंड़ी कहां मानने वाले थेघ् इन्होनें उन स्थानों को बदल दिया। विगत 8 जून को नगर के कुछ शातिर लोगों ने कानपुर की एक पतंग की टीम को बुलाया और ग्राम गोगावां के पास के मैदानए जिसके पास ही वन क्षेत्र हैए पतंगबाजी का मुकाबला शुरू करा दिया।

बर्ड फ्लू से निपटने की तैयारी कर लें विभागीय अधिकारी: सीडीओ

फतेहपुर। सीडीओ पवन कुमार मीना की अध्यक्षता में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) से उत्पन्न होने वाली किसी अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, सूचना विभाग, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, वन विभाग एवं पशु पालन विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बर्ड फ्लू से होने वाली किसी भी संभावित स्थिति से निपटने हेतु अपनी तैयारी कर लें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने अवगत कराया कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अनुदानित/गैर अनुदानित पोल्ट्री फार्मों में पशुपालन विभाग की टीम द्वारा बर्ड फ्लू की जांच हेतु सैम्पल कैडरैड प्रयोगशाला आई–वी–आर–ए बरेली नियमित रूप से भेजे जा रहे हैं।

मनोनाधाम से आ रही प्राइवेट बस पलटी एक की मौत, 17 लोग गंभीर घायल

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत शाहजहांपुर रोड गोकन बारेंच्छा गांव के पास मंगलवार की सुबह एक प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें करीब 40 लोग सवार थे इसमें एक महिला की मृत्यु हो गई है। जानकारी के अनुसार बरेली मनोना धाम से वापस निघासन आ रही एक प्राइवेट बस शाहजहांपुर रोड गोकन बारेंच्छा के पास मंगलवार की सुबह करीब 3.30 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अमले सहित स्वास्थ्य विभाग की इमरजेंसी सेवा में लगी एम्बुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान कंचन लता तिवारी (44) पत्नी अशोक तिवारी निवासी धौरहरा की मृत्यु हो गईए वहीं बस में सवार करीब 40 यात्री घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए पहले सीएचसी मोहम्मदी में भर्ती कराया गया, बाद में गम्भीर रुप से घायल मरीजों को जिला अस्पताल मोतीपुर ओयल रेफर कर दिया गया, इनमें 17 यात्री गंभीर रूप से घायल थे। जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, इनमें देशराज, चुन्एना रामरतन, पिंटू, संगीता, दुलारी देवी, कलावती, सुखराम आदि नाम शामिल हैं। डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर 102.10 8 कैलाश बिष्ट ने बताया कि घटना की सूचना के बाद तत्परता दिखाते हुए 102 व 108 की आठ गाड़ियां अलग.अलग स्थान से घटना स्थल पहुंची, ईएमटी द्वारा प्राथमिक उपचार तत्काल शुरू कर दिया गया। जहां से सभी घायलों को सीएचसी मोहम्मदी लाया गया, जहां से 17 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया।

भंडारा में शामिल हुए नेता विरोधी दल माता प्रसाद

● भाजपा की कमियों का किया बखान, दिये चुनाव में जुटनें के निर्देश

विधानसभा नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय का स्वागत करते सपाई।

कन्नौज। जुमलों की सरकार ने केबल देश और प्रदेश की सरकार को केबल गुमराह करने का काम किया है। जबकि कुछ बदलाव को छोड़कर स्थित केबल ढाक के तीन पात वाली है। कहा कि वर्तमान सरकार 11 साल पूरे होने की उपलब्धियां गिना रहा है, और हम उनकी कमियां गिना रहे हैं। यह बात मंगलवार को विधानसभा नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने मकरंदनगर में सपा नेता जय कुमार तिवारी बउअन के पेट्रोल पंप पर आयोजित एक भंडारा कार्यक्रम में परसाद ग्रहण करनें के उपरान्त कही। कहा कि किसानों के हित में जो कदम स्व. नेता मुलायम सिंह ने उठाये, वो किसी ने करने की तो दूर सोची तक नहीं। आज पूरे देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोल बाला है, महंगाई की मार से आम तो दूर खास जनमानस तक प्रभावित है। बिकास कार्यों में धांधली खुलेआम चल रही है।कमीशनखोरी तो हर सरकारी योजना में आम बात है। नेता विरोधी दल का कहना था कि, आगामी वर्ष 2027 का चुनाव सपा बेरोजगारी, सामाजिक समरसता, और सबका विकास के मुद्दे पर लड़ेगी। प्रदेश सरकार पर भी भ्रष्टाचार पर लिप्त होने का आरोप लगाकर हर सरकारी योजना में पैसों का बंदरबांट होने की बात भी माता प्रसाद ने कही। जिला पंचायत कन्नौज द्वारा हंसेरन में सड़क तोड़कर नाला बनाने के मामले को भी विधानसभा में उठाने की बात कही। सरकार बनने पर जिला पंचायत सहित सभी भ्रष्टाचारी विभागों की जांच कराए जाने की बात भी माता प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में सपा की सरकार बनने पर सभी अधूरी परियोजनाएं और विकास कार्य पूरे कराये जाएंगे।

कमिश्नर ने किया जिलाधिकारी वार रूम का लोकार्पण

● डीएम वार रूम: अब हर शिकायत पर होगी सीधी नज़र, हर गतिविधि होगी रिकॉर्ड

लखीमपुर खीरी। जिले के प्रशासनिक तंत्र ने आधुनिक तकनीक और जनहित की भावना को समेटते हुए एक नई पहल की है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ष्डीएम वार रूमष् न केवल एक निगरानी केंद्र हैए बल्कि यह पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित शिकायत निस्तारण का आधुनिक मॉडल बनकर उभरा है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित डीएम वार रूम का मंगलवार को लखनऊ मंडल की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के साथ लोकार्पण किया। सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी मौजूद रहे। आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि यह वार रूम जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और त्वरित क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कमिश्नर को वार रूम की कार्यप्रणालीए कैमरा नेटवर्कए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और मॉनिटरिंग सिस्टम की विस्तृत जानकारी दी। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि इस वार रूम के माध्यम से अब कलेक्ट्रेट की हर गतिविधि पर नजर रहेगी और आमजन की शिकायतों का समाधान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। डीएम वार रूम जनपद का इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम है, जो प्रशासनिक निगरानी, शिकायत समाधान और पारदर्शिता का केंद्र बनकर कार्य करेगा। यह तकनीक और जवाबदेही का आधुनिक संगम है। इसका प्रभारी ई.डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अनुज वर्मा को बनाया गया है।

कलेक्ट्रेट परिसर पर अब हाईटेक निगरानी

जिला प्रशासन लखीमपुर खीरी ने कलेक्ट्रेट परिसर को हाईटेक निगरानी तंत्र से लैस कर दिया है। अब यहां की हर गतिविधि पर 32 सीसीटीवी कैमरे नजर रखेंगे। यह पूरा सिस्टम सीधे डीएम वार रूम से जुड़ा हैए जिससे किसी भी अव्यवस्थाए लापरवाही या संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी।

डीएम वार रूम से जुड़ें पाएं त्वरित समाधान

अब आमजन अपनी शिकायतें सीधे डीएम वार रूम में दर्ज करवा सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 05872.298002 ? जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। दर्ज की गई शिकायत वार रूम में डिजिटल माध्यम से रिकॉर्ड होती है और संबंधित विभाग को त्वरित कार्यवाही हेतु भेजी जाती है। डीएम वार रूम न केवल शिकायतों के निस्तारण की निगरानी करता है, बल्कि सीसीटीवी नेटवर्क के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पर सतत नजर भी रखी जाती है। यह व्यवस्था प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसुविधा की दिशा में एक अहम कदम है।

समर कैंप कमाल का कैंप का शानदार आयोजन

ढखेरवा खीरी। गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मकता और आनंद से भरने के लिए पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय दुलही, रमियाबेहड में समर कैंप, कमाल का कैंप का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर दिनांक 21 मई से आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस विशेष समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना था। शिविर में विभिन्न गतिविधियाँ जैसे चित्रकला, संगीत, नृत्य, योग, ड्रामा, साइंस फन, हस्तशिल्प, स्पोर्ट्स गेम्स और व्यक्तित्व विकास सत्र आयोजित किए गए। बच्चों ने न केवल नई चीज़ें सीखीं, बल्कि आत्मविश्वास और सहयोग की भावना का भी विकास किया। टैलेंट शो में बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। फन एंड लर्न वर्कशॉप में बच्चों ने साइंस एक्सपेरिमेंट्स, कंप्यूटर और लर्निंग बाय डूइंग के अंतर्गत बच्चों द्वारा सॉफ्ट टॉयज एबेकार वस्तुओं से खिलौने बनाना, लस्सी, चावल, चाय, पॉपकॉर्न, फिंगर चिप्स बनाना, हाइड्रोपोनिक्स खेती, ईको क्लब की विभिन्न गतिविधियों को भी शामिल किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी फूलचंद जी के द्वारा तथा खंड विकास अधिकारी श्रद्धा गुप्ता जी के द्वारा समर कैंप का निरीक्षण, अनुश्रवण किया। दोनों अधिकारी विद्यालय में की गई व्यवस्थाओं से बहुत संतुष्ट रहे और कैंप में सहयोग करने के लिए अनुदेशक केशवराम, कपिल कुमार मौर्य तथा प्रधान अध्यापक ओमप्रकाश की भूरि भूरि प्रशंसा कीए जो स्वयं भी स्वत: प्रेरित होकर कैंप की सभी गतिविधियों में निरंतर सहयोग करते रहे। बच्चों को आर्ट, क्राफ्ट, चित्रकला, कंप्यूटर, खेल, विज्ञान के प्रयोग इनके द्वारा ही बच्चों को सिखाए गए। कैंप के दौरान बच्चों को हीट वेव और आपदा से बचने के विभिन्न उपाय को भी प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। बच्चों को गर्मी और आपदाओं से बचने के लिए विद्यालय स्तर पर पानी व शासन द्वारा निर्धारित सभी व्यवस्थाएं भी प्रधान अध्यापक एवं स्टाफके सहयोग से किया गया। इस समर कैंप में पुरातन छात्रों के द्वारा सहयोग किया गया। प्रमुख रूप से सत्यवान राजपूत, बिट्टू देवी राजपूत, शिवांगी यादव, नैंसी चक्रवर्ती, सोनी यादव, जितिन कुमार आदि के साथ साथ एजुकेट गर्ल संस्था की रमा सिंह द्वारा भी सहयोग किया गया। समय.समय पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शर्मा अशफाक खान तथा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष के द्वारा भी बच्चों को बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक, मिठाई आदि अपनी तरफ से भी उपलब्ध कराए। ग्राम के अन्य व्यक्तियों द्वारा विद्यालय स्टाफके समर्पण तथा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए गए, प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश ने कहा, हमारा उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई से परे कौशल विकसित करने और उनकी रचनात्मकता को मंच देना था, जो इस शिविर के माध्यम से पूरी तरह सफल रहा। समर कैंप, कमाल का कैंप ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और दिलों में आत्मविश्वास भर दिया। यह आयोजन निश्चित ही सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 11 जून, 2025

तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को बंगाल में बसने में मदद कर रही है: यादव

भाषा। कोलकाता

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर सीमा पार से घुसपैठियों को राज्य में बसने में मदद करने का आरोप लगाया। यादव ने यह भी आरोप लगाया कि 2011 में ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में महिलाओं पर हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यह बात नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, राज्य सरकार विदेशी नागरिकों के निर्वासन में सहयोग नहीं कर रही है। उल्टा, तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को इस देश का निवासी बनाने में मदद कर रही है। राज्य सरकार की तुष्टीकरण

की नीति के कारण अपराध की घटनाएं चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लेकिन बंग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए राज्य अपना काम नहीं कर रहा। संबंधित कानूनों को लागू करने की आवश्यकता है, लेकिन राजनीतिक कारणों से ऐसा नहीं किया जा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है, तो यादव ने कहा, निर्वाचन आयोग किसी भी पार्टी द्वारा धांधली के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। ऑपरेशन सिंदूर नाम को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के एक वर्ग द्वारा की गई कथित प्रतिकूल टिप्पणियों के बारे में उन्होंने कहा कि देश की पश्चिमी सीमा के उस पार स्थित आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमले हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया ने भारतीय सेना की शक्ति देखी है। तृणमूल कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के नेता पाकिस्तान से फैल रहे आतंकवाद के खिलाफ सरकार के वैश्विक अभियान के तहत विभिन्न देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों में शामिल थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अब अगर वह (ममता बनर्जी) कहती हैं कि उन्हें ऑपरेशन सिंदूर नाम पसंद नहीं है, तो यह बेहद अफसोस की बात है। ऐसी चीजों को राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा और अन्य विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोपों के बारे में पूछे गए सवाल पर यादव ने कहा कि इन घटनाओं के अलावा आम लोगों पर हमलों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, मुर्शिदाबाद के बारे में सोचिए, मालदा के बारे में सोचिए, संदेशखालि के बारे में सोचिए। यह राष्ट्रीय शर्म की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री की अगुवाई वाली सरकार ने उस समय आंखें मूंद लीं, जब महिलाओं को इन स्थानों पर क्रूरता और अत्याचार का सामना करना पड़ रहा था। अप्रैल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में मुर्शिदाबाद जिले के कई हिस्सों में हिंसा हुई थी और कई परिवार पड़ोसी मालदा जिले में भाग गए थे।

सरकार का 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य: सेठ

शिमला। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने 2029 तक रक्षा क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए के निर्यात का लक्ष्य रखा है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले दुनिया भारत को एक आयातक के रूप में देखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के कारण, देश कम-से-कम 92 देशों को रक्षा सामग्री भेजकर एक प्रमुख निर्यातक बन गया है। सेठ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 27 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से उबारा है और दैनिक लेनदेन के लिए डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि लगभग हर गांव को सड़कों से जोड़ा गया है, और मौजूदा सरकार के तहत देश भर में प्रतिदिन 34 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद 90 प्रतिशत तक समाप्त हो चुका है, क्योंकि लोगों को रोजगार, मुद्रा लोन और स्टार्टअप के अवसर दिए जा रहे हैं।

कालानमक चावल के लिए शोध केंद्र स्थापित करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार मशहूर कालानमक चावल के लिए अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के साथ साझेदारी मे एक शोध केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने मंगलवार को यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि इसके पीछे मकसद इस सुगंधित चावल के उत्पादन और निर्यात को प्रोत्साहन देना है। नंदी ने कहा कि सिद्धार्थनगर जिले मे स्थापित होने वाा यह शोध केंद्र कालानमक चावल की कीट प्रतिरोधी किस्मो को विकसित करने और विशेष चावल के लिए बीज की गुणवत्ता मे सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। अपने खास स्वाद के लिए मशहूर चावल की इस किस्म की खेती 600 ईसा पूर्व से की जाती रही है और इसे प्रतिष्ठित भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग भी मिला हुआ है। घरेलू बाजारों मे यह चावल 250-300 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाता है, जो चावल की आम किस्मो की तुलना मे काफी अधिक है। नंदी ने कहा, हम यह केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया मे है। इसका उद्देश्य कालानमक चावल की खेती का रकबा बढ़ाना और उसके निर्यात को प्रोत्साहन देना है। राज्य सरकार ने अगले महीने से शुरू होने वाले 2025-26 खरीफ सत्र में खेती के क्षेत्र को 82,000 हेक्टेयर से बढ़ाकर 1,00,000 हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है, क्योकि काले छिलके वाले इस अनाज की मांग बढ़ रही है। कालानमक मे नियमित चावल की किस्मो की तुलना मे उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री होती है।

ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को बताया कि लोगो का अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा तय करने का एकमात्र मानदंड पिछड़ापन है। बनर्जी ने कहा कि कुछ लोगो द्वारा सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी मे शामिल करने के निर्णय मे धर्म का कोई संबंध नही है। उन्होने कहा कि राज्य मे ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए एकमात्र मानदंड पिछड़ापन है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा गठित एक आयोग इस श्रेणी मे शामिल करने के लिए 50 नए उपवर्गों पर एक सर्वेक्षण कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी-ए श्रेणियो के तहत 49 उपवर्गों और ओबीसी-बी श्रेणियो के तहत 91 उपवर्गों को शामिल किया गया है। उन्होने कहा कि अधिक पिछड़े वर्ग के लोगो को ओबीसी-ए के तहत शामिल किया गया है, जबकि कम पिछड़े लोग ओबीसी-बी के तहत आते है। मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट सदन के पटल पर रखने के बाद सदन को संबोधित किया। बनर्जी ने कहा कि सभी समावेशन व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षण और आयोग की सिफारिशो के आधार पर किए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 मई, 2024 के आदेश ने पश्चिम बंगाल मे 2010 से प्रदान किए गए कई श्रेणियो के ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उक्त आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय मे अपील की है। बनर्जी ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने ओबीसी सूची मे शामिल करने के लिए शीर्ष अदालत की अनुमति से काम करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार, राज्य मे ओबीसी श्रेणी मे शामिल करने के उद्देश्य से एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी की गई थी। बनर्जी ने कहा कि ओबीसी श्रेणी की सूची बनाने का काम पूरा होने के बाद, राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानो मे भर्ती प्रक्रिया फिर से शुरू की जा सकती है। उन्होने कहा, राज्य सरकार ने सभी समावेशन केवल पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश पर किए हैं।

एनजीटी ने उप्र शासन की खिंचाई की, मुख्य सचिव को कार्रवाई करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने क्रोमियम संदूषण से जूझ रहे गांवो की समस्याओ के समाधान के लिए गंभीर प्रयास न करने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की खिंचाई करते हुए राज्य के मुख्य सचिव को उचित उपचारात्मक उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कानपुर देहात के रनिया, कानपुर नगर के राखी मंडी और फतेहपुर जिले मे क्रोमियम डंप (क्रोमियम संबंधी अपशिष्ट के ढ़ेर) के मामले मे, अधिकरण प्रभावित गांवो के निवासियो को पीने योग्य पानी और अन्य उद्देश्यों की आपूर्ति के मुद्दे पर विचार कर रहा है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने सत्ताईस मई के आदेश मे स्थानीय लोगों के समक्ष आ रही समस्याओं पर न्यायमित्र वकील कात्यायनी द्वारा प्रस्तुत किए गए तर्कों पर गौर किया। इन समस्याओ मे पेय और गैर-पेय प्रयोजनों के लिए अपर्याप्त जलापूर्ति, कूड़े के ढेरो से प्रदूषण का फैलना, खून की जांच करने पर फतेहपुर जिले के गोधरौली गांव के लोगो मे क्रोमियम और पारा जैसे भारी धातुओ की उपस्थिति के कारण असामान्यताएं नजर आना और जिला या गांव स्तर पर जांच सुविधाओं की कमी आदि शामिल है। एनजीटी ने कहा, निवासियो के समक्ष मौजूद समस्या के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। हम पाते है कि अभी तक गंभीर प्रयास नही किए गए है और यहां तक कि पर्याप्त न्यूनतम जल आपूर्ति की व्यवस्था भी नही की गई है। हमारे विचार से अधिकारियों को इन गांवों के निवासियो की आवश्यकता और समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए तथा उन्हे तत्काल, प्रभावी और सुधारात्मक उपाय करने चाहिए। राज्य के अधिकारियों के आचरण की निंदा करते हुए अधिकरण ने कहा कि शायद वे अब तक मामले की गंभीरता को नही समझ पाए है। परिणामस्वरूप, राज्य के मुख्य सचिव को इस मुद्दे की जांच करने और गांवों के निवासियो को कम से कम आवश्यक स्वच्छ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा उचित उपचारात्मक उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई एक जुलाई को होगी।

कुशीनगर में नाबालिग लड़की का अपहरण कर धर्मांतरण व दुष्कर्म, चार आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले मे एक नाबालिग किशोरी का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इस मामले मे चार आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया गया है।पुलिस के मुताबिक किशोरी को बंधक बनाकर रखने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया गया, जिसमे चार आरोपियो मे से एक महिला ने भी मदद की।पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को मेराज अपने साथियो सेराज, मेरुद्दीन उर्फ मेराजुद्दीन अंसारी और हसीना खातून के साथ मिलकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। कुशीनगर पुलिस के अनुसार, लड़की की मां की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने तुरंत एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच के आदेश दिए।पुलिस के मुताबिक विशुनपुरा थाना मे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137 (दो) (अपहरण), 64 (बलात्कार), 351 (दो) (आपराधिक धमकी) और पाक्सो अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपी ने नाबालिग लड़की को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया और मुख्य आरोपी मेराज ने उसका यौन उत्पीड़न किया।पुलिस ने बताया कि मंगलवार को पुलिस की टीम ने चारो संदिग्धो को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले मे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 (शादी के लिए मजबूर करने के लिए अपहरण) और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धारा 3I5(1) के तहत अतिरिक्त आरोप जोड़े गए है। विशुनपुरा थाने के प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह यादव ने बताया कि आरोपी मेराज ने अपने साथियो सेराज, मेरुद्दीन उर्फ मेराजुद्दीन अंसारी और हसीना खातून के साथ मिलकर शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी का अपहरण कर उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया और मारपीट भी की।

पीएम मोदी ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख से अवगत कराने के लिए विश्व की राजधानियों की यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मंगलवार शाम मुलाकात की। सदस्यों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। केंद्र सरकार पहले ही 50 से अधिक व्यक्तियों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों के कार्य की प्रशंसा कर चुकी है, जिनमें अधिकतर वर्तमान सांसद हैं। पूर्व सांसद और पूर्व राजनयिक भी इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा थे, जिन्होंने 33 विदेशी राजधानियों और यूरोपीय संघ का दौरा किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही प्रतिनिधिमंडलों से मिल चुके हैं और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को व्यक्त करने में उनके प्रयासों की सराहना कर चुके हैं। चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें भाजपा के दो, जद (यू) के एक और शिवसेना के एक सांसद शामिल थे, जबकि तीन का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया जिनमें कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (एसपी) के एक-एक सांसद शामिल थे। भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जद (यू) के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे थे, जिनमें कांग्रेस सांसद शशि थरूर और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग विदेशों में भारत के हितों की पैरवी करने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के साथ थे। प्रतिनिधिमंडलों में प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद और सलमान खुर्शीद शामिल थे।

तमिलनाडु से हासन और पांच अन्य के निर्विरोध निर्वाचित होने की है संभावना

भाषा। चेन्नई

राज्यसभा चुनाव:

अभिनेता-नेता कमल हासन और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तीन प्रत्याशियों समेत पांच अन्य के नामांकन पत्र मंगलवार को स्वीकार कर लिए जाने के साथ ही राज्यसभा के लिए उनका निर्विरोध निर्वाचित होना तय है।विधानसभा सचिवालय के निर्वाचन अधिकारीअतिरिक्त सचिव के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मक्कल नीति मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक हासन, द्रमुक के पी विल्सन, एस आर शिवलिंगम और राजथी तथा आईएस इनबादुरई और एम धनपाल (दोनों अन्नाद्रमुक) के नामांकन पत्र मंगलवार को जांच के लिए लिए गए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जांच के बाद उन्हें स्वीकृत घोषित कर दिया गया है। सात निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन खारिज कर दिए गए। इन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र स्वीकार होने के साथ ही अब उनका राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना तय है। विल्सन लगातार एक कार्यकाल के लिए राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि हासन की उच्च सदन में यह पहली पारी होगी। हासन ने कोयंबटूर दक्षिण सीट से 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गए थे। भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख वनथी श्रीनिवासन ने उन्हें हराया था। हासन पिछले साल द्रमुक के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हुए थे। द्रमुक के सहयोगी के रूप में, हासन के नेतृत्व वाली एमएनएम को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच बनी सहमति के अनुसार राज्यसभा की एक सीट आवंटित की गई। हासन ने पिछले साल के संसदीय चुनाव में द्रमुक गठबंधन के लिए प्रचार किया था। द्रमुक की सहयोगी एमडीएमके के शीर्ष नेता वाइको और पीएमके के अंबुमणि रामदास समेत तमिलनाडु के छह राज्यसभा सदस्य 24 जुलाई, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। निर्वाचन आयोग ने पिछले महीने तमिलनाडु से उच्च सदन के लिए चुनाव की घोषणा की थी।

भारत, ईएफटीए व्यापार समझौता साझेदारी में स्थिरता और भरोसा लाएगा: गोयल

भाषा। बर्न (स्विट्जरलैंड)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय संघ ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों क्षेत्रों में कारोबार में स्थिरता तथा भरोसा लाएगा। उन्होंने कहा कि भारत जहां विशाल बाजार और कुशल पेशेवर उपलब्ध कराता है, वहीं स्विट्जरलैंड में उन्नत विनिर्माण क्षमताएं हैं। दोनों पक्षों ने 10 मार्च 2024 को व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्ष में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट्स और तराशे गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिश्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। गोयल ने यहां दोनों क्षेत्रों के कारोबारियों को संबोधित करते हुए कहा, यह समझौता साझेदारी में स्थिरता, पूर्वानुमेयता और निरंतरता प्रदान करेगा। इस समझौते के अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत ने समझौते को लागू करने संबंधी तथा सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर ली है। मंत्री ने दोनों पक्षों की कंपनियों से इस संबंध का लाभ उठाने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने के लिए पारस्परिक प्रणाली का भी सुझाव दिया।

वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कारिडोर प्रस्ताव को मंजूरी

भाषा। मथुरा (उप्र)

मथुरा-वृंदावन नगर निगम ने राज्य सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप वृंदावन में ऐतिहासिक ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के चारों ओर लगभग पांच एकड़ में कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव पारित किया है।मथुरा-वृन्दावन नगर निगम की बैठक में सोमवार को वृंदावन में ठा. बांके बिहारी मंदिर के आसपास करीब पाँच एकड के दायरे में कॉरिडोर बनाए जाने का प्रस्ताव भारी हंगामे के बीच पारित हो गया।भाजपा से जुडे पार्षदों ने सरकार की योजना का समर्थन किया जबकि विपक्षी पार्षद विरोध दर्ज कराते रहे।बैठक में महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जगप्रवेश समेत सभी वार्डों के पार्षद मौजूद रहे।महापौर अग्रवाल ने कहा कि बिहारी जी के दर्शन के लिए हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए सरकार उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार कॉरिडोर का निर्माण कराना चाहती है। महापौर की इस बात पर भाजपा व सहयोगी पार्षद तो बांके बिहारी लाल की जय के जयकारे लगाने लगे जबकि बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र से कांग्रेस पार्षद घनश्याम चौधरी ने कड़ा विरोध जताया।उनका कहना था कि कॉरिडोर निर्माण से वृंदावन की कुंज गलियों का प्राचीन स्वरूप एवं संस्कृति नष्ट हो जाएगी, साथ ही सैकड़ों लोग प्रभावित होंगे।इस मौके पर महापौर ने मंदिर के सेवायतों की आवासीय आशंकाओं को निर्मूल बताते हुए सरकार द्वारा सभी का पुनर्वास कराए जाने का आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का निर्माण गोस्वामी समाज की मांगों के अनुरूप ही कराया जाएगा और सरकार सेवायत गोस्वामियों, क्षेत्रीय निवासियों तथा व्यापारियों आदि में से किसी का भी अहित नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि सभी की सहमति से ही कॉरिडोर की अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी।

पाकिस्तानी जनरल खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए आतंकवादियों का इस्तेमाल करते हैं : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का कड़ा रुख जाहिर करने के लिए छह यूरोपीय देशों की यात्रा करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी वार्ताकारों को बताया कि पाकिस्तान में सेना और आतंकवाद के बीच साठगांठ नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच शांति स्थापना में मुख्य बाधा है। रविशंकर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सांसदों, मंत्रियों और थिंक टैंक के सदस्यों सहित विदेशी वार्ताकारों के साथ उनकी बैठकों के दौरान 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत के रुख और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की गई। छह यूरोपीय देशों की यात्रा करने वाले नौ सदस्ईय बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रविशंकर ने किया था। यह प्रतिनिधिमंडल 25 मई से सात जून तक फ्रांस, इटली, डेनमार्क, ब्रिटेन,

बेल्जियम और जर्मनी की यात्रा पर था। रविशंकर ने कहा, हमने (उन्हें) स्पष्ट कर दिया है कि हम पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं हैं। समस्या पाकिस्तान के जनरल (सैन्य अधिकारियों) से है, जिनसे पाकिस्तान के लोग भी तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय नेताओं के साथ अपनी बैठकों के दौरान यह संदेश दिया कि दुनिया को यह समझना होगा कि पाकिस्तान सैन्य जनरल के चंगुल में है, जिनके नापाक गतिविधियों को आतंकवादी और उनके प्रशिक्षण शिविर अंजाम देते हैं। रविशंकर ने कहा, पाकिस्तान में नई व्यवस्था में वे आतंकवाद का इस्तेमाल छद्म रूप में करते हैं। पाकिस्तानी जनरल ने खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए आतंकवादियों और उनके शिविरों का इस्तेमाल छद्म रूप में किया। यही कारण है कि वहां शांति नहीं स्थापित हो सकी। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा कि भारत में हर सरकार ने, चाहे वह किसी भी पार्टी की हो, पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में (पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री) नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। वह उनकी नातिन की शादी में भी शामिल होने गए थे। फिर उरी और पुलवामा (आतंकवादी हमले) हुए।, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी नेताओं से यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल इनकार करने वाला देश है। बल्कि वहां सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ एक घातक संयोजन बन गया है।

पेज 1 का शेष

जनसंख्या...

की 2025 की विश्व जनसंख्या की स्थिति (एसओडब्ल्यूपी) रिपोर्ट, जिसका शीर्षक है, 'वास्तविक प्रजनन संकट', बताती है कि भारत की किशोर प्रजनन दर 15-19 वर्ष की आयु की 1,000 महिलाओं पर 14.1 के साथ उच्च बनी हुई है, जबकि चीन (6.6), श्रीलंका (7.3) और थाईलैंड (8.3) जैसे देश हैं। किशोरों में प्रजनन की यह उच्च दर मातृ और बाल स्वास्थ्य दोनों को खतरे में डालती है और शिक्षा और रोजगार के परिणामों को प्रभावित करती है। भारत में बांझपन अभी भी कम प्राथमिकता वाला है और इसे सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत शामिल करने पर विचार करने की आवश्यकता है। अनुमान है कि 27.5 करोड़ (27.5 मिलियन) भारतीय जोड़े बांझपन का सामना करते हैं, फिर भी सार्वजनिक क्षेत्र की सेवाएं सीमित हैं, जबकि निजी देखभाल महंगी है और बड़े पैमाने पर शहरी केंद्रों तक ही सीमित है। रिपोर्ट के अनुसार सामाजिक कलंक महिलाओं पर विशेष रूप से कठोर है, हालांकि प्रजनन चुनौतियां दोनों लिंगों को प्रभावित करती हैं। यूएनएफपीए इंडिया प्रतिनिधि एंड्रिया एम वोजनार ने कहा कि इसका जवाब अधिक प्रजनन एजेंसी में निहित है - एक व्यक्ति की सेक्स, गर्भनिरोधक और परिवार शुरू करने के बारे में 150 प्रतिशत स्वतंत्र और सूचित विकल्प बनाने की क्षमता। ये निष्कर्ष यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्ल्यूपी) रिपोर्ट, द रियल फर्टिलिटी क्राइसिस में साझा किए गए, जो कि भारत सहित 14 देशों में 14,000 उत्तरदाताओं के साथ आयोजित एक ऑनलाइन पोल है, जिसमें से 1,048 वयस्क भारत से थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरी की असुरक्षा (21 प्रतिशत), आवास की कमी (22 प्रतिशत) और विश्वसनीय चाइल्डकेयर की कमी (18 प्रतिशत) के कारण माता-पिता बनना उनकी पहुंच से बाहर है। साथ ही, खराब सामान्य स्वास्थ्य (15 प्रतिशत), बांझपन (13 प्रतिशत) और गर्भावस्था से संबंधित देखभाल तक सीमित पहुंच (14 प्रतिशत) जैसी स्वास्थ्य बाधाएं भी तनाव को और बढ़ाती हैं। यूएनएफपीए ने कहा कि भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता के कारण भी कई लोग पीछे हट रहे हैं - जलवायु परिवर्तन से लेकर राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता तक, जबकि 19 प्रतिशत लोगों को अपने साथी या परिवार के दबाव का सामना करना पड़ रहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से जितने बच्चे चाहते हैं, उससे कम बच्चे पैदा करें।

मनमानी...

हो सके कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ और उचित मूल्य पर उपलब्ध रहे। मसौदा अध्यादेश में फीस विनियमन प्रक्रिया की देखरेख के लिए तीन समितियों के गठन का प्रस्ताव है स्कूल, जिला और संशोधन स्तर पर एक-एक। 'सर्वोच्च प्राधिकारी, संशोधन समिति' का स्कूल फीस से संबंधित किसी भी विवाद या निर्णय पर अंतिम निर्णय होगा। इस समिति की अध्यक्षता शिक्षा निदेशक, एक प्रख्यात शिक्षाविद्, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट, लेखा नियंत्रक, स्कूलों और अभिभावकों के प्रतिनिधि और एक पूर्व शिक्षा अधिकारी करेंगे। इसके निर्णय तीन साल की अवधि के लिए सभी पक्षों पर बाध्यकारी होंगे।

राजा रघुवंशी..

के प्रमुख हर्बर्ट पिनियाड खारकोंगोर ने दोहराया कि सोनम और राज कुशवाह को राजा रघुवंशी की हत्या का मुख्य आरोपी माना जाता है। सभी आरोपियों को शिलांग ले जाना जांच में एक महत्वपूर्ण चरण है। पुलिस संयुक्त पूछताछ करने और संभवत: हत्या की पूरी कहानी को एक साथ जोड़ने के लिए अपराध स्थल को फिर से बनाने की योजना बना रही है, जिसमें कथित तौर पर सोनम और राज द्वारा रची गई एक पूर्व-नियोजित साजिश शामिल थी।

द्वारका..

आयोजित किया जा रहा था। घटनास्थल के दृश्यों में इमारत में आग लगी दिखाई दे रही है और लोग अपनी बालकनियों में खड़े होकर मदद के लिए चिल्ला रहे हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, विभाग को सुबह 10.01 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके अनुसार शुरुआत में, दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, लेकिन आग की भयावहता स्पष्ट होने पर और अधिक गाड़ियां आग बुझाने के लिए लगाई गईं। मौके पर मौजूद एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग काफी दूर से देखी जा सकती थी। उन्होंने बताया कि ऊपरी मंजिलों से काला धुआं निकल रहा था और आग की लपटें फ्लैट से बाहर निकल रही थीं। घटना के कथित वीडियो ऑनलाइन सामने आए और इसमें राहगीर अपने मोबाइल से आग के वीडियो बनाते दिखे। बगल की इमारत से एक महिला द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में एक आवाज में कहा गया, ईश्वर उनकी मदद करें।

ट्रेनों...

के खतरे के साथ-साथ तत्काल रेल आरक्षण प्रणाली पर अंकुश लगाना है। रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में पहले ही बदलाव कर दिया है। अब तत्काल टिकट बुक करने के लिए ई-आधार यानी इलेक्ट्रॉनिक आधार के जरिए पहचान की पुष्टि अनिवार्य होगी।

अवैध...

कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। हथकड़ी लगाए जाने की घटना का वीडियो एक एनआरआई द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद यह मुद्दा उठा, जिसने लिखा कि अधिकारियों ने छात्र के साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने कल रात न्यूर्क एयरपोर्ट से एक युवा भारतीय छात्र को निर्वासित होते देखा - हथकड़ी लगाए, रोते हुए, अपराधी की तरह व्यवहार करते हुए। वह सपनों का पीछा करते हुए आया था, नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं। एक एनआरआई के रूप में, मैं असहाय और दुखी महसूस कर रहा था। यह एक मानवीय त्रासदी है। सोशल मीडिया यूजर कुणाल जैन, जो एक सामाजिक उद्यमी हैं, के अनुसार, छात्र हरियाणवी में बोल रहा था, और जोर देकर कह रहा था कि वह पागल नहीं है, लेकिन अधिकारी उसे पागल दिखाने की कोशिश कर रहे थे। जैन ने कहा, ये बच्चे सुबह अपना वीजा प्राप्त करते हैं और उड़ान भरते हैं। किसी कारण से, वे आव्रजन अधिकारियों को अपनी यात्रा का कारण नहीं बता पाते हैं और अपराधियों की तरह शाम की उड़ान से वापस भेज दिए जाते हैं। हर दिन 3-4 ऐसे मामले हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे और भी मामले सामने आए हैं। यह ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी सरकार बिना किसी पूर्व सूचना के वीजा रद्द करके अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों से लेकर यातायात उल्लंघन तक, हर मामले में इसके कारण अलग-अलग रहे हैं, जिसके कारण प्राय: छात्र कानूनी पचड़े में फंस जाते हैं और व्यापक भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है।

पोते, पोतियों...

बढ़ावा मिलेगा, खास तौर पर 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए। अब्दुल्ला ने यात्रा संबंधी परेशानियों को कम करने के लिए ट्रेन की क्षमता पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि सड़क बंद होने और हवाई किराए में वृद्धि के कारण अक्सर कश्मीरियों पर बोझ पड़ता है। उन्होंने बागवानी, पर्यटन और माता वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ गुफा की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए लाभ पर जोर देते हुए कहा, यह ट्रेन लोगों को इससे बचाएगी। वंदे भारत एक्सप्रेस, उप-शून्य तापमान के लिए अपनी उन्नत सुविधाओं के साथ, पूरे साल विश्वसनीयता का वादा करती है, जो जम्मू और कश्मीर के भारत के साथ एकीकरण के लिए एक नए युग की शुरुआत करती है।

राजस्थान...

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत अन्य नेताओं ने इस हादसे पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दु:ख सहने की शक्ति दें। ॐ शांति।

रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्म निर्भरता पर जोरः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं और रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण तथा आत्मनिर्भरता दोनों पर स्पष्ट रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, पिछले 11 वर्ष में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं तथा रक्षा उत्पादन के मामले में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। यह देखकर खुशी होती है कि कैसे भारत के लोग देश को मजबूत बनाने के संकल्प के प्रति एकजुट हुए हैं। प्रधानमंत्री पद पर मंगलवार को 11 वर्ष पूरे होने पर मोदी ने सरकार के नागरिक सहभागिता मंच से एक थ्रेड साझा किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में हुए बदलावों पर प्रकाश डाला गया। इसमें कहा गया है कि मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मात्र 11 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमताओं में क्रांतिकारी बदलाव आया है, रणनीतिक वैश्विक साझेदारियां प्रगाढ़ हुई हैं तथा अंतरिक्ष अन्वेषण में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

इस थ्रेड में कहा गया कि आत्मनिर्भर भारत के उनके संकल्प से प्रेरित राष्ट्र ने आत्मनिर्भर नवाचार को अपनाया है और व्यापार एवं प्रौद्योगिकी में अपने प्रभाव को बढ़ाया है। इसमें कहा गया है कि इंडियाज राइज इन 11 इयर्सः पावर, पार्टनरशिप एंड प्रोग्रेस में विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की पहलों और उसके बाद हुए परिवर्तनों का उल्लेख किया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि भारत का रक्षा निर्यात 2014-15 में 1,940 करोड़ रुपए था जो 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कहा गया कि देश ने अपने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का भी अनावरण किया है। यह मजबूत भारत के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के साहसिक दृष्टिकोण और अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित एक आत्मविश्वासी, निर्णायक और सम्मानित वैश्विक प्रणेता के रूप में भारत के उदय की कहानी है। इसमें कहा गया है कि भारत की मिसाइल शक्ति में सटीकता आई है और पहुंच बढ़ी है। इसमें ब्रह्मोस के विस्तारित रेंज संस्करण का भी जिक्र किया गया है जिसका सुखोई-30 एमकेआई से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

अन्य देशों के साथ भारत के मजबूत संबंधों पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें ब्रिटेन के साथ 'ऐतिहासिक' व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापक आर्थिक शक्ति समझौते पर हस्ताक्षर शामिल हैं। वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि देश संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक अभियानों में अग्रणी है, जिसके 2.9 लाख से अधिक सैनिक दुनिया भर में 50 मिशनों में तैनात हैं। महामारी के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के लिए कोविड-19 टीके की दो लाख खुराक भी प्रदान की थीं।

जम्मू कश्मीर में आरक्षण के मुद्दे पर गठित समिति ने रिपोर्ट तैयार की

भाषा। श्रीनगर

केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में आरक्षण के मुद्दे की पड़ताल के लिए जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है और वह इसे कैबिनेट की अगली बैठक में पेश करेगी। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आरक्षण के मुद्दे की पड़ताल के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति ने 6 महीने की निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। रिपोर्ट कैबिनेट की बैठक में रखी जाएगी। मंत्रिमंडलीय उप-समिति का गठन पिछले वर्ष दिसंबर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर छात्रों द्वारा जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद किया गया था, जिसके तहत ओपन मेरिट (सामान्य श्रेणी के) उम्मीदवारों के लिए केवल 30 प्रतिशत सीट ही उपलब्ध थी। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता और श्रीनगर से लोकसभा सदस्य आगा रूहुल्लाह मेहदी ने किया था। केंद्र द्वारा संघ शासित प्रदेश में पहाड़ी भाषी लोगों को आरक्षण दिए जाने से सामान्य श्रेणी की सीट घटकर मात्र 30 प्रतिशत रह गई, जबकि 70 प्रतिशत सीट विभिन्न समुदायों के लिए आरक्षित हैं। छात्र, विशेषकर चिकित्सा और शल्य चिकित्सा का प्रशिक्षण ले रहे छात्र, इस नीति का विरोध कर रहे हैं।

केरल तट के पास मालवाहक जहाज पर आग और विस्फोट, बचाव कार्य जारी

कोच्चि। केरल तट के पास सिंगापुर ध्वज वाले मालवाहक पोत में आग और विस्फोट की घटनाएं जारी हैं और पोत के मध्य क्षेत्र और कंटेनर बे से आग की लपटें निकल रही हैं। भारतीय तटरक्षक अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आगे के हिस्से में लगी आग पर काबू पा लिया गया है लेकिन पोत एमवी वान हाई 503 से धुआं उठ रहा है। उन्होंने बताया कि जहाज बंदरगाह की ओर लगभग 10-15 डिग्री तक झुक गया है और उस पर लदे कुछ कंटेनरों के समुद्र में गिरने की सूचना है। भारतीय तटरक्षक जहाज समुद्र प्रहरी और सचेत आग को और अधिक फैलने से रोकने के लिए समुद्र में अग्निशमन और प्रशीतन अभियान संचालित कर रहे हैं। इस बीच तटरक्षक पोत समर्थ को बचावकर्मियों की एक टीम के साथ कोच्चि तैनात किया जा रहा है। इससे पहले रक्षा प्रवक्ता ने कहा था कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत ने सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत में सवार चालक दल के 18 सदस्यों को उतार लिया वहीं अग्निशमन अभियान रातभर जारी रहा।

जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और उनमें से चार का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। चालक दल के सदस्यों को सोमवार रात 11.30 बजे मैंगलोर बंदरगाह पर उतारा गया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा था कि भारतीय तटरक्षक जहाज सचेत और समुद्र प्रहरी रात भर आग बुझाने के काम में लगे रहे। वहीं तटरक्षक बल का डोर्नियर विमान मंगलवार सुबह घटनास्थल का हवाई सर्वेक्षण करने के लिए रवाना हुआ। सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज में सोमवार को भीषण आग लग गई थी। यह घटना भारतीय समयानुसार सुबह 9.20 बजे, केरल के कन्नूर जिले के अझिक्कल से लगभग 44 समुद्री मील दूर और कोच्चि से 130 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में हुई। इस बीच मंगलुरु के पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सिद्धार्थ गोयल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आईएनएस सूरत के जरिए लाए गए 18 सदस्यों में से दो गंभीर रूप से घायल हैं वहीं चार को मामूली चोटें आई हैं जबकि 12 अन्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को एजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

संजय से जुड़े पीएमएलए मामले में ईडी के समन पर पेश नहीं हुए रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन में रह रहे कथित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर मंगलवार को पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वाड्रा ने मंगलवार के समन पर स्थगन मांगा था और अब उन्हें नई तारीख दी जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज करना चाहता है और उसके बाद अदालत में उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करना चाहता है।

संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में रॉबर्ट वाड्रा (56) से अप्रैल में लगातार तीन दिन तक पूछताछ की थी। वर्ष 2016 में आयकर विभाग द्वारा दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद भंडारी (63) लंदन भाग गया था। ब्रिटेन की एक अदालत ने इस महीने की शुरुआत में प्रत्यर्पण मामले में भंडारी को आरोप मुक्त किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में अपील करने की अनुमति के लिएभारत सरकार द्वारा दायर अर्जी को अस्वीकार कर दिया था। इस प्रकार कानून का सामना करने के लिए उसे देश में लाए जाने की संभावना लगभग समाप्त हो गई है।

ईडी ने 2023 में इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि भंडारी ने 2009 में लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर स्थित मकान खरीदा और रॉबर्ट वाड्रा के निर्देशानुसार, जिन्होंने नवीनीकरण के लिए धन मुहैया कराया था इसका नवीनीकरण कराया। वाड्रा ने इस बात से इनकार किया है कि लंदन में उनकी कोई संपत्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से है। आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए वाड्रा ने कहा कि राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है।

एक्सिओम-4 के प्रक्षेपण से पहले नासा के फ्लोरिडा अंतरिक्ष केंद्र में मौसम पर लगातार रखी जा रही नजर

नई दिल्ली। स्पेसएक्स, नासा और एक्सिओम स्पेस फ्लोरिडा स्थित कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में मौसम के मिजाज पर लगातार नजर रख रहे हैं, जहां से भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अब बुधवार के लिए निर्धारित की गई अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की अपनी यात्रा को लेकर काफी उत्सुक हैं। प्रक्षेपण-पूर्व आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्पेसएक्स के उपाध्यक्ष विलियम गेर्स्टनमेयर ने कहा कि इंजीनियरों ने फाल्कन-9 रॉकेट में कुछ खामियों को ठीक कर लिया है, जो स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान पाई गई थीं और उड़ान के बाद बूस्टरों के नवीनीकरण के दौरान जिन पर ध्यान नहीं दिया गया था।

फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित होने वाले स्पेसएक्स रॉकेट के उड़ान पथ क्षेत्र में खराब मौसम की स्थिति के कारण आईएसएस के लिए एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन को एक दिन के लिए स्थगित कर बुधवार शाम तक के लिए टाल दिया गया है। गेर्स्टनमेयर ने कहा कि इंजीनियरों ने लॉक लीक नामक खामी का पता लगाया है, जो पिछले मिशन में बूस्टर में इसके प्रवेश के दौरान देखी गई थी तथा नवीनीकरण के दौरान इसकी पूरी तरह से मरम्मत नहीं की गई थी। उन्होंने कहा, हम इसका समाधान करना जारी रखे हुए हैं। हमें इसे आज पूरा कर लेना चाहिए और हम इसे पुनः विन्यास में ले आएंगे।

गेर्स्टनमेयर ने कहा कि इंजीनियरों ने इंजन 5 थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण समस्या का भी पता लगाया है और उससे संबंधित घटकों को पहले ही बदल दिया गया है। उन्होंने कहा, हम अपना सारा काम आज (मंगलवार) शाम तक पूरा कर लेंगे और बुधवार तक प्रक्षेपण के लिए तैयार हो जाएंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने सोमवार को कहा कि मौसम की स्थिति के कारण एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 जून की जगह अब 11 जून के लिए निर्धारित कर दिया गया है, जिससे भारतीय अंतरिक्षयात्री को आईएसएस भेजा जाना है।

नारायणन ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रक्षेपण का लक्षित समय 11 जून 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे है। अमेरिकी अंतरिक्ष बल के 45वें मौसम स्क्वाड्रन के प्रक्षेपण मौसम अधिकारी जिमी टैगर ने कहा कि मध्य फ्लोरिडा के दक्षिण पूर्व में सतह पर उच्च दबाव है, जो आमतौर पर पूरे क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी प्रवाह उत्पन्न करता है। एक्सिओम-4 (एक्स-4) मिशन में कमांडर पैगी व्हिटसन, पायलट शुक्ला और हंगरी निवासी विशेषज्ञ टिगोर कापू तथा पोलैंड निवासी विशेषज्ञ स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की शामिल हैं।

झारखंडः हिरासत शिविर से भागे तीन बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

हजारीबाग (झारखंड)। झारखंड के हजारीबाग में विदेशियों को रखने के लिए बनाए गए शिविर से भागे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हिरासत शिविर से भागे एक बांग्लादेशी नागरिक को धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य को बांग्लादेश-पश्चिम बंगाल सीमा के पास बोंगांव से गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान रीना खान, निफा अख्तर उर्फ खुशी और मोहम्मद नजमुल हलधर के रूप में हुई है। तीनों सोमवार सुबह शिविर से भाग गए थे। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने संवाददाताओं को बताया, घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया और उसने उन्हें पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की।

गोमांस को हिंदुओं के खिलाफ हथियार बनाया जा रहा, असम के लोगों को गैर समझौतावादी रुख अपनाना चाहिएः हिमंत

गुवाहाटी। पिछले सप्ताह ईद के जश्न के बाद सार्वजनिक स्थानों पर मांस के टुकड़े फेंके जाने के मामलों का हवाला देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में हिंदुओं के खिलाफ गोमांस को हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि असम के लोगों को अवैध विदेशियों को वापस भेजने के लिए गैर समझौतावादी रुख अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि असम उन ताकतों के खिलाफ संघर्ष कर रहा है, जिनके हमदर्द दुनिया भर में हैं। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, पहले अगर हिंदुओं के पड़ोस में कुछ मुस्लिम परिवार रहते थे, तो वे हिंदुओं के लिए कोई समस्या पैदा न करने के लिए सावधान रहते थे। अगर उन्हें गोमांस खाना होता था, तो वे मुस्लिम बहुल इलाकों में रहने वाले अपने लोगों के पास जाते थे। लेकिन अब ऐसा हो गया है कि वे बचे हुए भोजन और कचरे को इधर-उधर फेंक देते हैं, ताकि पड़ोस के हिंदुओं को अंततः वह जगह छोड़नी पड़े। उन्होंने पिछले सप्ताह ईद के बाद विभिन्न स्थानों पर कथित तौर पर गोमांस छोड़े जाने की घटनाओं का हवाला दिया, जिसमें यहां कॉटन विश्वविद्यालय के सामने की घटना भी शामिल है।

शर्मा ने कहा, कोई इसे ईद पर खा सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल दूसरे लोगों के खिलाफ हथियार के तौर पर नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि इस कृत्य के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया और कहा कि ऐसी घटनाओं के विरोध में उठने वाली आवाज की संख्या कम हो रही है। उन्होंने कहा, अच्छे मुसलमान ऐसे कृत्यों का विरोध करते हैं। वे फेसबुक पर गोमांस हाथ में लेकर खिंचाई गई फोटो पोस्ट नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के बाद उनके पास मुस्लिम व्यक्तियों की ओर से केवल तीन फोन कॉल आए, जिसमें उन्होंने कहा कि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं।

मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि अगर चीजें अभी की तरह चलती रहीं, तो 20 साल में कामाख्या मंदिर के सामने गोमांस फेंका जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम के लोगों को खुद की रक्षा के लिए कोई समझौता न करने वाला रुख अपनाना होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उनकी पूरी मदद करने को तैयार है।

मोदी जी कर रहे हैं कि वापस भेजो (अवैध विदेशियों को), लेकिन असम के लोग सवाल कर रहे हैं कि वापस क्यों भेजा जा रहा है। वापस भेजे जाने के खिलाफ सर्वाधिक आलोचना असम के लोग कर रहे हैं... मोदी जी अकेले हमारी रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने दावा किया कि मोदी ने गुजरात से सभी विदेशियों को भगा दिया और उनमें से एक भी अदालत नहीं गया, जबकि असम में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के खिलाफ असम निवासी याचिकाकर्ताओं और वकीलों द्वारा रोजाना मामले दर्ज किए जाते हैं। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और उसके विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया ने सोमवार को विधानसभा में विदेशियों को वापस भेजे जाने का विरोध किया था, लेकिन किसी संगठन ने उनके रुख का विरोध नहीं किया और न ही मीडिया ने इसके लिए पार्टी की आलोचना की।

उन्होंने सैकिया द्वारा विधानसभा में दिए गए उस बयान का भी हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने प्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 का विरोध किया था, जो जिला आयुक्तों को विदेशियों की पहचान करने और उन्हें बाहर निकालने का अधिकार देता है। इससे पता चलता है कि नेहरू का विदेशियों के पक्ष में रुख 1950 से ही था। शर्मा ने कहा, हमारा संघर्ष उन ताकतों के खिलाफ है, जिनके समर्थक दुनिया भर में मौजूद हैं। इस्लामाबाद, ढाका और रियाद जैसी जगहों से 2,895 फेसबुक अकाउंट सक्रिय हैं, जो केवल फलस्तीन और असम के बारे में लिखते या टिप्पणी करते हैं। शर्मा ने कहा, हम दुश्मनों से घिरे हुए एक राज्य हैं... हमें अपना शोध करना होगा और ए विवरण मोदी जी को सौंपना होगा, ताकि वह इसे आगे बढ़ा सकें।

चलते-चलते थककर पटरी पर सो गए दो युवकों की मालगाड़ी से कटकर मौत, दो अन्य

बालोद (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रेल पटरी पर चलते-चलते थककर वहीं सो गए दो युवकों की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिले के दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुसुमकसा रेलवे स्टेशन के करीब ट्रेन से कटकर दिल्लू राय (19) और कृष्णा (20) की मृत्यु हो गई तथा दो अन्य अजय राय और विकास अमरान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सभी पड़ोसी राज्य झारखंड के धनबाद जिले के अंतर्गत लक्ष्मणपुर गांव के निवासी हैं।

झारखंड से कुछ युवकों का दल मजदूरी करने के लिए यहां पहुंचा था। अधिकारियों के अनुसार आज सुबह लगभग चार बजे जब 11 युवकों का एक दल दल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन की ओर से पटरी से होते हुए पैदल कुसुमकसा रेलवे स्टेशन जा रहा था, इसी दौरान वे थककर पटरी पर ही बैठ गए।

थकान लगने पर पांच युवक पटरी पर ही बैठे रहे तथा अन्य छह आगे बढ़ गए। चार युवकों की नींद लग गई और वे वहीं सो गए, जबकि एक अन्य वहीं बैठा रहा। अधिकारियों ने बताया कि जब पटरी पर मालगाड़ी आती दिखी तो बैठे हुए युवक ने अन्य को जगाने की कोशिश की। जब मालगाड़ी करीब आई तो हड़बड़ी में जागे युवक बचने की कोशिश में भागने लगे, लेकिन सफल नहीं हो सके। दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया तथा शवों और घायलों को अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों के परिवारों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

रेल मंत्रालय ने 402 करोड़ रुपए की मथुरा-वृंदावन रेल परिवर्तन परियोजना को स्थाई रूप से बंद किया

भाषा। नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने मथुरा-वृंदावन रेलवे लाइन को मीटर गेज से ब्रॉड गेज में बदलने की अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना को अलाभकारी करार देते हुए स्थाई रूप से बंद कर दिया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 402 करोड़ रुपए थी। मथुरा-वृंदावन प्रखंड के अधिकारक्षेत्र से जुड़े उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन ने स्थानीय लोगों के विरोध के कारण कुछ महीने पहले इसे स्थाई रूप से समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था। रेल मंत्रालय ने एनसीआर जोन के महाप्रबंधक को छह जून को लिखे पत्र में कहा, उत्तर मध्य रेलवे की उक्त अलाभकारी शाखा लाइन को बंद करने के उत्तर मध्य रेलवे के प्रस्ताव की (रेलवे) बोर्ड द्वारा पड़ताल की गई है। तदनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के मथुरा वृंदावन प्रखंड को स्थाई रूप से बंद करने की मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया कि यह निर्णय रेल मंत्रालय के वित्त निदेशालय की सहमति से लिया गया है तथा जोन से आवश्यक कार्वाई शुरू करने को कहा गया है।

परियोजना से जुड़े रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दोनों शहरों के बीच रेल संपर्क का काम करीब दो साल पहले शुरू हुआ था और मथुरा तथा वृंदावन दोनों तरफ से रेल पटरियां बिछाने में काफी समय और धन खर्च किया गया था। विशेषज्ञों के एक तबके ने यह भी कहा कि परियोजना को रद्द करने से रेलवे की दूरदर्शिता और योजना पर प्रश्नचिह्न लग गया है तथा इससे भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। रेलवे बोर्ड ने 2017-18 में 402 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से मथुरा और वृंदावन के बीच मीटर गेज रेल लाइन को ब्रॉड गेज में बदलने की मंजूरी दी थी। फरवरी 2023 में आईएससी नामक कंपनी को 191 करोड़ रुपए का ठेका दिया गया, जिसके बाद 31 मार्च 2023 को मौजूदा पटरी को हटाने और नई पटरी बिछाने की प्रक्रिया शुरू की गई। ठेकेदार को दो साल में 30 मार्च 2025 तक काम पूरा करना था। कृष्ण जन्मभूमि और वृंदावन में स्टेशन भवन के निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपए की लागत का एक अन्य अनुबंध, जिसमें प्लेटफॉर्म और फुट-ओवर ब्रिज भी शामिल हैं, मई 2023 में एचओजी प्रोजेक्ट्स को दिया गया। मीटर गेज पटरी का निर्माण 100 साल से भी अधिक समय पहले अंग्रेजों द्वारा किया गया था, जिस पर एक कोच वाली रेल बस 2023 की शुरुआत तक दिन में दो बार चलती थी।

ब्रॉड गेज के निर्माण के लिए सेवा बंद कर दी गई थी। आमान परिवर्तन का कार्य वृंदावन से शुरू किया गया था, लेकिन जून 2023 में जब मथुरा की ओर से कार्य शुरू हुआ तो स्थानीय निवासियों ने आपत्ति जताई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मीटर गेज जमीन के स्तर पर होने के कारण स्थानीय लोग आसानी से पटरी पार कर जाते थे और रेल बस की गति भी धीमी थी। इस संबंध में एक सितंबर, 2023 को एनसीआर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों, मथुरा के जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, प्रदर्शनकारी निवासियों और उनके प्रतिनिधियों सहित अन्य के बीच एक बैठक हुई। अधिकतर निवासियों ने ब्रॉड गेज रेल लाइन के बजाय रेलवे की भूमि पर सड़क निर्माण की मांग की।

भारत माता तस्वीर विवादः

राज्यपाल ने तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की, भाकपा ने पोस्टर वापस लिए

भाषा। कोट्टायम (केरल)

केरल में भारत माता विवाद जारी रहने के बीच राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में गोवा दिवस समारोह के दौरान भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने स्थानीय पार्टी कार्यक्रम में भिन्न तस्वीर वाले एक पोस्टर को वापस ले लिया। भाकपा के पोस्टर में भारत माता के हाथों में तिरंगा है। तिरुवनंतपुरम में सोमवार को राजभवन में आयोजित गोवा दिवस समारोह के दौरान आर्लेकर ने भारत माता के उसी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जिसकी वजह से पिछले सप्ताह राज्य के कृषि मंत्री पी. प्रसाद ने पर्यावरण दिवस समारोह का बहिष्कार किया था।

राज्यपाल कार्यालय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत केरल राजभवन में गोवा स्थापना दिवस मनाया गया। उसी दिन, भाकपा ने यहां 13 जून से 15 जून तक चलने वाले एक स्थानीय पार्टी कार्यक्रम के संबंध में एक पोस्टर को वापस ले लिया, जिसमें तिरंगा साड़ी पहने और राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए भारत माता की छवि थी। भाकपा के जिला सचिव वी.बी. बीनू ने कहा कि पोस्टर के बारे में जानकारी मिलते ही इसे सोशल मीडिया से हटाने के निर्देश दिए गए, ताकि अनावश्यक विवाद से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय ध्वज को पार्टी के कार्यक्रमों या प्रतीकों के साथ जोड़ना ठीक नहीं है।

इस घटना के बाद, भाजपा ने सोशल मीडिया पर पोस्टर प्रसारित करने को लेकर भाकपा के कोट्टायम जिला नेतृत्व को बधाई दी और इसे राजभवन में कार्यक्रम का बहिष्कार करने के वामपंथी नेता प्रसाद के फैसले के बदले में दिया गया जवाब बताया। एक बयान में भाजपा नेता एन. हरि ने कहा कि यह पोस्टर एक बड़े बदलाव की शुरुआत है लेकिन यह खेदजनक है कि इस वाम दल ने इसे वापस ले लिया तथा स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने अपने बयान में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने गर्व के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए थे, लेकिन वर्तमान में ऐसी स्थिति नहीं है।

उन्होंने दावा किया, वे भारत माता कहने से डरते हैं और यह डर वोट बैंक की राजनीति के कारण है। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी भाकपा ने राजभवन द्वारा भारत माता के चित्र के इस्तेमाल पर सबसे पहले आपत्ति जताई थी। भाकपा नेता और मंत्री प्रसाद ने राजभवन में पर्यावरण दिवस समारोह का बहिष्कार किया था, क्योंकि चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जानी थी। बाद में उन्होंने कहा था कि संविधान या भारत सरकार के अनुसार भारत माता का कोई आधिकारिक स्वरूप नहीं है और कार्यक्रम में भारत माता की जिस तस्वीर का इस्तेमाल किया गया उसका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसके तुरंत बाद भाकपा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उसके सामने पौधे लगाने के अभियान की घोषणा की।

भाकपा ने सात जून को अपनी सभी शाखाओं में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पौधे लगाए तथा भारत माता की जय के नारे भी लगाए। अगले ही दिन आर्लेकर ने इस वामपंथी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, जिन्होंने कभी भारत माता के बारे में नहीं सोचा, वे भारत माता की जय कह रहे हैं। यह एक अच्छा योगदान है। मैं इसकी सराहना करता हूं। उसी दिन, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सचिव एम. वी. गोविंदन ने कहा कि भारत माता की कोई अवधारणा नहीं है क्योंकि यह संविधान में नहीं है।

नीलांबुर उपचुनावः माकपा ने जमात-ए-इस्लामी का समर्थन लेने पर यूडीएफ की आलोचना की

मलप्पुरम (केरल)। नीलांबुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ (संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा) को जमात-ए-इस्लामी समर्थित वेलफेयर पार्टी की ओर से समर्थन मिलने से मंगलवार को विवाद पैदा हो गया। सत्तारूढ़ माकपा ने विपक्षी मोर्चे की आलोचना करते हुए कहा कि उसने सांप्रदायिकता के खिलाफ बोलने का नैतिक अधिकार खो दिया है। वहीं यूडीएफ ने माकपा पर पलटवार करते हुए विवादास्पद मौलवी अब्दुल नसर मदनी नीत पीडीपी द्वारा उसे दिए गए समर्थन का जिक्र किया। इस बीच भाजपा ने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों मोर्चे नीलांबुर में राजनीतिक लाभ के लिए आतंकवादियों और सांप्रदायिक संगठनों का तुष्टीकरण कर रहे हैं।

नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव 19 जून को होना है। माकपा की राज्य इकाई के सचिव एम वी गोविंदन ने आरोप लगाया कि वेलफेयर पार्टी द्वारा यूडीएफ उम्मीदवार को दिया गया समर्थन राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में जारी सांप्रदायिक प्रवृत्ति को दर्शाता है। वहीं उन्होंने नीलांबुर उपचुनाव में वामपंथी उम्मीदवार को विवादित मौलवी अब्दुल नसर मदनी नीत पीडीपी द्वारा दिए गए समर्थन का बचाव करते हुए कहा कि यह एक ऐसी पार्टी है जिसे राज्य में कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गोविंदन ने आरोप लगाया कि यूडीएफ सांप्रदायिक ताकतों का गठबंधन बन गया है और इसलिए उसे अब सांप्रदायिकता के खिलाफ एक शब्द भी बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, न केवल नीलांबुर में बल्कि पूरे केरल में उन्हें (यूडीएफ को) इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि अतीत में भी चुनावों में यूडीएफ ने सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठबंधन किया था।

मार्क्सवादी नेता ने कहा, जमात-ए-इस्लामी दुनिया के सबसे बड़े सांप्रदायिक संगठनों में से एक है। यह आरएसएस की तरह है। यह एक ऐसा संगठन है जो इस्लामी राष्ट्र के गठन की मांग करता है। पीडीपी ने कभी ऐसा रुख नहीं अपनाया। माकपा नेता इलामारम करीम ने भी जमात-ए-इस्लामी के समर्थन को लेकर कांग्रेस नीत मोर्चे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जमात-ए-इस्लामी एक ऐसी विचारधारा का समर्थन करती है जो आतंकवाद की पैरोकार है।

राज्य के उत्तरी भाग में एक प्रमुख सुन्नी युवा संगठन सुन्नी युवजन संघम (एसवाईएस) ने भी आगामी उपचुनाव में यूडीएफ को वेलफेयर पार्टी द्वारा दिए गए समर्थन का विरोध किया है। एसवाईएस के एक नेता ने कहा कि यूडीएफ उपचुनाव के उम्मीदवार आर्यदान शौकत वह व्यक्ति हैं जिन्होंने पहले कहा था कि जमात-ए-इस्लामी वैश्विक आतंकवादी संगठन आईएसआईएस जैसा है। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, ऐसी परिस्थिति में जमात-ए-इस्लामी का उनके पास जाकर समर्थन देना हास्यास्पद है..। वहीं विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने माकपा के रुख को चुनौती दी और आश्चर्य जताया कि कैसे उनकी वामपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी का समर्थन स्वीकार करने को उचित ठहरा सकती है जबकि वहीं यूडीएफ की ऐसा करने के लिए निंदा करती है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि जो यूडीएफ को वेलफेयर पार्टी के समर्थन पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं, उन्हें उपचुनाव में पीडीपी के समर्थन से कोई समस्या नहीं है। विपक्ष के नेता ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सहित विभिन्न वामपंथी नेताओं के बयानों को याद करते हुए कहा कि लोग माकपा के पाखंड को उजागर करेंगे, जिसने एक बार कहा था कि जमात-ए-इस्लामी का समर्थन 'आशाजनक और उत्साहजनक' है।

यूरोपीय संघ पाकिस्तान मुद्दे को भारत बनाम आतंकिस्तान के रूप में देखे : जयशंकर

भाषा। ब्रसेल्स

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को यूरोपीय संघ से पाकिस्तान के साथ संघर्ष के मुद्दे को भारत बनाम आतंकिस्तान के रूप में देखने का आह्वान किया। उन्होंने आतंकवाद पर भारत के कतई बर्दाश्त नहीं करने के रुख को भी रेखांकित किया। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि काजा कालास के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान जयशंकर से पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बारे में पूछ जाने पर उन्होंने यह टिप्पणी की। जयशंकर ने कहा, यह दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है। यह वास्तव में आतंकवाद के खतरे के प्रति प्रतिक्रिया है।

इसलिए, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप इसे भारत-पाकिस्तान के रूप में न सोचें, बल्कि भारत-आतंकिस्तान के रूप में सोचें, तब आप इसे समझ पाएंगे। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में कतई बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, उस संदर्भ में, यह भी आवश्यक है कि हम कभी भी परमाणु धमकी के आगे न झुकें। यह वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा और परस्पर चुनौती है तथा यह जरूरी है कि इस मामले पर मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समझ हो। जयशंकर के साथ भारत और यूरोपीय संघ के बीच पहली रणनीतिक वार्ता में कालास भी शामिल हुए, जिसके दौरान उन्होंने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद निरोधक, साइबर एवं एआई, अंतरिक्ष एवं रक्षा उद्योग सहयोग में सहयोग को गहरा करने पर सार्थक चर्चा की। जयशंकर ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी बहुत खुली और सार्थक बैठक हुई जिसमें रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, साइबर और अंतरिक्ष के क्षेत्रों को शामिल किया गया।

विक्रम मिस्री ने यूएई के अधिकारियों से मुलाकात की

अबू धाबी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंगलवार को यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और दोनों पक्षों ने सभी प्रकार के आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मिस्री ने संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता मंत्री और रक्षा मामलों के अध्यक्ष के साथ अलग-अलग बैठकें कीं, तथा दोनों देशों के सद्भाव के साझा लोकाचार पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मिस्री ने सहिष्णुता मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान से मुलाकात की। इसने कहा, उन्होंने भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए यूएई का आभार जताया। उन्होंने भारत और यूएई के सद्भाव और सहिष्णुता के साझा लोकाचार पर प्रकाश डाला। मिस्री ने रक्षा मामलों, आतंकवाद-रोधी और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष अली राशिद अल नूमी से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि दोनों ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हाल में शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के वैश्विक संपर्क प्रयासों के हिस्से के रूप में यूएई और पश्चिम अफ्रीकी देशों का दौरा किया।

इजराइल ने थनबर्ग को निर्वासित किया, पेरिस पहुंचने के बाद स्वीडन रवाना

यरूशलम। इजराइल ने कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को मंगलवार को निर्वासित कर दिया और इसके बाद वह पेरिस पहुंच गईं। वह जिस जहाज पर सवार थीं, उसे इजराइली सेना द्वारा जब्त किए जाने के एक दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर विमान में सवार थनबर्ग की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि थनबर्ग विमान से फ्रांस पहुंचने के बाद अपने देश स्वीडन रवाना हो गईं। इससे हवाई यात्रा से परहेज करने वाली जलवायु कार्यकर्ता थनबर्ग की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक विमान में बैठी हुई दिखाई देती हैं। पेरिस के चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद थनबर्ग ने फ्रीडम फ्लोटिला समूह के हिरासत में लिए गए अन्य कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग की। उन्होंने हिरासत के दौरान काफी अराजक और अनिश्चित स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जिन परिस्थितियों का उन्होंने सामना किया, उनकी तुलना में वे कुछ भी नहीं हैं, जिनसे फलस्तीन और विशेष रूप से गाजा में लोग अभी गुजर रहे हैं। थनबर्ग ने कहा, हम इस मिशन के जोखिमों से अच्छी तरह वाकिफ थे। इसका उद्देश्य गाजा पहुंचना और सहायता वितरित करना था। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गाजा को सहायता पहुंचाने का प्रयास जारी रखेंगे। थनबर्ग गाजा में सहायता सामग्री ले जा रहे मैडलीन नामक जहाज पर सवार 12 यात्रियों में से एक थीं। फ्रीडम फ्लोटिला कोलिशन नामक संगठन ने गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए इस यात्रा का आयोजन किया था। संगठन ने बताया कि इजराइली नौसेना बलों ने जहाज को गाजा से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में जब्त कर लिया। संगठन समेत अन्य अधिकार समूहों ने इजराइल के कदमों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। इजराइल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे जहाज गाजा की उसकी नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन करते हैं।

लंदन में अमेरिका-चीन ने दूसरे दिन व्यापार वार्ता की

लंदन। अमेरिका और चीन के अपने व्यापार संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए लंदन में मंगलवार को दूसरे दिन की वार्ता के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन के साथ बातचीत करना आसान नहीं है, लेकिन अमेरिका वार्ता में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल ने बकिंघम पैलेस के पास 200 साल पुराने भव्य भवन लैंकेस्टर हाउस में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट तथा व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ वार्ता की। चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ और कारोबार वार्ताकार ली चेंगगांग भी बीजिंग के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। सोमवार देर शाम जब ट्रंप से पूछा गया कि वार्ता कैसी चल रही है, तो उन्होंने संवाददाताओं से कहा, चीन के साथ अच्छी बातचीत हो रही है। हालांकि चीन से बातचीत आसान नहीं है।

ईरान ने आईएसआईएस के नौ आतंकियों को फांसी दी

दुबई। ईरान ने 2018 में हुए हमले के बाद गिरफ्तार किए गए इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के नौ आतंकवादियों को फांसी दे दी है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान ने मंगलवार को फांसी पर लटकाए जाने की घोषणा की। एजेंसी ने यह भी कहा कि देश की शीर्ष अदालत ने इन दोषियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा था। इसमें बताया गया है कि आतंकवादियों को देश के पश्चिमी क्षेत्र में ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ संघर्ष के बाद हिरासत में लिया गया था। इस संघर्ष में तीन जवान और इस्लामिक स्टेट समूह के कई आतंकी मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि देश के पश्चिमी हिस्से में रिवोल्यूशनरी गार्ड के जवानों ने आतंकियों के ठिकाने को घेर लिया था और वहां से 50 मशीनगन समेत हथियारों का जखीरा बरामद किया था। ईरान में फंदे से लटका कर मौत की सजा दी जाती है। आतंकी समूह ने 2014 में स्वघोषित खलीफा के तहत सीरिया और इराक के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया था, जहां से बाद में अमेरिका की अगुवाई वाली फौज ने उन्हें खदेड़ दिया था। इस समूह ने इससे पहले जून 2017 में तेहरान में संसद और अयातुल्ला रूहोल्लाह खामैनी की कब्र पर हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए थे और 50 से अधिक घायल हो गए थे।

लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड, मरीन की तैनाती में 13.4 करोड़ डॉलर का खर्च

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा है कि लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापों के विरोध में नेशनल गार्ड के सदस्यों और मरीन की तैनाती पर 13.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च आ रहा है। मंगलवार को कांग्रेस के सदस्यों द्वारा लगातार सवाल पूछे जाने के बाद रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कार्यवाहक नियंत्रक ब्रायन वूलकॉट मैकडोनेल से संपर्क किया, जिन्होंने कुल राशि बताई। उन्होंने कहा कि यह राशि संचालन और रखरखाव खातों से आएगी।

फ्रांस में 15 वर्षीय छात्र ने स्कूल कर्मचारी की चाकू घोंपकर हत्या की

पेरिस। फ्रांस की राजधानी के पूर्वी क्षेत्र में स्थित मिडिल स्कूल में मंगलवार को बैग की जांच के दौरान 15 वर्षीय एक छात्र ने एक स्कूल कर्मचारी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। राष्ट्रीय पुलिस सेवा ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बैग की जांच में मदद कर रहा एक पुलिस अधिकारी घटना के दौरान मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नोजेंट में बच्चों की देखभाल कर रही शैक्षिणक सहायक की हमले में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस घटना से राष्ट्र शोक में है और सरकार अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए काम कर रही है। देश में स्कूल हिंसा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष कुछ स्कूलों में बच्चों के बैग की जांच का काम शुरू किया था, ताकि इस समस्या से निपटा जा सके। गृह मंत्री के कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस वसंत ऋतु में दो महीने की अवधि में स्कूल बैग की जांच के दौरान 186 चाकू जब्त किए गए और 32 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि अप्रैल में, पश्चिमी फ्रांस में एक हाईस्कूल के छात्र ने अपने स्कूल के चार अन्य छात्रों पर चाकू से हमला कर दिया था जिनमें से एक की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

कैपिटल हिल दंगे के आरोपियों को माफ करने वाले ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में लिए गए शुरुआती फैसलों में से एक में डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2021 में कैपिटल हिल (संसद भवन परिसर) पर धावा बोलने वाले और वहां तैनात पुलिस अधिकारियों पर हमला करने वाले दंगाइयों को माफ कर दिया था। हालांकि, ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्वाई को लेकर लॉस एंजिलिस में प्रदर्शन कर रहे और पुलिसकर्मियों तथा नेशनल गार्ड के सदस्यों के पास जाकर उन पर थूकने वाले प्रदर्शनकारियों को सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कड़ी चेतावनी दी। ट्रंप ने लिखा, अगर वे थूकेंगे, तो हम मारेंगे और मैं आपसे वादा करता हूं कि उन्हें पहले से भी ज्यादा बुरी तरह से मारा जाएगा। ऐसा अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की हार के बाद उनके समर्थकों ने सत्ता के हस्तांतरण में बाधा उत्पन्न करने के लिए छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल परिसर में हिंसा, लूटपाट और आगजनी की थी। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों के हमले में लगभग 140 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। ट्रंप ने तब उस दिन (छह जनवरी 2021) को एक खूबसूरत दिन बताया था। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभालने के बाद कैपिटल हिल दंगे में शामिल एक हजार से अधिक लोगों को माफ कर दिया था। हालांकि, अब उन्होंने लॉस एंजिलिस ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों पर हमले की निंदा की है। डार्टमाउथ कॉलेज में राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ ब्रेंडन न्याहन ने कहा, ट्रंप के रवैए से यह साफ है कि वह कानून के शासन और उसे लागू करने वाले लोगों को तभी महत्व देते हैं, जब यह उनके राजनीतिक हित में हो। कानून विशेषज्ञ माइक रोमानो ने कहा, वे (कैपिटल हिल परिसर में दंगा करने वाले लोग) बेहद हिंसक थे और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया, जैसे कि उनका अपराध कुछ भी नहीं था। अब राष्ट्रपति कुछ प्रदर्शनकारियों की ओर से की जा रही हिंसा का इस्तेमाल कुछ लोगों के खिलाफ कार्वाई के बहाने के रूप में करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑस्ट्रिया : स्कूल में गोलीबारी में आठ छात्रों समेत नौ लोगों की मौत

हमलावर भी मारा गया

भाषा। वियना

ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर के एक स्कूल में मंगलवार को हुई गोलीबारी में आठ छात्रों समेत नौ लोगों की मौत हो गई और संदिग्ध हमलावर भी मारा गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्कूल में गोलीबारी करने वाला हमलावर 21 वर्षीय ऑस्ट्रियाई व्यक्ति था, जिसके पास दो हथियार थे। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि हमलावर ने वैध तरीके से हथियार प्राप्त किए थे। पुलिस ने कहा कि उन्हें तुरंत इस व्यक्ति के मकसद के बारे में जानकारी नहीं मिली। उसने कहा कि हमलावर ने नौ लोगों को गोली मारने के बाद शौचालय में खुद को मार डाला। पुलिस ने बताया कि हमले में कम से कम 12 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा कि उसका

मानना है कि हमलावर ने घटना को अकेले अंजाम दिया। उसने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमलावर समेत 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। ऑस्ट्रिया प्रेस एजेंसी की खबर के मुताबिक, मेयर एल्के काहर ने घटना को भयानक त्रासदी करार दिया है। खबर के मुताबिक, मृतकों में आठ छात्र और एक वयस्क शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे एक कॉल के बाद पुलिस समेत विशेष बलों को बोर्ग ड्रेयर्सचुटजेन्गेस्से हाई स्कूल में भेजा गया। बाद में, पुलिस ने एक्स पर लिखा कि स्कूल को खाली करा लिया गया है और सभी को सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। उसने लिखा कि अब किसी तरह के खतरे की आशंका नहीं है। ऑस्ट्रिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर ग्राज, देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित है और इसकी जनसंख्या लगभग 3,00,000 है। ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलेन ने कहा कि इस बर्बर घटना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, वे युवा थे, जिनके सामने पूरा जीवन था। एक शिक्षक, जो उन्हें राह दिखा रहा था।

श्रीलंका के कारागार प्रमुख को रिमांड पर भेजा गया

कोलंबो। श्रीलंका के निलंबित कारागार प्रमुख तुषारा उपुलदेनिया को मंगलवार को एक स्थानीय अदालत ने 11 जून तक के लिए रिमांड पर भेज दिया। एक दिन पहले उन्हें सजायाफ्ता दोषियों को रिहा करने के लिए राष्ट्रपति की क्षमा प्रक्रिया का कथित तौर पर दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा सोमवार को गिरफ्तारी के बाद उपुलदेनिया को मंगलवार को कोलंबो अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। उत्तर मध्य अनुराधापुरा जेल के प्रमुख मोहन करुणारत्ना को भी सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया और बुधवार तक रिमांड पर भेज दिया गया। यह घटनाक्रम राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके द्वारा एक सजायाफ्ता अपराधी को कथित क्षमादान के तहत जेल से रिहा करने के मामले की जांच के आदेश देने के बाद हुआ है। राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि संभवतः गंभीर अनियमितता हुई है, क्योंकि क्षमा किए जाने वालों की सूची में डब्ल्यू.एच. अथुला तिलकरत्ने का नाम शामिल नहीं था। तिलकरत्ने को वैशाख पर राष्ट्रपति के क्षमादान के तहत रिहा किया गया था, जबकि उसका नाम माफी के लिए अनुशंसित 388 कैदियों में नहीं था। विपक्षी दल समागी जना बालवेगया (एसजेबी) ने संसद में यह मामला उठाया था और कहा था कि दोषी को संदिग्ध परिस्थितियों में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान दिया गया। पुलिस के अनुसार, जांच से पता चला है कि राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान के अयोग्य सजायाफ्ता दोषियों को अवैध रूप से रिहा किया गया था। पुलिस ने बताया कि कारागार महाआयुक्त से रविवार को अपराध जांच विभाग ने पांच घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। श्रीलंका के संविधान का अनुच्छेद 34 (1) राष्ट्रपति को सख्त न्यायिक प्रक्रिया के अधीन दोषियों को क्षमादान देने का अधिकार देता है। अदालतों ने 2023 और 2024 में फैसला सुनाया कि दिसानायके के पूर्ववर्ती मैत्रीपाला सिरिसेना और गोटबाया राजपक्षे ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति पद के क्षमादान के मामलों में गलती की थी। शीर्ष अदालत ने ऐसे क्षमादानों को उलटने का आदेश दिया था।

सात भाषाओं में शुरू होंगी भाषा-प्रधान योजनाएं

नोएडा। जेडईई जेड ने नए और सशक्त ब्रांड पहचान एवं रणनीतिक बदलाव की घोषणा की, जो इसे भारत के प्रमुख स्वदेशी प्लेटफ़ॉर्म के रूप में और मज़बूती से स्थापित कर रहा है। यह पुनः लॉन्च जी5 के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अपनी भाषा, अपनी कहानियां (अनेक भाषाएं, अनगिनत कहानियां) के वादे पर आधारित है और इसमें सांस्कृतिक रूप से प्रामाणिक कहानियों, भाषा आधारित वैयक्तिकरण और अत्याधुनिक तकनीक पर विशेष जोर दिया गया है। एक शानदार और जीवंत नया लोगो जो आधुनिक भारत की भावना और उसकी समृद्ध बहुभाषी पहचान को दर्शाता है।जी5 की भाषा कंटेंट रणनीति लोककथाओं, असली जीवन के नायकों और क्षेत्रीय कहानियों से प्रेरित, बेहद स्थानीय और भावनात्मक रूप से जुड़ी कहानियां पेश करेगी। हर भाषा की योजना को एक अलग सेक्शन के रूप में बनाया जाएगा ताकि प्रामाणिकता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित हो सके। वित्त वर्ष 2026 में 130 से अधिक नए कंटेंट शीर्षक होंगे, जिनमें ओरिजिनल्स, फिल्में, नॉन-फिक्शन, लाइव कंटेंट और अन्य भाषाओं में कई अन्य प्रकार के कंटेंट शामिल है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के डिजिटल बिजनेस और प्लेटफॉर्म के अध्यक्ष अमित गोयनका ने कहा, हमारी नई ब्रांड पहचान, भारतीय दर्शकों की विविधता को प्रतिबिंबित करने वाले एक गहन व्यक्तिगत, भाषा-प्रथम मंच बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी रणनीतिक दिशा बिल्कुल स्पष्ट है भारत और वैश्विक बाजारों में अपनी मौजूदगी को और मज़बूत करना, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के ज़रिए दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाना, और एक तकनीक-सक्षम, स्केलेबल, व्यक्तिगत व सहज प्लेटफ़ॉर्म को लगातार विकसित करते रहना। यह एक सांस्कृतिक बदलाव है कि उपभोक्ता वैश्विक स्तर पर भारतीय मनोरंजन की खोज कैसे करते हैं, उससे जुड़ते हैं और उसका उपभोग करते हैं।

एकरंगी नहीं बहुरंगी भूमिका पसंद : अनुष्का मर्चंडे

मुंबई। शक्तिशाली कहानियों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जी टीवी लेकर आया है 'सरू'- एक गांव की लड़की की दिल को छू लेने वाली और प्रेरणादायक कहानी, जो एक बड़े शहर में अपने सपनों के लिए संघर्ष करती है। सरू की भावनात्मक यात्रा की पृष्ठभूमि में अनिका का किरदार भी दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ता है, जिसे जीवंत किया है जोशीली अदाकारा अनुष्का मर्चंडे ने। साहसी, आत्मछवि को लेकर सजग और जबरदस्त महत्वाकांक्षाएं रखने वाली अनिका एक ऐसा किरदार है जो हमेशा ध्यान खींचता है। एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में वह कहानी में टकराव और अप्रत्याशित मोड़ लाती है, जो कथानक को और अधिक रोचक बनाता है। सरू के प्रति उसकी नाराजगी उसे हर मोड़ पर प्रेरित करती है और वह उसे नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। शो में अनिका के किरदार से जुड़े अनुभवों, अपने सह.कलाकारों के साथ रिश्तों और इस भूमिका के लिए अपनाए गए दृष्टिकोण को लेकर अनुष्का मर्चंडे खुलकर बात कर रही हैं। यह शो राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए पहचाना जाता है। शहर में शूटिंग का अनुभव कैसा रहा और क्या असली लोकेशन्स पर शूट करने से अनिका का किरदार निभाना और भी प्रभावशाली हो पाया? खारेस गांव, राजस्थान में शूटिंग करना एक अविस्मरणीय अनुभव था। वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, रंगों की मोहकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने कहानी को और अधिक गहराई और प्रामाणिकता दी। उस स्थान में एक अलग ही ऊर्जा थी, जो 'सरू' की आत्मा से मेल खाती थी, और उसी माहौल में रहने के कारण हम सभी कलाकार अपने-अपने किरदारों को ज़्यादा प्रभावशाली ढंग से निभा पाए। अनिका उन बहुआयामी किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। वह आत्मविश्वासी है, लेकिन कई बार उसका आत्मविश्वास उसकी भावनात्मक अस्थिरता और हमेशा श्रेष्ठ बने रहने की जरूरत के नीचे दब जाता है।

स्टार यूनियन दाईइची देगा पेंशन फंड

मुंबई। स्टार यूनियन दाई.इची लाइफइंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड-एसयूडी लाइफने पॉलिसीबाज़ार के साथ साझेदारी करएसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फ ा50इंडेक्स पेंशन फं डपेश किया है। यह उच्च संभावनाओं वाला नया इक्विटी फ़ंड एसयूडी लाइफकीयूलिप पेंशन योजना एसयूडी लाइफपेंशन प्लस के लिए तैयार किया गया है। यह अभिनव फंड ग्राहकों को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का रणनीतिक विकल्प प्रदान करता हैए जिससे वे अपने सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बना सकें। एसयूडी लाइफनिफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंडभारत की शीर्ष 300 कंपनियों में से चयनित 50 उच्च प्रदर्शन करने वाले शेयरों में निवेश करता है। एसयूडी लाइफका यह फंड निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है, जो बारह वर्षों से बाज़ार में मौजूद है और इसका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। इस बेंचमार्क ने 30 अप्रैल 2025 क के पाँच वर्षों में लगभग 33.29 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर दर्शाई है, जो इसकी मूल्य सृजन की क्षमता को दर्शाता है। रणनीतिक सेक्टर आवंटन और सख्त स्टॉक चयन के साथ यह फ़ंड निवेशकों को भारत की प्रगति में भागीदार बनने का अवसर देता है। एसयूडी लाइफके प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभय तिवारी ने कहाएश्एसयूडी लाइफनिफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंडके ज़रिए हम अपने ग्राहकों को एक मजबूत दीर्घकालिक निवेश माध्यम प्रदान कर रहे हैं। यह फंड विशेष रूप से सेवानिवृत्ति योजना के लिए डिज़ाइन किया गया है और हमें विश्वास है कि यह फ़ंड ग्राहकों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य बनाने में सहायक सिद्ध होगा।श्यह फ़ंड अब पॉलिसीबाज़ार के ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैए जो दोनों संगठनों की नवाचारी और मूल्य.संचालित वित्तीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।जैसे.जैसे भारत में सेवानिवृत्ति योजना को लेकर जागरूकता बढ़ रही हैए एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फ़ंड इक्विटी मार्केट में निवेश और यूलिप के अनुशासित बचत ढांचे का आदर्श संयोजन बनकर उभर रहा है।

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों पर बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल हमले किए, तीन की मौत

भाषा। कीव

रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन के दो शहरों पर बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल के जरिए हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला राजधानी कीव और दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में हुआ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बयान में हमले को युद्ध के दौरान अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि रूस ने रात

के दौरान 315 ड्रोन और सात मिसाइल दागीं। उन्होंने कहा कि दागे गए ड्रोन में से अधिकतर शहीद ड्रोन थे। जेलेंस्की ने हमले के मद्देनजर अमेरिका और यूरोप से ठोस कार्वाई का आह्वान किया। उन्होंने कहा, रूसी मिसाइल और शहीद ड्रोन हमलों की गूंज, रूस को शांति के रास्ते पर आने के लिए मजबूर करने के अमेरिका और दुनिया भर के अन्य देशों के प्रयासों से अधिक जोरदार है। ओडेसा के प्रांतीय प्रमुख ओलेह किपर ने कहा कि हमले में दक्षिणी बंदरगाह शहर के केंद्र में स्थित एक प्रसूति अस्पताल और आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय के एक बयान के अनुसार, शहर में दो लोग मारे गए और नौ घायल हो गए। हमले में कीव के ओबोलोन जिले में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए।

अमेरिका में हथकड़ी लगे भारतीय का वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने कहा, असहाय व आहत महसूस कर रहा हूं

न्यूयॉर्क। अमेरिकी हवाई अड्डे पर एक भारतीय युवक के हाथ में हथकड़ी होने, उसके चीखने और उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किए जाने का वीडियो बनाने वाले कुणाल जैन ने इस घटना को मानव त्रासदी करार देते हुए कहा कि वह खुद को असहाय और मर्माहत महसूस कर रहे हैं। भारतीय-अमेरिकी सामाजिक उद्यमी जैन ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस वीडियो में भारतीय व्यक्ति को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर दो-तीन पोर्ट अथॉरिटी पुलिस अधिकारियों द्वारा हथकड़ी लगाकर जमीन पर लिटाया गया दिखाया गया है। एक्स पर कई पोस्ट में जैन ने कहा कि अमेरिका में भारतीय दूतावास को उस व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।जैन ने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने कल रात नेवार्क हवाई अड्डे पर एक युवा भारतीय छात्र को निर्वासित होते देखा - उसके हाथ में हथकड़ी थी, वह चीख रहा था और उसके साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया जा रहा था। वह सपने पूरे करने के लिए आया था, नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं। एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) के रूप में, मैं असहाय और मर्माहत महसूस कर रहा था। यह एक मानवीय त्रासदी है। उन्होंने पोस्ट में भारतीय दूतावास को भी टैग किया।जैन ने कहा, यह बेचारा हरियाणवी भाषा में बोल रहा था। मैं उसके उच्चारण को पहचान सकता था, वह कह रहा था मैं पागल नहीं हूं, ए लोग मुझे पागल साबित करने में लगे हुए हैं।

मेरी खांसी क्यों नहीं जाती ?

भाषा। ब्रिसबेन

लगातार खांसी शर्मनाक साबित हो सकती है खासकर तब, जब लोगों को लगे कि आप कोविड-19 से पीड़ित हैं। बार-बार खांसी आने से आप शारीरिक रूप से थक भी सकते हैं, नींद में बाधा आ सकती है और मूत्र संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। एक जीपी के रूप में मैंने ऐसे रोगियों का भी इलाज किया है जिनकी पसलियों में बार-बार जोर से खांसने की वजह से उत्पन्न तनाव के कारण फ्रैक्चर हो गया था।कई बार खांसी इतनी देर तक क्यों बनी रहती है? यहां कुछ सबसे आम कारण दिए गए हैं और संकेत के बारे में बताने का प्रयास किया गया है, जब आपको किसी और गंभीर बीमारी के लिए जांच करवानी चाहिए।˘ हम क्यों खांसते हैं? खांसी की प्रतिक्रिया एक महत्वपूर्ण सुरक्षात्मक तंत्र है। हवा को बलपूर्वक बाहर निकालने से हमारे फेफड़े साफ होते हैं और उन्हें जलन, संक्रमण और दम घुटने के जोखिम से सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। कुछ लोग जिन्हें दीर्घकालिक पुरानी बीमारियां हैं (जैसे कि क्रोनिक ब्रोंकाइटिस या ब्रोन्काइक्टेसिस) उन्हें अक्सर खांसी आती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि फेफड़ों के सीलिया (छोटी

बाल जैसी संरचनाएं जो बलगम, मलबे और कीटाणुओं को हटाती हैं) अब फेफड़ों को साफ करने का काम नहीं करते हैं। गीली या उत्पादक खांसी का मतलब है बहुत सारा बलगम निकलना। खांसी सूखी या अनुत्पादक भी हो सकती है। ऐसा तब होता है जब वायुमार्ग, गले और ऊपरी अन्नप्रणाली (एसोफेगस) में खांसी के रिसेप्टर्स अत्यधिक संवेदनशील हो जाते हैं, जिससे साफ करने के लिए कोई बलगम न होने पर भी खांसी शुरू हो जाती है˘ दीर्घकालिक खांसी के कारणजब खांसी वयस्कों में आठ सप्ताह से अधिक या बच्चों में चार सप्ताह से अधिक समय तक रहती है, तो उसे दीर्घकालिक माना जाता है। तीन सबसे आम कारण हैं-नाक के पीछे से बलगम गले में टपकता है,-अस्थमा--पेट से एसिड रिफ्लक्स। अक्सर एक साथ होते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि दीर्घकालिक खांसी वाले 23 फीसदी लोगों में इनमें से दो स्थितियां थीं, और तीन फीसदी लोगों में तीनों स्थितियां थीं।यह समझ में आता है - वायुमार्ग की एलर्जी से ग्रस्त लोगों में अस्थमा और बुखार (एलर्जिक राइनाइटिस) दोनों विकसित होने की संभावना अधिक होती है। यह बुखार संभवत: नाक के पीछे से गले में बलगम के लगातार टपकने से होता है। लंबे समय तक जारी रहने वाली जोरदार खांसी रिफ्लक्स पैदा कर सकती है जो संभवत: आगे और खांसी का कारण बन सकती है। पुरानी खांसी दो अन्य स्थितियों का प्राथमिक लक्षण है, हालांकि इनका निदान करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ए दो लक्षण हैं- खांसी वाला अस्थमा और ईसिनोफिलिक ब्रोंकाइटिस। दोनों ही स्थितियों में वायुमार्ग में सूजन होती है। हालांकि, वे वेंटोलिन (अस्थमा के निदान के लिए मानक क्लिनिक परीक्षण) से तेजी से ठीक नहीं होते हैं। ˘ श्वसन संक्रमण के बाद खांसी - वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण के बाद भी लंबे समय तक खांसी बनी रह सकती है। जुकाम से पीड़ित बच्चों में, एक समीक्षा में पाया गया कि 90 फीसदी से अधिक बच्चों को अपनी खांसी से मुक्त होने में 25 दिन लगे। संक्रमण के बाद, सूजन वाले वायुमार्ग और अति-संवेदनशील खांसी रिसेप्टर्स के कारण खांसी की अतिसंवेदनशीलता विकसित हो सकती है। यहां तक कि मामूली परेशान करने वाली चीजें भी खांसी की प्रतिक्रिया को उत्पन्न कर सकती हैं। संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया बलगम को अधिक चिपचिपा बनाती है जिससे काम के बोझ से लदी और ठीक हो रही सीलिया के लिए इसे साफ करना अधिक कठिन होता है। हवा में मौजूद एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्व ऊपरी वायुमार्ग की क्षतिग्रस्त परत में भी आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। यह एक अनुपयोगी प्रतिक्रिया चक्र को उत्पन्न कर सकता है जो संक्रमण के बाद शरीर के उबरने की गति को धीमा कर देता है। अत्यधिक और अनुपयोगी खांसी से उबर रहे सीलिया और अधिक थक जाते हैं और वायुमार्ग की परत में जलन होती है।

रॉकेट प्रक्षेपणों में 10 गुना वृद्धि से ओजोन परत को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाएगा: नया शोध

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष उद्योग विकास की राह पर है, लेकिन नए शोध से पता चलता है कि रॉकेट प्रक्षेपण में तेजी से वृद्धि होने से ओजोन परत को नुकसान पहुंचेगा। हर साल दुनिया भर में सैकड़ों रॉकेट प्रक्षेपित किए जाते हैं, जिनमें से कई वाणिज्यिक कंपनियों और राष्ट्र-राज्य अंतरिक्ष कार्यक्रमों के तहत अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं। ए लगभग 20 जगहों पर प्रक्षेपित किए जाते हैं, लगभग सभी उत्तरी गोलार्ध में, और वर्तमान में सबसे ज़्यादा प्रक्षेपण दर अमेरिका, चीन, न्यूज़ीलैंड और रूस से हैं।हमारा नवीनतम शोध उस महत्वपूर्ण बिंदु का पता लगाता है जब अधिक रॉकेट प्रक्षेपण करने से समस्याएँ पैदा होने लगेंगी। हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि एक बार जब दरें प्रति वर्ष 2,000 प्रक्षेपण तक पहुँच जाएंगी - जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दस गुना वृद्धि है - तो ओजोन परत में वर्तमान में हो रहा सुधार धीमा पड़ जाएगा। हमारा तर्क है कि सावधानी से हम भविष्य के इस नुकसान से बच सकते हैं। उद्योग विकास के आर्थिक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

पहले आईसीसी खिताब के लिए उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

● तोड़ना होगा आस्ट्रेलियाई तिलिस्म

भाषा। लंदन

पिछले दो साल में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल तक पहुंची दक्षिण अफ्रीका के सामने चोकर्स (दबाव के आगे घुटने टेकने वाले) का ठप्पा हटाने का सुनहरा मौका होगा लेकिन इसके लिए उसे आईसीसी टूर्नामेंटों की दिग्गज आस्ट्रेलिया के किले में सेंध लगानी होगी। ऑस्ट्रेलिया इकलौती टीम है जिसने आईसीसी की चारों ट्रॉफी (वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और डब्ल्यूटीसी) जीती है। वैश्विक टूर्नामेंटों के फाइनल में उसे हराना और मुश्किल होता है। टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है और इसमें से 10 बार खिताब जीतने में सफल रही है। दक्षिण अफ्रीका की हालांकि एक टीम अहम मैचों में जीत के करीब पहुंच कर फिसलने के लिए जानी जाती है। टीम ने अब तक आईसीसी का सिर्फ एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच के जरिए पिछली विफलताओं को भुलाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती पारी का आगाज करने के लिए उस्मान ख्वाजा के साथी को तय करने की होगी। टीम के पास भारत के खिलाफ पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले अंतिम एकादश से डेविड वार्नर को छोड़कर बाकी के 10 खिलाड़ी मौजूद है। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभई। उन्होंने आईपीएल में 12 मैचों में 22 विकेट लेकर दमदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वॉर्नर की जगह लेने वाले का फैसला अब भी नहीं हुआ है। 19 साल के सैम कॉन्स्टास ने भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर से प्रभावित किया लेकिन फरवरी में श्रीलंका में ट्रेविस हेड ने इस भूमिका को निभाया। माना जा रहा कि हेड एक बार भी इस भूमिका में दिखेंगे। टीम के लिए मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन की फॉर्म चिंता की विषय है लेकिन हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने सर्जरी से वापसी करते हुए काउंटी क्रिकेट में ग्लूस्टरशर का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन शतक जड़ कर शानदार वापसी की है।

एंगिडि को दक्षिण अफ्रीकी टीम में पीटरसन पर तरजीह

लंदन। आस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स पर बुधवार से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर लुंगी एंगिडि को डेन पीटरसन पर तरजीह दी गई है। एंगिडि ने पिछले साल अगस्त से कोई टेस्ट नहीं खेला है लेकिन अपने कैरियर में 19 टेस्ट में 55 विकेट ले चुके है। वह कैगिसो रबाडा और मार्को यानसेन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण की कमान संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी अंतिम एकादश का ऐलान कर दिया है। पीटरसन पिछले दो महीने में इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप में मिडिलसेक्स के लिए तीन मैच खेल चुके है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा , यह बहुत कठिन फैसला था। हमने पिछले साल में डेन पीटरसन को शानदार प्रदर्शन करते देखा है। लेकिन यह हालात के मद्देनजर लिया गया फैसला है। चूंकि लुंगी का रिकॉर्ड बेहतर है। हमारे पास वियान मूल्डर जैसा खिलाड़ी है जो पीटरसन की तरह ही प्रदर्शन कर सकता है। दक्षिण अफ्रीका टीम : तेम्बा बावुमा (कप्तान) , एडेन मार्क्रम, रियान रिकेल्टन, वियान मूल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेन्ने, मार्को यानसेन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एंगिडि।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे लाबुशेन

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उस्मान ख्वाजा के साथ मार्नस लाबुशेन से पारी का आगाज कराने का फैसला किया है। डब्ल्यूटीसी चक्र 2023-25 में 28.33 के औसत से रन बनाने के बाद टीम में लाबुशेन की जगह खतरे में थी लेकिन आस्ट्रेलिया ने जनवरी 2024 में सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के संन्यास के बाद उनका स्थाई विकल्प खोजने में नाकाम रहने के बाद मंगलवार को लाबुशेन को एक और मौका देने का फैसला किया। विशेष विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को एकादश में शामिल नहीं किया गया है जबकि फरवरी में श्रीलंका में पारी का आगाज करने वाले ट्रेविस हेड एक बार फिर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। फिटनेस हासिल कर चुके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को स्कॉट बोलैंड पर तरजीह दी गई है। बोलैंड ने 2023 फाइनल में चोटिल हेजलवुड की जगह ली थी और द ओवल में भारत पर ऑस्ट्रेलिया की 209 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टीम के 11 में से नौ सदस्य लगातार दूसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलते नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया की एकादश इस प्रकार है: उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

केंट पहुंचे अर्शदीप, इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला से पहले टेस्ट में लय हासिल करने की कोशिश

लंदन। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह केंट लौटकर खुश हैं जहां उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेली है और इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले वह पारंपरिक प्रारूप में लय हासिल करने की कोशिश में होंगे। 26 वर्ष के अर्शदीप को भारतीय टीम में चुना गया है और उनकी नजरें पहला टेस्ट खेलने पर लगी होंगी। भारतीय टीम 13 जून से भारत ए के खिलाफ केंट में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अर्शदीप दो साल पहले केंट के लिए काउंटी चैम्पियनशिप खेल चुके हैं। उन्होंने इस साल आईपीएल में उपविजेता पंजाब किंग्स के लिए भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने बीसीसीआई टीवी से कहा , आज के अभ्यास सत्र में मेरा लक्ष्य लय हासिल करना ही था। हम लगातार सफेद गेंद का प्रारूप खेल रहे थे तो अब लाल गेंद से खेलकर अच्छा लगा। आगे हम और बेहतर होते जाएंगे और बल्लेबाजों के लिए गेंद को खेलना आसान नहीं होगा। गेंदबाजी में मजा आया। हम अभ्यास के लिए खेल रहे थे लेकिन पूरी तरह से प्रतिस्पर्धी भाव के साथ। इससे और भी मजा आया। हमने पुख्ता रणनीति बनाकर उन्हें आउट करने की कोशिश की। साइ (सुदर्शन) पहली बार टीम से जुड़ा है और शानदार फॉर्म में भी है। हमने उसे आउट करने की काफी कोशिश की। अर्शदीप ने कहा कि वह जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करके अपने कौशल को निखारने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा , जब भी मैं गेंद पकड़ता हूं तो मुझे लगता है कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं। लेकिन सभी को पता है कि जब आपके गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह हैं तो तुलना जैसा शब्द तो हो ही नहीं सकता। फोकस इसी पर है कि हम अपने खेल में कैसे निखार लाएं और एक दूसरे की , टीम की मदद कैसे करें।

29 बरस की उम्र में पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

पोर्ट आफ स्पेन। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहकर सभी को चौंका दिया है और उन्होंने इस फैसले का कोई कारण नहीं बताया। पूरन ने कहा कि उन्होंने काफी सोच विचारकर यह फैसला लिया है। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए खुद को चयन से बाहर कर लिया था। वेस्टइंडीज के लिए 106 टी20 मैच खेल चुके पूरन ने 136 . 39 की स्ट्राइक रेट से 2275 रन बनाए हैं। उन्होंने 61 वनडे खेलकर 99 . 15 की स्ट्राइक रेट से 1983 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान पूरन ने अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा , काफी सोच समझकर मैने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने का फैसला किया है। उन्होंने लिखा , इस खेल ने खुशी, मकसद, न भूलने वाली यादें और वेस्टइंडीज के लोगों की नुमाइंदगी का मौका दिया है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला। उन्होंने लिखा , मरून जर्सी पहनकर स्टेडियम में राष्ट्रगीत के लिए खड़े होना और अपना सब कुछ मैदान पर दे देना ..इसके क्या मायने हैं वह शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। टीम की कप्तानी करना मेरा सौभाग्य रहा और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।

भारतीय रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी ने सत्र की पहली जीत दर्ज की

नई दिल्ली। भारत की रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी ने सत्र की पहली जीत दर्ज करते हुए इंसब्रुक में आस्ट्रियन रेसवॉकिंग चैम्पियनशिप में महिलाओं की दस किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। ेस्वामी ने 47 मिनट और 54 सेकंड का समय निकाला। उनके नाम 20 किलोमीटर रेसवॉक में एक घंटे, 28.45 मिनट का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दस किलोमीटर में उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 45 मिनट और 47 सेकंड का है जो उन्होंने 2022 में बनाया था। गोस्वामी ने अपने सोशल मीडिया हैंडिल्स पर लिखा , एक मिनट के दंड के बावजूद मैने स्वर्ण जीता जो आसान नही था। बुखार और दंड के बाद यह मुश्किल था।

यह दुर्भाग्यपूर्ण और बहुत दुखद है : बेंगलुरू भगदड़ पर बोले द्रविड़

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में बेंगलुरू में 11 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। यह हादसा बुधवार को हुआ जब बेंगलुरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास अपने पसंदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए ढाई लाख लोग जमा हुए थे। इससे मची भगदड़ में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। भारत के पूर्व कोच और कप्तान द्रविड़ ने एनडीटीवी से कहा , यह काफी निराशाजनक है। बहुत दुखद। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ है। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कोच द्रविड़ ने कहा कि शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए यह घटना और भी दर्दनाक है। उन्होने कहा , यह खेलों का शौकीन शहर है। मै इसी शहर से हूं। लोग क्रिकेट की नही , हर खेल को पसंद करते है और टीमों को फॉलो करते है। फुटबॉल टीम को या कबड्डी टीम। आरसीबी के प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या मे है। यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एम्सटेलवीन। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच मे आखिरी मिनटों मे गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नही कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिए यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों मे 2-1 और 3-2 से हराया। दोनो मैचों मे भारत ने बढत बनाने के बाद आखिरी मिनटों मे गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा। पिछले मैच मे नौ मे से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल मे बदल सकी। अभी इस चरण मे छह मैच खेले जाने बाकी है और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिए अगले साल होने वाले विश्व कप मे जगह बनाने की कोशिश मे जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों मे बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने है जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा , हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।

भारत ने अहम मैच में हांगकांग को 0-1 से हाराया

● 2027 एशियाई कप क्वालीफायर फुटबॉल

कोवलून (हांगकांग)। भारतीय फुटबॉल टीम को 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के अहम मैच में स्टीफन परेरा के इंजरी टाइम में दागे गोल के कारण मंगलवार को यहां मेजबान हांगकांग के खिलाफ 0- । से हार का सामना करना पड़ा। रेफरी ने हांगकांग को उस समय पेनल्टी दी जब भारत के गोलकीपर विशाल कैथ गोल लाइन से बाहर आए और गेंद को सुरक्षित बाहर करने की कोशिश की लेकिन माइकल उदेबुलुजोर के खिलाफ फाउल कर बैठे। परेरा (90+4) ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर हांगकांग की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने गेंद को कैथ के दाईं ओर से गोल में पहुंचाया। कैथ को इंजरी टाइम के फाउल के लिए पीला कार्ड भी दिखाया गया। इससे पहले भारत के कोच मनोलो मारक्वेज ने अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री को शुरुआती एकादश से बाहर रखा। नवनिर्मित काई टेक स्टेडियम में स्थानीय दर्शक मेजबान टीम के समर्थन में बड़ी संख्या में जुटे थे लेकिन भारत ने पहले हाफ में कुछ मौके बनाते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। हांगकांग ने हालांकि गेंद को अधिक समय तक अपने कब्जे में रखा। एक बार फिर शुरुआती 45 मिनट में फिनिशिंग की कमी ने भारतीय टीम को निराश किया। मध्यांतर से पहले जो मौके मिले उनमें से 35वें मिनट में भारतीय टीम गोल करने के सबसे करीब थी लेकिन आशिक कुरुनियन ने लिस्टन कोलासो के क्रॉस पर शॉट बाहर मार दिया। चोटिल होने के कारण चिकित्सा सहायता के बाद कोलासो ने लंबी दूरी से एक शक्तिशाली शॉट लगाया लेकिन वह सीधे गोलकीपर के दस्तानों में चला गया। मध्यांतर से पहले हांगकांग को गोल करने का मौका मिला लेकिन फ्री किक पर कैथ के चूकने के बाद आशीष राय ने संकट को टाल दिया। मध्यांतर के बाद भारतीय कोच मनोलो ने कुरुनियन और ब्रैंडन फर्नांडिस की जगह नाओरेम सिंह के साथ भारत के सर्वकालिक सर्वोच्च गोल स्कोरर सुनील छेत्री को मैदान में उतारा। भारत ने दूसरे हाफ में भी मौके बनाए लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मैच के 81वें मिनट में लालियानजुआला छांगटे के पास पर छेत्री चूक गए।

महान टीमों में शामिल होने के लिए डब्ल्यूटीसी खिताब जीतना अहम : लियोन

लंदन। आस्ट्रेलिया के स्टार आफ स्पिनर नाथन लियोन का मानना है कि आस्ट्रेलिया की महानतम टीमों में शामिल होने के लिए लगातार दूसरी बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब जीतना अहम कदम होगा। सैतीस वर्ष के लियोन उस आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हैं जो बुधवार से लॉडर्स पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 चक्र का फाइनल खेलेगी। आस्ट्रेलिया ने 2003 में भारत को 209 रन से हराकर खिताब जीता था। लियोन ने कहा , हमने पिछले दो साल में शानदार प्रदर्शन किया है जिस पर हमे गर्व है। हम आस्ट्रेलिया की महान टीम बनने की राह पर हैं लेकिन अभी वहां तक पहुंचे नहीं है।

क्विक न्यूज

काउंटी चैंपियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे गायकवाड़

लीड्स। भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिए यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा है जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा , इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रूतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके है। इसमें कहा गया , दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिए पारी का आगाज भी कर चुका है।

कोहली और अनुष्का ने दुबई टूरिज्म के साथ एक ऐतिहासिक साझेदारी की

दुबई। दुबई डिपार्टमेंट ऑफ इकॉनॉमी एंड टूरिज़्म के हिस्से दुबई कॉरपोरेशन फॉर टूरिज़्म एंड कॉमर्स मार्केटिंग (विज़िट दुबई) ने अपना नया कैंपेन 'दुबई, रेडी फॉर अ सरप्राइज़' लॉन्च किया है, जिसमें भारत की लोकप्रिय जोड़ी विराट कोहली और अनुष्का शर्मा मुख्य भूमिका में हैं।पिछले कुछ वर्षों में कई बार दुबई का दौरा कर चुके विराट और अनुष्का का इस शहर से गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव है। यही रिश्ता उन्हें इस विशेष गंतव्य-आधारित सहयोग के लिए प्रेरित करता है। इस ऐतिहासिक साझेदारी के पहले चरण के तहत, कैंपेन की मूल फिल्म दुबई को हर तरह के यात्रियों के लिए आदर्श गंतव्य के रूप में दर्शाती है, जहां विराट और अनुष्का शहर की विविधता से भरे अनुभवों के बीच एक-दूसरे को सरप्राइज़ देते नजर आते हैं। फिल्म का समापन एक दिलचस्प मोड़ के साथ होता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है ङ्क क्या दुबई में अभी और कुछ बाकी है?इस्साम काज़िम, सी ई ओ , कॉरपोरेशन फॉर टूरिज्म एंड कॉमर्स मार्केटिंग (विज़िट दुबई) ने कहा,विराट और अनुष्का के साथ यह सहयोग हमारे लिए एक स्वाभाविक चयन है ङ्क दुबई के प्रति उनका सच्चा लगाव और दर्शकों के साथ उनका जुड़ाव उन्हें इस शहर के आदर्श प्रतिनिधि बनाता है। हम दुबई को वैश्विक व्यवसाय और अवकाश स्थल के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, और यह अभियान दुबई के लगातार बदलते अनुभवों और विविधताओं को दर्शाता है। भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण स्रोत बाज़ारों में से एक है, और ऐसे सहयोग हमें भारतीय यात्रियों से गहरे सांस्कृतिक संबंध बनाने में मदद करते हैं।

युवाओं को इनोवेशन में प्रतिभा दिखाने का मौका लगा

नई दिल्ली। जैसे ही वीवो इग्नाइट का तीसरा एडिशन अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, कक्षा 8 वी से 12 वी तक के भारतीय युवा छात्र इनोवेशन के ज़रिए सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपनी असाधारण सोच का प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्वसनीय स्मार्टफोन ब्रांड वीवो इंडिया ने अपने राष्ट्रव्यापी प्रमुख कार्यक्रम वीवो इग्नाइट टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन के शीर्ष 10 विचारों की घोषणा की है, जिनका प्रतिनिधित्व 19 युवा फाइनलिस्ट कर रहे हैं। ये उत्कृष्ट परियोजना विचार 5,600 से अधिक एंट्री में से चुने गए थे, जो विचारों, रचनात्मकता और उद्देश्य की समृद्ध विविधता को दर्शाते हैं। 19 शानदार युवा प्रतिभाओं द्वारा विकसित किए गए ये विजयी आइडियाज़ टेक्नोलॉजी, क्रिएटिविटी और उद्देश्य का अनोखा मेल दिखाते हैं, जो समाज की कुछ बड़ी और अहम समस्याओं के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करते हैं।इस साल के फाइनल में 660 से ज़्यादा ज़िलों के 9,000 से अधिक स्कूलों की भागीदारी देखने को मिली, जिसने इसे विविधता से भरपूर बना दिया। उत्तर और दक्षिण भारत से दो-दो फाइनलिस्ट आइडियाज़ चुने गए, जबकि पूर्व और पश्चिम भारत से तीन-तीन फाइनलिस्ट्स ने प्रतिनिधित्व किया। 9वी कक्षा के छात्र सबसे बड़ी संख्या में शामिल रहे। 19 में से 13 फाइनलिस्ट्स टॉप 10 आइडियाज़ का हिस्सा थे। इनके बाद कक्षा 11वीके 3, कक्षा 8वी के 2 और कक्षा 10वी का 1 छात्र चुना गया। जो यह साबित करता है कि कम उम्र में ही इन छात्रों में इनोवेशन की चिंगारी दिखाई देने लगी है।

जर्मनी में चार देशों के टूर्नामेंट में भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे हुंडल

नई दिल्ली। अनुभवी ड्रैग फ्लिकर अराइजीत सिंह हुंडल 21 जून से बर्लिन में शुरू हो रहे चार देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्ईय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे। यह टूर्नामेंट इस साल चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। भारत और मेजबान जर्मनी के अलावा 21 से 25 जून तक होने वाली इस प्रतियोगिता में स्पेन और ऑस्ट्रेलिया भी हिस्सा लेंगे। भारत के पूर्व गोलकीपर और जूनियर पुरुष टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, यह टूर्नामेंट इस साल के अंत में (नवंबर-दिसंबर) होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें प्रतिस्पर्धी माहौल में शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का मौका देगा जो इन युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

रश बाय देगा स्किल-आधारित गेमिंग को बढ़ावा

मुंबई। भारत की रियलमनी गेमिंग दुनिया में अब मज़ा और देसी तड़का दोनों आ गया है। हाइक के स्किलबेस्ड कैज़ुअल गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म रश ने अपना पहला ब्रांड कैंपेन रुचलोजीतकीचाल लॉन्च किया ह, जिसमें मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक नजर आ रहे हैं। यह कैंपेन ह्यूमर, मेहनत और रोज़मर्रा की जुगाड़ से भरपूर है और उन तेज़दिमाग और फुर्तीले खिलाड़ियों को सेलिब्रेट करता है जो भारत में ज़िंदगी की चुनौतियों को गेम.जैसी जीत में बदल देते हैं। रश के सबसे महत्वाकांक्षी कम्युनिकेशन कैंपेन के रूप मेंए यह पाँच हफ्तों का अभियान 10 जून से टीवी रेडियो और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर शुरू हो रहा है और इसका उद्देश्य भारत के तेज़ी से बढ़ते हिंदी भाषी बाजारों में 2 करोड़ से अधिक यूज़र्स तक पहुँचना है। रुचलो जीत की चाल हमारे लिए भारत के सबसे बेहतर गेमर्स को मंच पर लाने का एक तरीका है, वे लोग जो स्मार्ट खेलते हैं, लगातार मेहनत करते हैं और जानते हैं किए रणनीति और कौशल किस्मत पर हमेशा भारी पड़ते हैं। सीएफओ मनीष कुमार ने कहा गेमिंग को एक मुस्कान के साथ मुख्यधारा की बातचीत का हिस्सा बनाए।

नागल एटीपी रैंकिंग में 233वें स्थान पर

● बोपन्ना 15 साल में पहली बार शीर्ष 50 से बाहर

नई दिल्ली। एटीपी सर्किट पर पिछले कुछ अर्से से खराब प्रदर्शन के कारण भारत के सुमित नागल एकल रैंकिंग में 63 पायदान गिरकर 233वें स्थान पर खिसक गए जो पिछले दो साल में उनकी सबसे खराब रैंकिंग है जबकि 45 वर्ष के रोहन बोपन्ना 15 साल में पहली बार शीर्ष 50 से बाहर हो गए। पिछली बार 27 वर्ष के नागल जुलाई 2023 में शीर्ष 200 से बाहर हुए थे जब वह 231वीं पायदान पर थे। उसके बाद से वह जुलाई 2024 में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 68वीं रैंकिंग तक पहुंचे। इस सत्र की शुरूआत से वह खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। वह इस साल जनवरी में रैंकिंग में शीर्ष 100 में थे लेकिन पिछले पांच महीने में 142 स्थान नीचे आ गए। भारत के ससिकुमार मुकुंद 430वें, करण सिंह 445वें , आर्यन शाह 483वें और देव जाविया 621वें स्थान पर हैं। युगल में युकी भांबरी छह पायदान चढ़कर 35वें स्थान पर हैं जबकि बोपन्ना 20 पायदान खिसककर 53वें स्थान पर आ गए हैं। पिछले साल जनवरी में वह युगल प्रारूप में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। बालाजी 72वें, रित्विक बोलिपल्ली 72वें और विजय सुंदर प्रशांत 100वें स्थान पर हैं।

इलावेनिल को आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य

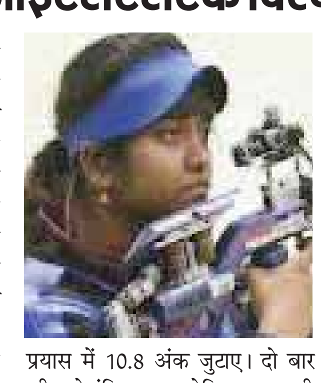

म्यूनिख। भारत की दिग्गज निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान को मंगलवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में प्रतियोगिताओं के पहले दिन महिला 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में एक समय शीर्ष पर रहने के बावजूद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पच्चीस साल की भारतीय निशानेबाज इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की 18 साल की वैंग झिफेई ने 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की क्वोन युनजी ने 252.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरुआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए। दो बार की ओलंपियन इलावेनिल शुरुआती पांच शॉट के बाद कोरिया की ओलंपिक चैंपियन युनजी से 0.3 अंक पीछे थी। वह 10.8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंची। इलावेनिल 12 शॉट के बाद 127.2 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। इस समय वैंग दूसरे स्थान पर थी। यहां 2018 में हुए विश्व कप में चौथे स्थान पर रहीं इलावेनिल ने 10.7 अंक के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारतीय निशानेबाज हालांकि इसके बाद 9.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई और अंततः उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले क्वालीफिकेशन की छह सीरीज के बाद इलावेनिल 635.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वैंग ने 637.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टेड 635.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वैंग का स्कोर क्वालीफिकेशन का विश्व रिकॉर्ड है।

दिल्ली के सुनील सबसे आगे

● कपिल और उत्कर्ष ने बढ़ाया रोमांच

● नॉर्थ ज़ोन टेनपिन बॉलिंग रैंकिंग टूर्नामेंट

लखनऊ। दिल्ली के खिलाड़ियों ने प्रथम नॉर्थ ज़ोन टेनपिन बॉलिंग रैंकिंग टूर्नामेंट 2025 के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पकड़ मजबूत बना ली। उत्तर प्रदेश टेनपिन बॉलिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ के लुलु मॉल स्थित फं टुरा बॉलिंग सेंटर में आयोजित टूर्नामेंट में मंगलवार को पहले राउंड के मुकाबले जारी रहे। दिल्ली के सुनील कुमार शर्मा ने सधे हुए और सटीक खेल का परिचय देते हुए कुल 2222 पिनफ ॉल के साथ दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दूसरे राउंड में जगह बनाई। सुनील ने आज उच्च स्तर के तकनीकी कौशल और मानसिक एकाग्रता को दर्शाते हुए 200 से अधिक स्कोर करते हुए दिन का सबसे अधिक स्कोर हासिल किया। वहीं दिल्ली के ही कपिल सिंघल ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल 2200 पिनफॉल हासिल किए लेकिन सुनील से केवल 22 पिन से पिछड़ने के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए दूसरे राउंड में जगह बनाई। वहीं मध्य प्रदेश के उत्कर्ष श्रीवास्तव ने भी जबरदस्त चुनौती पेश की। उन्होंने कुल 2171 पिनफॉल अर्जित किए और निरंतरता और लय का प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान पर रहे। यूपीटीबीए के सचिव दिलीप सिंह ने बताया कि जैसे.जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा हैए खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा और अधिक रोमांचक होती जा रही है। बुधवार को दूसरे राउंड के मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें शीर्ष खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

आनन्द किशोर नेशनल टैलेंट अवॉर्ड से सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ के प्रख्यात खेल प्रमोटर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के निदेशक डॉ. आनन्द किशोर पाण्डेय को खेल सुविधा प्रबंधन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए श्नेशनल टैलेंट अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कार समिति की ओर से प्रदान किया गया। जिसे भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। खेल व खिलाड़ी को बढ़ावा देने में सतत सक्रिय डॉ. पाण्डेय पिछले कई वर्षों से देशभर में स्पोर्ट्स फैसिलिटी मैनेजमेंट के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ कार्य कर खेल संरचनाए प्रबंधन और संचालन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित अवार्ड भारतीय प्रबंध संस्थानए अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर भरत भास्कर द्वारा लखनऊ में प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ.आनन्द किशोर पाण्डेय ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहींए बल्कि पूरे खेल जगत और युवा टैलेंट को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रेरणा है। डा.आनन्द किशोर पाण्डेय देश के कई प्रसिद्ध संस्थान, शिक्षण संस्थाओं एवं विश्वविद्यालय के साथ खेल प्रबंधन के लिए कार्य कर रहे हैं।

सेंट पाल कालेज की छात्रा रहीं वरुणा राव ने विश्व स्तर पर रचा इतिहास

लखनऊ। कैंट स्थित सेंट पाल कालेज की 1997 बैच की छात्रा वरुणा राव ने दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 'कॉमरेड्स मैराथन' पूरी कर ली है। करीब 90 किलोमीटर की दूरी वरुणा राव ने 11 घंटे और 32 मिनट में फिनिश लाइन पार की। वरुण राव ने बेजोड़ शालीनता और धैर्य के साथ गर्व से भारतीय ध्वज लहराया। वरुण राव ने 25,000 से ज़्यादा प्रतिभागियों के बीच महिला आयु वर्ग में 1100वां स्थान हासिल करके एक असाधारण उपलब्धि हासिल की, जिससे वह उत्कृष्टता और धीरज की सच्ची प्रतीक बन गईं। कॉलेज और पूर्व छात्र संघ की ओर से, रेवरेंड फादर एल्विन मधाता (प्रबंधक, सेंट पॉल सेमिनरी और कॉलेज), रेवरेंड फादर तेज प्रकाश बारा (प्रधानाचार्य, सेंट पॉल कॉलेज) और आशीष यादव (अध्यक्ष, सेंट पॉल पूर्व छात्र संघ) ने वरुणा राव को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। आशीष याद ने कहा कि वरूण राव आपकी यात्रा हम सभी को याद दिलाती है कि साहस का मतलब थकावट की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इसे पार करने की इच्छाशक्ति है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय- 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-69342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, ए-8, सेक्टर 7, जिला- गौतमबुद्ध नगर- उप्र, नोएडा-201301, फोन नंबर 0120 2470700 से मुद्रित। प्रधान सम्पादक: डॉ. देवेन्द्र सिंह ।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।